नर्मदा परिक्रमा

(मार्गदर्शिका)

- आत्मकृष्ण

पतित पावनी श्री नर्मदा मैया

।। नर्मदे हर ।।

।। नर्मदे हर हर ।।

।। नर्मदे हर हर हर ।।

श्रीमत् परमहस परिव्राजकाचार्य
वासुदेवानंद सरस्वती (टेंबे) स्वामी महाराज

नर्मदा परिक्रमा मार्ग

रत्न सागर (अरबी समुद्र) 6 hr.

(3200 KM) Approx

नर्मदा परिक्रमा बस मार्ग

मिठीतलाई 60 Km → भालोद 52 Km → नारेश्वर 65 Km → तिलकवाडा 16 Km → गरुडेश्वर 208 Km → कोटेश्वर → महेश्वर 8 Km → मंडलेश्वर 64 Km → बडवाह 164 Km → नेमावर 119 Km → बुधनी 70 Km → बरेली 90 Km → बरमानघाट 115 Km → जबलपूर 80 Km → शाहपूरा 60 Km → जोगी टिकरिया 110 Km → अमरकंटक

अमरकंटक 88 Km → डिंडोरी 145 Km → महाराजपूर 174 Km → नरसिंगपूर 26 Km → बरमानघाट 121 Km → पिपरीया 95 Km → होशंगाबाद 95 Km → हरदा 183 Km → ॐकारेश्वर → बडवानी 193 Km → प्रकाशा 162 Km → राजपिपला 133 Km → भालोद 70 Km → कटपोर 50 Km

नर्मदा परिक्रमा बस मार्ग (3200 KM) Approx

पुराणो में नर्मदा महिमा

जाह्नवी वैष्णवी गंगा, ब्राह्मी गंगा सरस्वती ।
इयं माहेश्वरी गंगा, रेवा नास्त्यत्र संशयम् ।।१।।
गंगा कनखले पुण्या, कुरुक्षेत्रे सरस्वती ।
ग्रामे यदि वाऽरण्ये पुण्या सर्वत्र नर्मदा ।।२।।
स्मरणात् जन्मजं पापं, दर्शनेन त्रिजन्मजम् ।
स्नानात् जन्मसहस्राख्यं हन्ति रेवा कलौ युगे ।।३।।
सर्वत्र सुलभा रेवा, त्रिषु स्थानेषु दुर्लभा ।
ओंकारेऽथ भृगुक्षेत्रे, तथा रेवोरिसंगमे ।।४।।
गंगा कनखले पुण्या, प्राच्यां पुण्या सरस्वती ।
याम्ये गोदावरी पुण्या, पुण्या सर्वत्र नर्मदा ।।५।।
नर्मदा नर्मदा सर्व - मनोरथान् ददाति वै ।
कलौ तु नर्मदा देवी, कल्पवृक्षो जनार्तिहा ।।६।।
प्रभाते वहति गंगा, मध्याह्ने तु सरस्वती ।
अपराह्ने सर्वतीर्थानि, रात्रौ वहति नर्मदा ।।७।।
ऋग्वेदमूर्तिर्गंगा स्याद्, यमुना च यजुर्ध्रुवम् ।
नर्मदा साममूर्तिस्तु, स्यादथर्वा सरस्वती ।।८।।
सद्यः पापहरा गंगा, सप्ताहेन कलिन्दजा ।
त्र्यहात् सरस्वती तीरे, रेवे ! त्वं तु दर्शनात् ।।९।।
अेषा पवित्रा विमला, नदी त्रैलोक्य-विश्रुता ।
नर्मदा सरितां श्रेष्ठा, महादेवस्य वल्लभा ।।१०।।
सर्वतीर्थेषु यत्पुण्यं, स्नात्वा सागरमादितः ।
सकृत् स्नात्वा तथा श्रुत्वा, नर्मदायां फलं हि तत् ।।११।।

नर्मदा परिक्रमा

(मार्गदर्शिका)

।। नर्मदेहर ।।

।। परस्परदेवो भव ।।

व्याख्यामुद्रां प्रवरदकरे दक्षिणे धारयन्तीं
वामे लिंगं सलिलकलशं भूषयन्तीं वरेण्याम् ।
अंभोजस्थां मकररथगां दिव्यसौन्दर्यमूर्तिं
वन्दे रेवां कलकलरवां शंभुकन्यां शरण्याम् ।।

श्रीअवधूत साहित्य प्रकाशन ट्रस्ट, नारेश्वर

प्रकाशक
श्री अवधूत साहित्य प्रकाशन ट्रस्ट,
नारेश्वर. पो. सायर ।
वाया - अंकलेश्वर - ३१३१०७
फोन : (०२६६६) २५३२९३

© सर्व हक्क प्रकाशक आधीन

सातवां संस्करण] दत्तजयंति सं.:२०७० [प्रत - ६०००
ता. १६-१२-२०१३

मूल्य : १० रूपये

मुद्रक :-
हेम प्रिन्टींग प्रेस,
४, लब्धि इन्ड. ओस्टेट, ओसिड मिल कंपाउन्ड,
प्रतापनगर, वडोदरा-०४,
फोन : (०२६५) २५८०२४४, २५८०२३३

अनुक्रमणिका

क्रमांक	विषय	पृष्ठांक
१.	प्रकाशक का निवेदन	I
२.	भूमिका	II
३.	नर्मदाष्टक	III
४.	नर्मदा महिमागान	VI
५.	नर्मदा आरती	VII
६.	कुछ आवश्यक बातें	VIII
७.	नर्मदा उत्पत्तिकथा	IX
८.	नर्मदा परिक्रमा पध्धति अेवं प्रकार	XII
९.	नर्मदा परिक्रमा मार्ग - उत्तरतट	१
१०.	नर्मदा परिक्रमा मार्ग - दक्षिणतट	५३
११.	नर्मदा परिक्रमा यात्रा - वाहनमार्ग	१०३

१. प्रकाशक का निवेदन

स्वामी श्री आत्मकृष्ण नारेश्वर आते रहते हैं । उनका मिलनसार, अनुष्ठानप्रिय स्वभाव हर अेक को प्रभावित करता है । पू. श्री रंग अवधूत महाराज की और उनके बारेमें लिखी गई कृतियां पढ़कर चिर अभिलषित श्री नर्मदा परिक्रमा करने की उनको इच्छा हुई । वे नर्मदा परिक्रमा कर भी आये । प्रदक्षिणा करते समय उन्हें जो प्रतिकूलताओं का अनुभव हुआ उसके समाधान रूपमें अेक पुस्तिका उन्होंने तैयार की ।

माँ नर्मदा की प्रदक्षिणा करनेवाले यात्रिकों के लिये यह पुस्तिका अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी यह सोचकर उसका प्रकाशन किया गया । अब तक इस पुस्तिका की छे आवृत्तियाँ हो चूकी है और हजारों परिक्रमावासियों ने उसका सहारा लेकर अपनी परिक्रमा सरलता से संपन्न की है । समयानुसार नर्मदा पर अनेक बांधो का निर्माण हुआ और परिक्रमामार्ग में भी परिवर्तन आ गया है । इस सातवीं आवृत्ति में पूरे मार्ग का संशोधन किया गया है और नये सिरेसे पुस्तिका का लेखन किया है । आशा है यात्रिकों को उससे सहायता मिलेगी ।

इस सेवाकार्य में निम्नलिखित महानुभावों ने सहयोग प्रदान किया है । मां नर्मदा उनका कल्याण करें ।

१.	शरदभाई श्रोफ, रेणुका श्रोफ मेनका श्रोफ, मिनाक्षी श्रोफ	मुंबई	१५१०१/-
२.	अेक भक्त तरफसे		१०००१/-
३.	ज्योत्सना रसीकभाई पटेल	U.S.A.	५००१/-
४.	प्रविणकुमार खंडुभाई मिस्त्री	बीलीमोरा	२५०१/-
५.	कंदर्प दिनेश जानी	U.S.A.	२००२/-
६.	कुलीनभाई उपाध्याय	अमदावाद	१५००/-
७.	सुहासीनीबहेन महेता	वडोदरा	५०००/-
८.	पिनल नयनेश पटेल	आणंद	४०००/-
९.	१०८, गुरुमाउली सेवानंद गुरु सुपडुनंद धूनीवाले दादाजी सेवानगर	सांगवी	१००१/-
१०.	डॉ. जयनाबेन बी. व्यास	U.S.A.	६२०१/-
११.	हरीशभाई शेठ	मुंबई	१००००/-

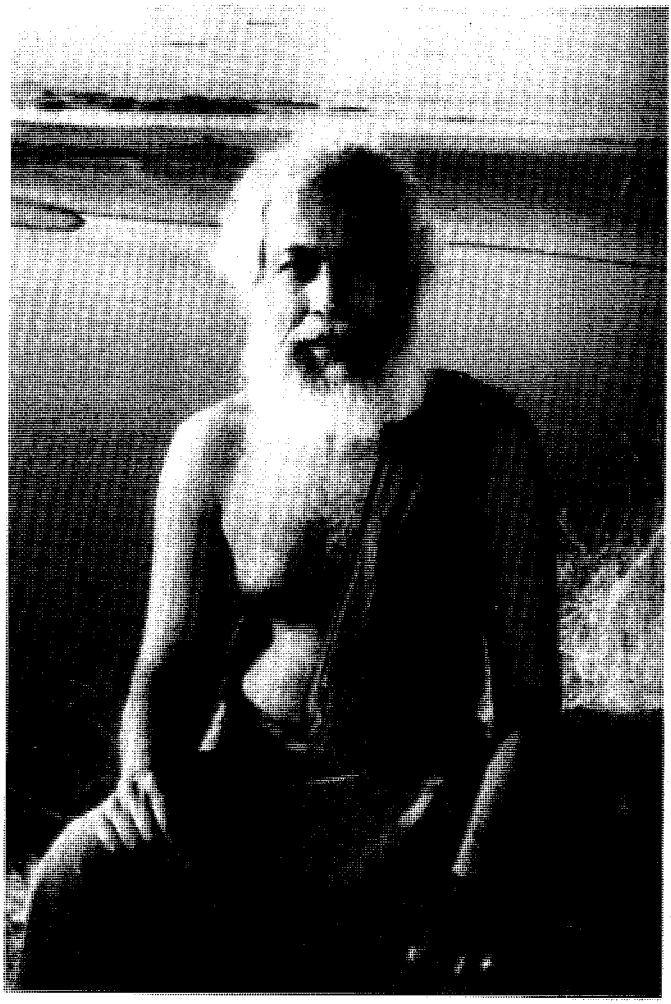

आत्मकृष्ण

नर्मदेहर अन्नक्षेत्र, नर्मदातट, तिलकवाड़ा

२. भूमिका

श्री नर्मदामैया की अनंत जयजयकार हो । नर्मदा परिक्रमा मार्गदर्शिका का यह छठा संस्करण प्रस्तुत है । इस पुस्तिका की सहाय से हजारों यात्रियों ने माँ नर्मदाजी की परिक्रमा सरलता से संपन्न की है । प्रतिवर्ष परिक्रमा मार्ग में कुछ न कुछ परिवर्तन होता रहता है । हम भी प्राप्त माहिती अनुसार पुस्तिका में सुधार करते रहते हैं । इस पुस्तिका में दो नये प्रकरण- १. श्री नर्मदा उत्पत्ति-कथा और २. नर्मदा परिक्रमा पद्धति एवं प्रकार जोड दिये गये हैं । आशा हैं परिक्रमावासी इस से लाभान्वित होंगे । दो नये आंतरिक मार्गों का भी निदर्शन किया गया है ।

अमरकंटक से डिंडोरी तक का मार्ग परापूर्व से प्रचलित सड़क मार्ग है जो नर्मदाजी से दूर है जिससे नित्य नर्मदाजी का दर्शन और स्नान होता नहीं हैं।इस पुस्तिका में अमरकंटक से देवगांव तक नदीतट का मार्ग दिखाया गया है । जो यात्री नर्मदाजी का किनारा छोडना नहीं चाहते उनके लिये यह उपयोगी सिद्ध होगा । उपरका सड़क मार्ग भी दिखाया गया है जो सरल और सुविधाजनक है ।

दूसरा मार्ग मंडला का है । मंडला होकर जो मार्ग है इसमें नर्मदा संगम क्षेत्र और तीर्थ आते रहते हैं । यात्री को इसी मार्ग से ही जाना चाहिये । लेकिन परिक्रमा शीघ्रता से पूर्ण करने की इच्छावालों के लिये उपरका दूसरा मार्ग है जो निवास होकर जाता है वो भी इस पुस्तिका में इस बार दिखाया गया है । लेकिन इस मार्ग में नर्मदा दर्शन-स्नान-तीर्थ यात्रा नहीं होगी ।

पुनासा और ओमकारेश्वर में बने बांधो के कारण नदीतट का मार्ग छूट गया है । अब हंडिया से उपरका सड़क मार्ग पकडकर आगे बढ़ना है जो यहां दिखाया गया है । सरदार सरोवर डेम के कारण अनेक रमणीय स्थान और तीर्थ उत्तरोत्तर जलमग्न होते जा रहे हैं । शूलपाणि की झाड़ी का जंगल मार्ग डूबमें आ गया है । बस्ती ऊठा ली गइ हैं । सर्वत्र पानी भर जाने से यात्रा अत्यंत कठिन हो

चूकी है। शूलपाणि की झाडी के मार्ग में सरदार सरोवर का गहरा जल और किनारे पर दलदल होनेसे नर्मदा स्नान करना अत्यंत मुश्किल है और भयजनक भी है । इसलिये यहां दो मार्ग दिखाये गये हैं - अेक मार्ग परंपरागत सड़क मार्ग है जो सरल और सुविधायुक्त है । मेरी राय से इसी मार्ग से ही जाना चाहिये । दूसरा मार्ग नदी तट से दूर जंगलों में से जाता है । यहां दोंनो मार्ग दिखाया गया है । दोनों मार्ग में लूटपाट का भय नहीं है और सुरक्षित है ।

पुस्तिका में अेक स्थान से दूसरे स्थान का अंतर कि.मी. में दर्शाया गया है । कभी-कभी यात्रियों को इसमें ज्यादा-कम लगता है । लेकिन ये समजना चाहिये कि अंतर नापने का कोई साधन तो है नहीं । ये तो अनुमान से - पूछताछ करके लिखा गया है । अेक बात और भी है कि कोई किनारे से जाता है तो कोइ उपर चढ़ जाता है । इसलिये अंतर तो पडेगा ही । प्रतिवर्ष कहीं अन्नक्षेत्र - सदाव्रत नये आरंभ होते हैं या कहीं बंद भी होते हैं । यहां तो यथासंभव माहिती प्राप्त कर के मार्गदर्शन दिया गया है ।

परिक्रमामार्ग के दोंनो तट की सूचिमें जहां 'तीर्थ' शब्द आता है इसका अर्थ है कि नर्मदा पुराण, वायु पुराण, वसिष्ठ संहिता या पद्म पुराण जैसे ग्रंथो में इस का वर्णन और माहात्म्य आता है । वहां जाकर स्नान-पूजन-प्रार्थना अवश्य करना चाहिये । परिक्रमा का उद्देश्य मात्र घुमना नहीं हैं, आध्यात्मिक उन्नति भी है । आशा है कि इस पुस्तिका से नर्मदा परिक्रमा करनेवालों को सहायता मिलेगी । माँ नर्मदा हम सब का कल्याण करे अैसी प्रार्थना है ।

मराठी भाषा में प्रकाशित पुस्तक श्री नर्मदा आख्यान में से नर्मदा परिक्रमा का नकशा लिया गया है। इस के लिये लेखक नर्मदा प्रसादजी के हम आभारी हैं ।

- माँ नर्मदाचरणकमलाश्रित

आत्मकृष्ण

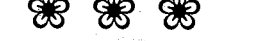

३. नर्मदाष्टक

सबिन्दु – सिन्धुसुस्खलत्तरंगभंगरंजितं
द्विषत्सु पापजातजातकारिवारिसंयुतम्।
कृतान्तदूतकालभूत – भीतिहारि वर्मदे
त्वदीय पादपंकजं नमामि देवि नर्मदे ।।१।।
त्वदम्बुलीन–दीनमीन–दिव्य–सम्प्रदायकं
कलौ मलौघभारहारि सर्वतीर्थनायकम् ।
सुमत्स्य–कच्छ–नक्रचक्र–चक्रवाक शर्मदे
त्वदीय पादपंकजं नमामि देवि नर्मदे ।।२।।
महागभीर – नीरपूरपापधूतभूतलं
ध्वनत्समस्त – पातकारि – दारितापदाचलम् ।
जगल्लये महाभये मृकण्डुसूनुहर्म्यदे
त्वदीय पादपंकजं नमामि देवि नर्मदे ।।३।।
गतं तदैव मे भयं त्वदम्बु वीक्षितं यदा
मृकण्डुसूनुशौनकासुरारिसेवि सर्वदा।
पुनर्भवाब्धिजन्मजं भवाब्धिदुःखवर्मदे
त्वदीय पादपंकजं नमामि देवि नर्मदे ।।४।।
अलक्षलक्षकिन्नरामरासुरादिपूजित
सुलक्ष–नीर–तीर–धीर–पक्षि–लक्ष–कूजितम् ।
वशिष्ठ –शिष्ट पिप्पलाद – कर्दमादि शर्मदे
त्वदीय पादपंकजं नमामि देवि नर्मदे ।।५।।
सनत्कुमार – नाचिकेत – कश्यपात्रिषट्पदै
र्धृतं स्वकीय–मानसेषु नारदादिषट्पदैः ।
रवीन्दु – रन्तिदेव – देवराज कर्मशर्मदे
त्वदीय पादपंकजं नमामि देवि नर्मदे ।।६।।
अलक्ष –लक्ष–लक्षपाप–लक्षसारसायुधं
ततस्तु जीवजन्तुतन्तु–भुक्ति–मुक्तिदायकम्।

विरंचि –विष्णु–शंकर–स्वकीयधाम वर्मदे
त्वदीय पादपंकजं नमामि देवि नर्मदे ।।७।।
अहोऽमृतं स्वनं श्रुतं महेशकेशजातटे
किरातसूतवाडवेषु पण्डिते शठे नटे ।
दुरन्तपापतापहारि सर्वजन्तुशर्मदे
त्वदीय पादपंकजं नमामि देवि नर्मदे ।।८।।
इदं तु नर्मदाष्टकं त्रिकालमेव ये सदा
पठन्ति ते निरन्तरं न यान्ति दुर्गतिं कदा ।
सुलभ्य देहदुर्लभं महेशधामगौरवं
पुनर्भवा नरा न वै विलोकयन्ति रौरवम् ।।९।।
इति श्रीमत् शंकराचार्यविरचितं नर्मदाष्टकं सम्पूर्णम्।

❀ ❀ ❀

रे मन मस्त सदा दिल रहना

रे मन मस्त सदा दिल रहना, आन पडे सो सहना ।।
कोई दिन कम्बल कोई दिन अम्बर, कभु दिगम्बर सोना ।
आत्मनशा में देह भूलाके, साक्षी होकर रहना रे मन....।।१।।
कोई दिन घी–गुड मौज उडाना, कोई दिन भूक सहाना।
कोई दिन वाडी कोई दिन गाडी, कभु मसान जगाना।। रे मन..।।२।।
कोई दिन खाट–पलंग सजाना, कोई दिन धूल बिछौना ।
कोई दिन शाह बनें शाहों के, कभु फकीरा दीना ।। रे मन..।।३।।
कडुआ–मीठा सब का सुनना, मुख अमृत बरसाना ।
समज़ दुःख–सुख नभ बादल सम, रंग संग छुड़ाना ।। रे मन..।।४।।

–श्री रंग अवधूत

❀ ❀ ❀

४. नर्मदा महिमागान

है तेरे आधार नर्मदे ! है तेरे आधार ।।
मूर्ति मनोहर मंगलकारी, नीलांबर है मगरसवारी ।
रूप अनुपम भवभयहारी, महिमा अमित अपार ।। नर्मदे०।।१।।
शंभुलोक से धारा आई, मेकल पर्वत तीर्थ बनाई ।
अमरकंठ किरती जग छाई, होवे जयजयकार ।। नर्मदे०।।२।।
रेवाकुंड़ की शोभा न्यारी, जहां स्नान करे नर-नारी ।
छटा अनूठी निर्मल वारि, चहुँ दिशि फाटक द्वार ।। नर्मदे०।।३।।
पूरब बगिया बनी सुहावन, मार्कंड आश्रम अतिपावन ।
सोनभद्र धारा मनभावन, गिरती फोर पहाड़ ।। नर्मदे०।।४।।
कपिल धार की है छबि न्यारी, दूध धार निर्जन भयकारी ।
बड़े बड़े गिरि दुर्गम भारी, तिन को दिये बिदार ।। नर्मदे०।।५।।
धार नर्मदा पश्चिम धाई, उत्तर सोनभद्र प्रभु भाई ।
दोनों शिवगंगा पद पाई, दिया पातकिन तार ।। नर्मदे०।।६।।
सुमिरन से मैयाँ दुःख हरती, दरशन से पातक संहरती ।
मज्जन से मिलती है मुक्ति, पाप होय सब छाट ।। नर्मदे०।।७।।
शंकर तुम्हें महावर दीन्हें, तुम कंकर शंकर सम कीन्हें ।
भक्तन को निज सेवन से, किया जगत उद्धार ।। नर्मदे०।।८।।
माँ तू नर्मदे तुम्हें मनाउँ, तुम्हारी कृपा विमल मति पाउँ ।
शिव सरिते ! तेरे गुन गाउँ, कर दे बेड़ा पार ।। नर्मदे०।।९।।

❀ ❀ ❀

५. नर्मदा आरती

ॐ जय जगदानंदी, मैया जय आनंदकंदी,
ब्रह्मा-हरि-हर-शंकर, रेवा हरि-हर-शंकर,
रुद्री पालन्ती ।। ॐ जय जगदानंदी०।।१।।
देवि ! नारद तुम वरदायक, अभिनव पदचंडी,
हो मैया ! अभिनव पदचंडी;
सुर-नर-मुनिजन सेवत, सुर-नर-मुनिजन ध्यावत
शारद पदवन्ती ।। ॐ जय जगदानंदी०।।२।।
देवि ! धूम्रकवाहन राजत, वीणा वादन्ती,
हो मैया ! वीणा वादन्ती;
झुमकत झुमकत झननन, झुमकत झुमकत झननन,
रमती राजन्ती ।। ॐ जय जगदानंदी०।।३।।
देवि ! बाजत ताल मृदंगा, सुरमंडल रमती,
हो मैया ! सुरमंडल रमती;
तुडितान तुडितान तुडितान, तुरडड, तुरडड, तुरडड,
रमती सुरवन्ती ।। ॐ जय जगदानंदी०।।४।।
देवि सकल भुवन पर आप बिराजत, निशदिन आनंदी,
हो मैया ! सब जुग आनंदी;
गावत गंगाशंकर, सेवत रेवाशंकर,
तुम भव मेटन्ती ।। ॐ जय जगदानंदी०।।५।।
मैयाजी को कंचनथाल बिराजत, अगर कपूर बाती,
हो मैया ! अगर कपूर बाती;
अमरकंठ बिराजत, घाटन-घाट पूजावत,
कोटि रतन ज्योति । ॐ जय जगदानंदी०।।६।।
मैयाजी की आरती निशदिन, जो कोई पढ़ गावै,
हो मैया ! जुग जुग पढ़ गावै,
भजत शिवानंद स्वामी, रटत हरिहर स्वामी,
मनवांछित पावै ।। ॐ जय जगदानंदी०।।७।।

❀ ❀ ❀

६. कुछ आवश्यक बातें

१. नर्मदा परिक्रमा आरंभ करते समये नर्मदापूजन, कन्याभोजन अवश्य करना चाहिये । मुंडन कराकर संकल्प कर के माँ नर्मदाजी को प्रार्थना - प्रणाम करने के बाद नर्मदातट के कोई भी स्थान से परिक्रमा आरंभ कर सकते हैं ।

२. परिक्रमा पूजा का अंग होने से नित्य स्नान करने के बाद ही आगे चलना चाहिये । जूता, चप्पल, खडाउ आदि पहन कर परिक्रमा करना वर्ज्य है । जूता आदि पहन कर चलने से वह यात्रा होगी, परिक्रमा नहीं ।

३. कहीं भी माँ नर्मदाजी के मूल प्रवाह का उल्लंघन हो जाने से परिक्रमा भंग होगी । विशेषत: अमरकंटक के आसपास के ५०कि.मी. तक अत्यंत सावधान रहना जरूरी है, क्योंकि वहां नर्मदाजी की धारा पतली होती है ।

४. सत्य-ब्रह्मचर्य का पालन, पंचकेश बढ़ाना, व्यर्थ वाद-विवाद न करना, अेक बार भोजन, भूमि शयन और अकिंचन रहना आदि सामान्य नियम पालन करना जरूरी है । चातुर्मास, नवरात्रि, अेकादशी, पूर्णिमा-अमावस आदि पर्वों में अेक स्थान में रुक कर जप-तप करने से बहुत लाभ होगा ।

५. नर्मदाजी के प्रवाह में स्थित भेड़ा घाट, ओमकारेश्वर, व्यास बेट, कबीरबड, धरमपुरी द्वीप आदि स्थानों में परिक्रमावासी को जाना नहीं चाहिये । नर्मदाजी को लांघने से परिक्रमा भंग होती है ।

६. परिक्रमा के अंत में नर्मदाखंड के प्रधान देव ओमकारेश्वरका दर्शन-पूजन और नर्मदापूजन - कन्याभोजन आदि अवश्य करें।

७. परिक्रमावासी को चाहिये कि ज्यादा सामान और मूल्यवान वस्तु साथ में न रखें । दो कटिवस्त्र, दो उपवस्त्र, अेक टुवाल, आसन, कंबल, कांटे निकालने का साधन, जलपात्र अेवं लाठी अवश्य रखें।

८. परिक्रमावासी को अपने गांव से प्रमाणपत्र लेकर निकलना चाहिये। पहचानपत्र होना अत्यंत आवश्यक है ।

९. परिक्रमा मार्ग में ज्यादातर छोटे गांव आते हैं। आवश्यक दवाई आदि मिलना मुश्किल होता है । प्रथम से ही इसका प्रबंध करके चलने से सुविधा रहेगी । बड़े गांव या नगर में मेडिकल स्टोर हो सकते हैं ।

१०. पांव में लगनेवाले कांटे, कंकड आदि के लिये लिचेन्सा (LICHENSA) क्रीम अवश्य रखें । इस से बहुत अनुकूलता रहेगी । जाड़े के दिनों में तो यह क्रीम अत्यंत आवश्यक है ।

७. नर्मदा उत्पत्तिकथा

नर्मदा शर्मदा लोके पुरारिपददा मता ।
ये सेवन्ते नरा भक्त्या ते न यान्ति पुनर्भवम् ।।
(अक्षरगीता - रंग अवधूत)

नर्मदातट के वासी परम पूजनीय श्री रंग अवधूत महाराज द्वारा लिखित ग्रंथ अक्षरगीता में ऊन्होंने सत्य ही लिखा है कि नर्मदा इस लोक में शांति और परलोक में शिवलोक देनेवाली है । जो मनुष्य भक्तिभाव से माँ नर्मदा की पूजा-अर्चना करते हैं वे भवसागर से पार उतर जाते हैं।

नर्मदा माँ की महिमा का वर्णन करनेवाले बहुत से प्राचीन एवं आधुनिक ग्रंथ उपलब्ध हैं। पुराणों में स्कंद पुराण एवं वायुपुराण में नर्मदा माँ की महिमा से संबंधित रेवाखंड नामक अलग विभाग है। वैसे भी नर्मदा माँ के यश की गाथा वशिष्ठ संहिता, रामायण - महाभारत, बृहत् संहिता, स्कंद, विष्णु, मत्स्य, वराह, पद्म, कूर्म, ब्रह्म, वायु, अग्नि, शिव, वामन, कल्कि आदि पुराणों मिलती है। नर्मदा की उत्पत्ति के संबंध में अनेक कथायें प्रचलित हैं ।

१. प्राचीन कथा के अनुसार सृष्टि के आरंभ में भगवान शिव द्वारा किये गये तांडव नृत्य के समय उनके शरीर में से निकले पसीने से नर्मदा उत्पन्न होकर ब्रह्मलोक में रहने लगी । उस समय पृथ्वीलोक में कोई नदी नहीं थी । अत: सभी देवताओं ने शिवजी से नर्मदा को सर्वजनकल्याण के लिए पृथ्वी पर भेजने की प्रार्थना की । शिवजीने अपनी सम्मति प्रदान की। विन्ध्यपर्वत के पुत्र मेकलपर्वतने नर्मदा नदी को अपने शिर पर धारण किया और इसप्रकार नर्मदा का मेकलपर्वत पर अवतरण हुआ । इसीलिए आज भी नर्मदा मेकल कन्या के नाम से प्रसिद्ध है ।

२.वशिष्ट संहिता के अनुसार श्री नर्मदाजी माघ महिने के शुक्लपक्ष की सप्तमी,अश्विनी नक्षत्र, रविवार और मकर राशि में सूर्य था तब दोपहर के समय प्रकट हुई थी ।

३. वनवास के समय पांडव जब अमरकंटक आए तब उन्होंने मार्कण्डेय आश्रम में भगवती नर्मदा की उत्पत्ति के विषय में प्रश्न पूछे। ऋषिवर ने वायुपुराण में वर्णित एवं वायुदेव के संवाद की कथा का वर्णन किया।

सत्ययुग में भगवान शंकर ने सभी प्राणियों से अद्रश्य रहकर ऋक्ष पर्वत(विंध्याचल) पर दस हजार वर्ष तक तपस्या की । उस समय शंकर भगवान के शरीर में से सफेद रंग का स्वेद निकलता था । पर्वत पर से वहते पसीने में से अेक अत्यंत सुंदर कन्या उत्पन्न हुई । इस कन्या ने शिवजी के सामने एक पैर पर खड़ी होकर घोर तपस्या की । उससे प्रसन्न होकर शिवजी ने उससे वरदान मांगने को कहा। उस परम तपस्विनी कन्याने शंकर भगवान को वंदन कर के छे वरदान मांगे:

१. पृथ्वी लोक पर मैं अमर हो जाउं ।
२. मेरे जल में स्नान करनेवाले सभी जीवों के पाप नष्ट हो जायें।
३. भारत के उत्तर भाग में बहने वाली गंगा नदी की भाँति मैं दक्षिण भाग की परम पवित्र नदी बनुं ।
४. पृथ्वी के समस्त तीर्थों के स्नान का फल मेरे जल में स्नान मात्र से जीवों को प्राप्त हो जायें।
५. मेरे दर्शन मात्र से ही सभी प्राणी एवं मनुष्य मुक्त हो जायें।
६. मेरे जल से स्पर्श करते ही कंकर शंकर बन जाये।

आशुतोष भगवान शंकर ने तथास्तु कहकर इन सब वरदानों के साथ साथ एक ओर वरदान देते हुए कहा कि तेरे (नर्मदा नदी) किनारे उत्तर दिशा में रहने वाले सत्कर्मशील मनुष्य मेरे लोक को और दक्षिण तट पर रहने वाले लोग पितृलोक को प्राप्त होंगे । बाद में यही कन्या विन्ध्यपर्वत पर प्रकट हुई । इस की सुंदरता एवं गति अदभुत थी जिसके कारण सभी देव एवं दानव मोहवश हो गये और सभी उस के साथ विवाह करने को उत्सुक हो गये। भगवान शंकर ने सभी देवताओं से कहा–तुम्हारे में जो शक्तिशाली हो वही इस

कन्या से विवाह करे । परंतु पहले उसको ढुंढ़ कर लाओ । अनेक रूपों में यहाँ-वहाँ थोडी-थोडी देर के लिए दिखाई देनेवाली और कभी-कभी अदृश्य हो जानेवाली नदी को कोई ढुंढ़ न सका । इस प्रकार दो हजार दिव्य वर्षो तक क्रीडा करते रहने के कारण इस कन्या का नाम ''नर्मं ददाति इति नर्मदा'' हो गया । नर्मदा माँ की ये लीलायें देखकर भगवान शिवजी ने उस कन्या को अनेक वरदान देकर समुद्र को अर्पण कर दिया । नर्मदा शिवकन्या होने के कारण उस के नाम के साथ उनके पिताके नाम का उच्चार भी महामंत्र की तरह होता है जैसे - नर्मदे हर। नर्मदे हर ।

धून

१. हर शिवशंकर गौरीशं वन्दे गंगाधरमीशम् ।
रुद्रं पशुपतिमीशानम् कलये काशीपुरीनाथम् ।।
२. भाललोचन परमानंद नीलकंठ तव शरणम् ।
३. असुर निकंदन भवदुःखभंजन, सेवक के प्रतिपाला ।
आवागमन मिटाओ शंकर, भज शिव बारंबारा ।।
४. माई रेवा के हम बालक है, मैया दूध पिलावत है।
५. रेवातट पर धूम-धड़ाका, राम भजन का यही तड़ाका ।
६. भज ले मन! चारों धाम, गौरीशंकर सीताराम ।
गले में तुलसी मुखमें राम, हृदय बिराजे शालिग्राम ।।
७. बोलो संतो हरि-हरि, मुख पर मुरली अजब धरी ।।
८. नमो नर्मदा माई रेवा, पार्वती वल्लभ सदाशिवा ।।
९. भजो रेवा हि रेवा, भजो मैया हि मैया ।
भजो भोला हि भोला, भजो बाबा हि बाबा ।।
१०. हर हर नर्मदे हर, मातु गंगे हर । जटाशंकरी हर ।
नमः पार्वतीपतये हर हर महादेव ।

८. नर्मदा परिक्रमा - पद्धति अेवं प्रकार

नर्मदायै नमः प्रातः नर्मदायै नमो निशि ।
नमस्ते नर्मदे देवि ! त्राहि मां भवसागरात् ।।

मानवजीवन का ध्येय ईश्वर प्राप्ति इवं जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति प्राप्त करना है । संतोने इसके लिए तप, योग, जप आदि अनेक साधन बताये हैं। नर्मदा माँ भगवान शिव की साक्षात कृपा है। प्राचीन साल से इसके दोनों तटो पर देवी देवताओं एवं साधु - संतों ने तप किया है । नर्मदा के उत्तर और दक्षिण तट पर आये हुए समस्त तीर्थ तपोभूमि हैं ।

नर्मदा परिक्रमा एक तपस्या है। कोई साहस यात्रा या सहेलगाह नहीं है । परिक्रमा के समय कदम - कदम पर अनेक कष्टों का सामना करना पडता है । नर्मदा की परिक्रमा साधक के जीवन को घड़ने का अमूल्य अवसर तथा ईश्वर अनुभूति का प्रबल साधन है । पूजनीय श्री रंग अवधूत महाराज बहुत बार कहते थे कि "यदि भगवान में श्रद्धा नहीं है और तब भी ईश्वर के दर्शन करने हों तो पूर्ण जिज्ञासा एवं श्रद्धा से माँ नर्मदा की परिक्रमा पर निकल पड़ो ।"

परिक्रमा उपासना का ही एक भाग है तथा अनुष्ठान की समाप्ति का सूचक भी है। प्रायः सभी मंदिरो में आरती एवं स्तुति-वंदना कर लेने के बाद परिक्रमा करने के बाद प्रसाद दिया जाता है। परिक्रमा से जन्मजन्मांतरो के पाप नष्ट हो जाते हैं।

यानि कानि च पापानि जन्मान्तरकृतानि च ।
तानि तानि प्रणश्यन्तु प्रदक्षिणा पदे-पदे ।।

भारत की सभी नदियों में से सात नदियाँ-गंगा, यमुना, गोदावरी, सरस्वती, नर्मदा, सिंधु और कावेरी को अति पवित्र माना जाता है । लेकिन परिक्रमा केवल नर्मदाजी की ही की जाती है। यह इस की विशिष्टता की सूचक है। माता-पिता, देवमंदिर, यज्ञभूमि एवं तीर्थक्षेत्र, ग्राम, नगर आदि की परिक्रमाओं का शास्त्रो में

विधान है लेकिन इन सब में नर्मदा की परिक्रमा सब से बड़ी एवं विकट है। मनुष्य की सभी प्रकार की सहन शक्ति की इस में कसौटी होती है।

परिक्रमा और उस के प्रकार :

हमें जिस की परिक्रमा करनी होती है उसको अपने सीधे हाथ की तरफ रखकर उसके चारों ओर गोल-गोल घूमने की क्रिया को परिक्रमा या प्रदक्षिणा कहते हैं । प्रदक्षिणा भगवान का नाम लेते लेते धीरे-धीरे करनी चाहिए । ईश्वर का ध्यान-चिंतन सहित शांतभाव से की जाने वाली परिक्रमा एक तरह की साधना है । परिक्रमा अनेक प्रकार से की जाती है,- पैदल चलकर, दंडवत् करते-करते और वाहन द्वारा । इन सबमें नंगे पैर चलकर की जाने वाली परिक्रमा को ही श्रेष्ठ मानी गई है । क्योंकि इसमें नर्मदाजी के दोनों तटों के सभी तीर्थो, संगमों की यात्रा होती है और स्नान, दर्शन, पूजन का अवसर मिलता है ।

वाहन द्वारा होने वाली परिक्रमा में केवल मुख्य-मुख्य तीर्थों के ही दर्शन होते हैं । वृद्ध, रोगी एवं अशक्त जैसे लोग जो चलकर परिक्रमा नहीं कर सकते वे वाहन का उपयोग कर सकते हैं।

समय :

पतितपावनी माँ नर्मदा के दोनों तटों पर अनेक तीर्थ, देवमंदिर एवं नदी - संगम स्थित है । जो यात्री परिक्रमा को उपासना समझकर निष्ठापूर्वक नित्य नर्मदा स्नान, देवपूजा, जप, तप करके परिक्रमा करे वो ही सर्वोत्तम है । वर्षाऋतु के चार महिने कोई भी एक स्थान पर स्थिर रहकर उपासना करनी चाहिये। परिक्रमा तीन साल, तीन महिने और तेरह दिनों में पूरी करनी चाहिए ऐसी परंपरा है, नियम नहीं है।

सकाम भाव से या स्वयं की मान्यता की पूर्ति के लिए परिक्रमा करने वाले अपनी अनुकूलता के अनुसार कम समय में भी परिक्रमा कर सकते हैं । कोई - कोई यात्री केवल एक सो आठ दिनों में या कोई बारह वर्ष में भी परिक्रमा पूर्ण करते हैं ।

मार्ग :

सामान्यत: नर्मदा के किनारे - किनारे ही यात्रियों को चलना पड़ता है । रास्ते में अनेक झरनें एवं छोटी-बड़ी नदियाँ, नालों को पार करना पड़ता है । ऊँचे - नीचे टीलों पर भी चढ़ - उतर करनी पड़ती है । माँ नर्मदा अपने उपर आश्रित साधकों की स्वयं ही संभाल लेती हैं । फिर भी साधकों को कांटें, चीकने दलदल एवं नदी-नालों से बचकर सावधानी पूर्वक चलना चाहिए । लक्कडकोट का जंगल और शूलपाणि की झाड़ी की यात्रा विकट मानी जाती है। सम्पूर्ण परिक्रमा किसी भी वाहन के उपयोग बिना नंगे पैर चलकर करने में ही सच्ची कसौटी एवं तपस्या है ।

धर्मशाला - सदाव्रत :

नर्मदा परिक्रमा हजारों साल से चल रही है । परिक्रमा-वासियों की सुविधा के लिए नर्मदा के दोनों तटों पर ग्रामों-नगरों में सुखी - दाता गृहस्थों की और से तथा साधुओं के आश्रमों में निवास एवं भिक्षा का प्रबंध किया गया है । सामान्यत: प्रत्येक स्थल पर धर्मशाला विद्यमान है । जंगल प्रदेश में कहीं-कहीं खुले में भी रहना पड़ता है ।

जहाँ सदाव्रत है वहाँ से नर्मदे हर कहकर मिक्षा में कच्ची सामग्री जैसे गेहूँ - बजरी - जुवार या मकई का आटा, दाल, नमक, मिर्च आदि मिल जाते हैं । किनारे के गाँवों की दुकानों में से कभी कभी चायकी पत्ती, चीनी, गुड, अगरबत्ती जैसी चीजें भी दी जाती हैं। कभी कभी कोई सद्‌गृहस्थ आदर-पूर्वक अपने घर ले जाकर भोजन भी करवाता है। किसी यात्रिक को मैया कभी भूखा रखती नहीं है।

परिक्रमा का स्वरूप:

सामान्यत: नर्मदा तट के किसी भी स्थल से परिक्रमा का प्रारंभ किया जा सकता है । नर्मदा को सीधे हाथ की तरफ रखकर समग्र प्रवाह के चारों तरफ गोल घूमकर जहाँ से परिक्रमा शुरु की

हो वहीं वापस आने पर परिक्रमा पूरी होती है । यदि नर्मदा के मूल प्रवाह का उल्लंघन हो गया तो परिक्रमा खंडित मानी जाती है । नर्मदामेंसे निकाली गई नहरें या पाईपलाईन्स के उल्लंघन में कोई दोष नहीं है।

सकाम परिक्रमा :

बहुत से लोग अपनी आर्थिक उन्नति, संतान प्राप्ति, रोग मुक्ति जैसी कामनाओं की पूर्ति के लिए परिक्रमा की मान्यता रखते हैं । कामना पूर्ण होने के बाद वे लोग परिक्रमा करते हैं । लेकिन ऐसे लोग विधि - निषेधका पालन नहीं करते ।

निष्काम परिक्रमा :

माँ नर्मदा की प्रसन्नता एवं कृपाप्राप्ति के लिये निष्काम भाव से परिक्रमा करनेवाले लोगों में वीतरागी साधु-सन्यासी एवं सत्पुरुष होते हैं । ऐसे लोग माँ नर्मदाजी के साथ-साथ सभी तीर्थों की यात्रा, दर्शन, पूजन, जप-तप आदि भी करते हैं।

नर्मदा परिक्रमा की सामान्य पद्धति ऐसी है कि माँ नर्मदा के समग्र प्रवाह के चारों तरफ गोलाकार घूमना । उदाहरण के लिए अमर कंटक से परिक्रमा शुरु करके सबसे पहले दक्षिणतट पर चलकर रेवा-सागर संगम पहुंचना चाहिए । नाव द्वारा सागर पार करके उत्तर तट का मार्ग पकडकर अमरकंटक पहुँच कर परिक्रमा पूरी करनी चाहिए। ॐकारेश्वर का स्थान द्विप रूप में होने के कारण वहाँ जाना संभव न होने के कारण वहाँ परिक्रमा पूर्ण होने के बाद जाकर दर्शन, पूजन आदि कर लेने से परिक्रमा संपूर्ण मानी जाती है ।

कोई कोई यात्री रेवा-सागर संगम पार नहीं उतरते । ये लोग मा नर्मदा के प्रवाह को रेवा - सागर संगम में भी पार नहीं करते । यह परिक्रमा दो तरह से होती है।

रेवा-सागर संगम के उत्तरतट से परिक्रमा आरंभ करके अमर कंटक होकर दक्षिण तट पर रेवा - सागर संगम पहुँचने पर यात्रा पूर्ण मानी जाती है ।

अमरकंटक से परिक्रमा शुरु करके दक्षिण तट पर रेवा सागर संगम पहुँचकर वहाँ से वापस अमरकंटक आकर आगे चलते चलते उत्तरतट पर रेवा - सागर संगम पहँचकर वहाँ से वापस मूल स्थान आरंभ अमरकंटक आने से परिक्रमा पूरी होती है । परंतु इसे

प्रदक्षिणा नहीं कह सकते, क्योंकि इसमें माँ नर्मदा समग्र परिक्रमा के दौरान अपने सीधे हाथ की तरफ नहीं रहती। रेवा-सागर संगम से वापस आते समय माँ नर्मदा उलटे हाथ की तरफ रहती है । यह ठीक नहीं है।

माँ नर्मदा के एक ही तट पर न चलकर कभी-कभी सामने के तट पर भी जाकर तीर्थदर्शन या संगम स्नान करने की पद्धति से होने वाली परिक्रमा हनुमत् परिक्रमा है । लेकिन इसमें नर्मदाजी का उल्लंघन होता है इसलिये ये परिक्रमा नहीं है ।

माँ नर्मदा के उत्तर या दक्षिण तट के कोई भी स्थल से परिक्रमा शुरु की जा सकती है। परंतु नर्मदाजी के उद्गम स्थान अमरकंटक, रेवा-सागर संगम, नाभिस्थान नेमावर और ॐकारेश्वर से आरंभ करना श्रेष्ठ माना गया है ।

❀ ❀ ❀

मैया अमरकंटकवाली

मैया अमरकंटकवाली कि तुम हो भोली भाली ।
तेरे गुन गाते हैं साधु, बजा बजा के ताली ।। मैया०।।१।।
भूरे मगर पर किन्ही सवारी, हाथ कमल का फूल ।
सब को देती ऋद्धि-सिद्धि, हमें गयी क्यों भूल ।। मैया०।।२।।
नहीं हमारा कुटुम्ब-कबीला, नहीं मात अरु तात ।
हम तो आये शरण तुम्हारी, शरण पडे की लाज । मैया०।।३।।
निर्धनियों को धन देती है, अज्ञानी को ज्ञान ।
अभिमानी का मान घटाती, खोती नाम-निशान । मैया०।।४।।
लाखों पापी तुमने तारे, लगी न पल की देर ।
अब तो मैया मेरी बारी, कहां लगाई देर ।। मैया०।।५।।
झारखंड है स्थान तुम्हारा, दो धारा के पास ।
जहां शिवशंकर करे तपस्या, उच्च शिखर कैलास ।। मैया०।।६।।

❀ ❀ ❀

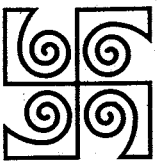

९. नर्मदा परिक्रमा मार्ग

नर्मदा उत्तरतट

रेवा-सागर संगम - मीठी तलाई

से

अमरकंटक

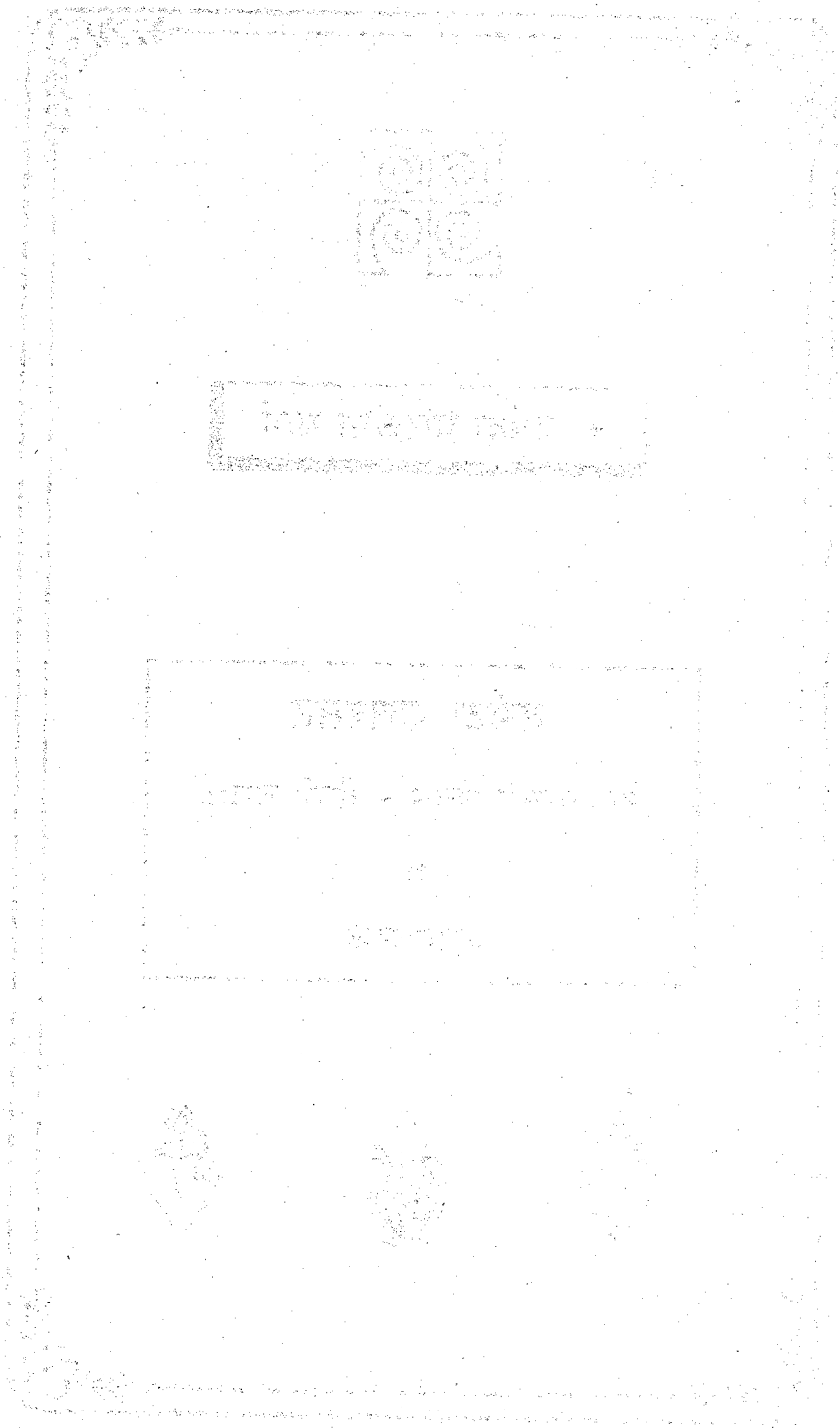

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	गुजरात राज्य **भरुच जिला**			
१	**मीठी तलाई** रेवा-सागर संगम । कृष्णानंद आश्रम-सदाव्रत । लिम्बेश्वर महादेव । नाव से उतरकर स्नान-दान अवश्य करना चाहिये ।	...	...	...
२	**जागरवा गांव** जागेश्वर महादेव-धर्मशाला-अन्नक्षेत्र ।	...	...	...
	नोंध : यहां से थोडा वापस जाना पडेगा । नर्मदा पुराणमें दर्शाये गये कुछ तीर्थ छूट जाते हैं । निम्नलिखित मार्ग से जाने से तीर्थ दर्शन हो जायेगा ।			
३	**हरिका धाम** शुकदेव आश्रम - शिवालय ।	१	...	...
४	**लुवारा गांव** जमदग्नि, परशुराम - तीर्थ ।	२	...	२
५	**लखी गांव** लूटनेश्वर महादेव - तीर्थ । गोक्षुर शिवलिंग । लखाबाबा का आश्रम, राममंदिर - सदाव्रत । पास में भूतेश्वर महादेव ।	२	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
६	**दहेज** दधीची आश्रम । दूधेश्वर, हरसिद्धि, चामुंडी, महालक्ष्मी मन्दिर । गांव से बाहर नीलकंठ महादेव । मार्ग में सागर तट पर नमक निर्माण केन्द्र ।	१२	...	१
७	**अंभेठा** अमरेश्वर - सोमनाथ - उमियानाथ-चंद्रमौलीश्वर-तीर्थ । दत्तमंदिर । आश्रम-सदाव्रत ।	३	...	४
८	**सुवा गांव** सोमेश्वर - तीर्थ । आश्रम-सदाव्रत - अन्नक्षेत्र ।	१०	...	१
९	**कोलियाद** कपिलेश्वर महादेव - तीर्थ ।	३	एरंडी	१
१०	**वेंगणी** वैजनाथ महादेव - तीर्थ । सदाव्रत ।	२	...	१
११	**कलादरा** कपालेश्वर महादेव - तीर्थ । राममंदिर । खाड़ी में गणिता तीर्थ ।	३	भादरी (भूखी खाड़ी)	२
१२	**केसरोल** नागेश्वर महादेव । राममंदिर-सदाव्रत । रोड पर सदानन्द अवधूत आश्रम - अन्नक्षेत्र ।	९	...	...

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्रमांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
१३	**अमलेश्वर** अमलेश्वर महादेव - तीर्थ । (शिवमंदिर में वल्लुकेश्वर - शृंगीश्वर -आषाढेश्वर - कंथेश्वर - मार्कंडेश्वर महादेव-तीर्थ) धर्मशाला-सदाव्रत ।	४	...	१
१४	**एकसाल** अप्सरेश्वर - डींडीश्वर (डिमडिमेश्वर) महादेव - तीर्थ ।	५	...	२
१५	**मनाड़** मुन्यालय - मुनीश्वर महादेव - तीर्थ । गांव के बाहर च्यवनेश्वर महादेव ।	२	...	१
१६	**मेह गांव** मार्कंडेश्वर महादेव - तीर्थ । आश्रम - सदाव्रत । मार्ग में हरिजनों का हरिबाबा मंदिर ।	४	...	१
१७	**समनी - कासवा** शुंडीश्वर महादेव - तीर्थ । **कासवा** में भोलेश्वर आश्रम - अन्नक्षेत्र । मार्ग में च्यवनेश्वर - कंथेश्वर महादेव ।	७	...	१
१८	**भाडभूत** भारेश्वर (भारभूतीश्वर) महादेव - तीर्थ । सोमेश्वर पंचमुखी महादेव - मठ - वासुदेव कुटिर-सदाव्रत ।नर्मदा स्नान । अधिक भाद्रपद में प्रति १८ वर्षे मेला । रंग प्रेरणा मंदिर ।	७	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्रमांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि.मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
१९	**टींबी** सुवर्णबिन्देश्वर महादेव - तीर्थ । नर्मदा तटे नूतन महाकालेश्वर महादेव।	३	...	१
२०	**दशान** दसकन्येश्वर महादेव - तीर्थ । हरि शंकर महादेव ।	२	...	१
२१.	**वेरवाड़ा** टेकरा पर नर्मदा आश्रम - सदाव्रत । एक कि.मी. बाद सिद्धनाथ महादेव - आश्रम - अन्नक्षेत्र ।	२	...	...
२२.	**कुकरवाडा** पंचमुखी महादेव - सदाव्रत । कुररी तीर्थ । ढुंढ़ेश -क्षेत्रपाल । (हनुमान मानते हैं ।)	३	...	१
२३.	**त्रिगुणातीत ध्यान आश्रम** शिवमंदिर - आश्रम - सदाव्रत ।	२	...	...
२४.	**भरूच** कामनाथ - भृगु भास्करेश्वर - सोमेश्वर- भृग्वेश्वर -कोटेश्वर आदि -तीर्थ । नर्मदा पुराण में यहां ४८ तीर्थों का उल्लेख है। दशाश्वमेध घाट पर प्रसिद्ध नर्मदा-मंदिर । फुरजा रोड पर दत्तमंदिर। रेल्वे पुल के पास अशोक आश्रम । अनेक आश्रम - सदाव्रत - अन्नक्षेत्र । **चातुर्मास । अति पवित्र क्षेत्र ।**	४	...	२१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२५	**मक्तमपुर** महारुद्र – तीर्थ । मार्ग में –ओमकारेश्वर महादेव । कुसुम– हरनाथ आश्रम ।	३	...	१
२६	**झाड़ेश्वर** घोडेश्वर – वैद्यनाथ महादेव – तीर्थ । दूधेश्वर – कामनाथ । किनारे राधाकृष्ण मंदिर । मार्ग में **श्री रामानंदाचार्य आश्रम**। **अलखधाम**– गायत्री मंदिर । शीतलामाता मंदिर – आश्रम । पुल के बाद **ब्रह्माकुमारी मंदिर** – आश्रम । **स्वामीनारायण मंदिर । नीलकंठ महादेव** दर्शनीय मंदिर – अन्नक्षेत्र – **चातुर्मास** । आगे मनन आश्रम ।	३	...	२
२७	**तवरा** कपिलेश्वर महादेव – तीर्थ । मंगलमठ– कबीर साहब का मंदिर – सदाव्रत ।	३	...	१
२८	**कड़ोद** कोटेश्वर महादेव – तीर्थ । सदाव्रत –धर्मशाला । अधिक वैशाख मास में प्रति १८ वर्षे मेला । नर्मदाजी में से छोटे–छोटे शिवलिंग मिलते हैं ।	३	...	१
२९	**शुक्लतीर्थ** शुक्लेश्वर – आदित्येश्वर महादेव तथा हुंकारनाथ (श्री विष्णु भगवान) तीर्थ । अम्बिका मंदिर – दत्तमंदिर – गंगनाथ	३	...	७

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्रमांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	(गोपेश्वर) महादेव – रणछोडरायजी के मंदिर में अन्नक्षेत्र–नर्मदा तटे राम मंदिर में धर्मशाला – सदाव्रत । **चातुर्मास** । सामने – **जगदीश मढ़ी** ।			
३०	**मंगलेश्वर** मंगलेश्वर (भार्गलेश्वर) महादेव –तीर्थ । श्वेत वराह भगवान का दर्शनीय स्वरूप । गांव में शशीबहन का अन्नक्षेत्र ।	२	...	१
३१	**दत्तमढ़ी** दत्तमंदिर । भारद्वाज आश्रम–अन्नक्षेत्र । सामने – **कबीरबड़** ।	१	...	१
३२	**निकोरा** लिंगवराह – लिंकेश्वर महादेव –तीर्थ । केदारनाथ । गांव में सदाव्रत । पास में **ध्यानी धाम** – आनंदीमाता आश्रम – दर्शनीय स्थान ।	१	...	२
३३	**अंगारेश्वर** अंगारेश्वर (मंगलनाथ) महादेव – तीर्थ । जलाराम मंदिर में सदाव्रत ।	३	...	१
३४.	**धर्मशाला (धर्मशिला)** धर्मेश्वर महादेव – तीर्थ । प्रवाह में धर्मशिला । सांई प्रेम समय आश्रम – सांईधाम – धर्मशाला–अन्नक्षेत्र । संतो के लिये वृद्धाश्रम ।	२	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
३५.	**झणोर** बलकेश्वर महादेव ।	३	...	१
	नोंध : शुकलतीर्थ से झणोर तक श्वेतवराह तीर्थ है । इस प्रदेशमें वराह भगवान और वाराहीमाता के मंदिर हैं ।			
३६.	**नांद** नन्दामाता मंदिर – तीर्थ । नन्दिकेश्वर महादेव ।	३	...	१
	वडोदरा जिला			
३७.	**सोमज - देलबाड़ा** सोमेश्वर – कर्कटेश्वर महादेव –तीर्थ । शिवशक्ति आश्रम – सदाव्रत ।	४	...	२
३८.	**ओझ** रामेश्वर महादेव – तीर्थ । धर्मशाला – सदाव्रत । इसको प्राचीन अयोध्या कहते हैं । यहां अधिक ज्येष्ठ मास में प्रति १२ वर्षे मेला । नर्मदाजीमें से देवमूर्तियां निकलती हैं । मार्ग में खेतो में कर्कटेश्वर–मार्कंडेश्वर महादेव ।	३	...	१
३९.	**मोटी कोरल** आदित्येश्वर – आशापुरी माता–वराह भगवान – पंचकुबेर – तीर्थ । पुनित आश्रम में धर्मशाला –अन्नक्षेत्र । नर्मदा	६	...	७

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	मंदिर । **चातुर्मास । अति पवित्र क्षेत्र** । सामने **भालोद** ।			
४०.	**सायर** सागरेश्वर महादेव – तीर्थ । दत्तमंदिर । दीवाबेट पर आश्रम ।	६	...	१
४१	**नारेश्वर** नारेश्वर (कपर्दीश्वर) महादेव – तीर्थ । श्रीरंग अवधूत आश्रम – धर्मशाला– अन्नक्षेत्र – **चातुर्मास** । पास में गोरख टेकरी आश्रम । स्टेशनरोड पर गिरनारी आश्रम ।	१	...	१
४२.	**कहोणा** कोहनेश्वर महादेव – तीर्थ । हंसमुख हनुमान – रामानंद आश्रम – धर्मशाला – अन्नक्षेत्र ।	३	...	१
४३	**फत्तेपुर** नर्मदेश्वर महादेव – तीर्थ ।	१	...	१
४४	**कोठिया** चंद्र प्रभास महादेव – तीर्थ ।	३	...	१
४५	**रणापुर** कंबुकेश्वर महादेव – तीर्थ । सिर्फ यहां शिवजी को शंखजल से स्नान करा सकते हैं । माधवानंद आश्रम–सदाव्रत। गांवमें रणछोडराय – बलराम मंदिर । संत माधवदासजी की तपोभूमि ।	२	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
४६	**दिवेर** कपिलेश्वर महादेव - तीर्थ । गांव पूर्वे मढ़ी - सदाव्रत ।	२	...	१
४७	**मांडवा** त्रिलोचनेश्वर महादेव - तीर्थ ।	२	...	१
४८	**मालसर** अंगारेश्वर (मंगलनाथ) पांडवेश्वर महादेव - तीर्थ । अंबिका माता - प्रेमानंद आश्रम - प्रसिद्ध सत्यनारायण मंदिर-धर्मशाला-अन्नक्षेत्र। संत माधवदासजी तथा डोंगरेजी महाराज के समाधि मंदिर । पंचमुखी हनुमान कच्छी आश्रममें अन्नक्षेत्र योगानंद आश्रम में नर्मदा अन्नक्षेत्र । **चातुर्मास** । सामने **असा** ।	६	...	२
४९	**कंटोई** कोटीश्वर - अंगिरस- तीर्थ । तपोवन आश्रम - धर्मशाला - सदाव्रत ।	२	...	२
५०	**शिनोर** केदारेश्वर - उत्तरेश्वर - रोहिणेश्वर - कृष्णेश्वर - भंडारेश्वर - धूतपापेश्वर - भोगेश्वर - निष्कलंक महादेव - आठ तीर्थ हैं । घाट पर गणपति मंदिर - अन्नक्षेत्र । लालबाबा आश्रम-अन्नक्षेत्र । **चातुर्मास** । सामने **कांदरोज** ।	३	...	८

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
५१	**नर्मदा आश्रम** नर्मदा मंदिर -हनुमान मंदिर -सदाव्रत ।	१	...	...
५२	**कंजेठा** सौभाग्यसुंदरी माता-करंजेश्वर-भरतेश्वर-नागेश्वर - तीर्थ । राधाकृष्ण मंदिर में सदाव्रत । सांईबाबा मंदिर ।	१	...	४
५३	**अम्बाली** अम्बिकेश्वर महादेव - तीर्थ ।	१	...	१
५४	**अनसूया माता** अनसूया माता-सुवर्णशिला-हत्या हरण तीर्थ । गंगा कूप । दत्तमंदिर - आश्रम-सदाव्रत। **झांझड** गांव के पास मन्मथेश्वर महादेव -तीर्थ । सामने **कोटेश्वर** ।	१	**अेरंडी**	४
५५	**जनकेश्वर** जनकेश्वर महादेव - तीर्थ । सदाव्रत ।	१	...	१
५६	**संकर्षण** संकर्षण - तीर्थ । आश्रम - सदाव्रत ।	२	...	१
५७	**कोटेश्वर** कोटेश्वर महादेव-तीर्थ ।कोटेश्वर साधना आश्रम । सदाव्रत -अन्नक्षेत्र ।	१	...	१
५८	**बरकाल** प्रभासेश्वर महादेव-तीर्थ । तट पर नर्मदा साधना कुटिर - आश्रम -अन्नक्षेत्र । पास में व्यासबेट पर सिध्धेश्वर महादेव-तीर्थ । सामने **शुकदेवजी** ।	१	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
५९.	**मोलेथा** कोटेश्वर महादेव–तीर्थ।महर्षि याज्ञवल्कय की तपोभूमि।राधाकृष्ण मंदिर–हनुमानजी । शिवशक्ति पीठ, सतुआ बाबा आश्रम, काशी का स्थान । आसाराम आश्रम – अन्नक्षेत्र । आगे **कोतरडी** आश्रम में शिवलिंगमें से जल निकलता है ।	३	...	१
६०.	**मृत्युंजय आश्रम** मृत्युंजय महादेव –दुर्गामाता– लक्ष्मीनारायण आदि दर्शन – आश्रम – अन्नक्षेत्र ।	...	...	
६१.	**दरियापुरा** नर–नारायणेश्वर महादेव–तीर्थ ।	६	...	१
६२.	**बदरिकाश्रम** बदरिनारायण – केदारनाथ महादेव–द्वादश ज्योतिर्लिंग – अम्बिका माताजी आदि अनेक दर्शन । आश्रम –अन्नक्षेत्र – **चातुर्मास** ।	...	...	१
६३.	**नन्देरिया** नन्दिकेश्वर महादेव – तीर्थ – आश्रम – सदाव्रत । वैशाख शुक्ल सप्तमीको गंगा प्रागट्य मेला ।	२	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्रमांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
६४.	**गंगनाथ** गंगनाथ महादेव – तीर्थ । आश्रम – सदाव्रत । सरस्वती गुफा । दिव्यभूमि ।	...	...	१
६५.	**भीमपुरा** श्रीकालीमाता – रामकृष्ण मंदिर । माँ आनंदमयी आश्रम – सदाव्रत । शिवमंदिर – राधाकृष्ण मंदिर ।	१	...	१
६६.	**यमहास** यमहास्येश्वर महादेव –तीर्थ ।	...	...	१
६७.	**चांदोद** चंडिकामाता –चंडादित्य तीर्थ । शेषशायी नारायण – कपिलेश्वर – ऋणमुक्तेश्वर – पिंगलेश्वर – नन्दा – आनन्दा माता – सप्त तीर्थ । चक्रतीर्थ घाट पर दत्तमंदिर में धर्मशाला – अन्नक्षेत्र । अनेक आश्रम–सदाव्रत – अन्नक्षेत्र । **चातुर्मास** । **अति पवित्रक्षेत्र** ।	१	...	७
६८	**करनाली** सोमेश्वर–कुबेरेश्वर – पावकेश्वर (अग्नि)–तीर्थ। **दक्षिण प्रयाग–त्रिवेणी संगम**। गीतामंदिर – गायत्री मंदिर–दक्षिणामूर्ति	२	**ओरसंग**	३

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	आश्रम-नर्मदा मंदिर-शक्तिपीठ आश्रम-अन्नक्षेत्र - कालीमंदिर । प्रति अमावास्याको मेला । **चातुर्मास** । **अतिपवित्र क्षेत्र** । पास में **हंसारूढ़ आश्रम** ।			
६९	**बरबाड़ा** वरुणेश्वर महादेव - तीर्थ ।	६	...	१
७०	**मोरिया** मारुति मंदिर । नर्मदेश्वर महादेव । आश्रम-सदाव्रत ।	२	...	...
	नर्मदा जिला			
७१	**नल गांव** नन्दिकेश्वर महादेव-तीर्थ ।	३	...	१
७२	**चुडेश्वर** चंद्रेश्वर महादेव-तीर्थ । आश्रम-सदाव्रत ।	३	**अश्विनी**	१
७३	**तिलकबाड़ा** तिलकेश्वर-गौतमेश्वर-सप्तमातृका मंदिर-तीर्थ । नर्मदा मंदिर-मारुति - रामेश्वर महादेव - वासुदेवानंद सरस्वती स्मृति मंदिर । नर्मदेहर अन्नक्षेत्र । **चातुर्मास** ।	३	...	३

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
७४	**मणिनागेश्वर** मणिनागेश्वर - तीर्थ । आश्रम - सदाव्रत - अन्नक्षेत्र ।	२	**मेण (मणि)**	१
७५	**वासणा** कपिलेश्वर महादेव - तीर्थ । आश्रम - सदाव्रत - अन्नक्षेत्र ।	३	...	१
७६	**रेंगण** कामदेश्वर महादेव - तीर्थ ।	२	...	१
७७	**सांजरोली** हनुमान मंदिर । रवितीर्थ लुप्त । आश्रम - सदाव्रत ।	३	...	१
७८	**अक्तेश्वर** अगस्त्येश्वर-केदारेश्वर महादेव -तीर्थ । धर्मशाला - अन्नक्षेत्र । **चातुर्मास** ।	२	...	२
७९	**गरुड़ेश्वर** मार्ग में कुमारेश्वर महादेव-तीर्थ । गरुड़ेश्वर - करोटीश्वर - नारदेश्वर - मधुच्छंदेश्वर महादेव - तीर्थ । दत्तमंदिर - अन्नक्षेत्र । स्वामी वासुदेवानंद सरस्वतीजी का समाधि मंदिर । अनेक मंदिर-आश्रम । राममंदिर - अन्नक्षेत्र । **चातुर्मास** ।	३	...	५
८०	**गभाणा** कम्बलेश्वर - मार्कंडेश्वर तीर्थ लुप्त । - संगमेश्वर महादेव ।	२	**भीमकुल्या**	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
८१	**केवडिया - नवागाम** आदित्येश्वर महादेव - तीर्थ । धर्मशाला-सदाव्रत । सरदार सरोवर डेम सामने-**नूतन शूलपाणीश्वर महादेव** ।	६	...	१
	नोंध : आगे सरदार सरोवर डेम होने से नदीतट का मार्ग बंद है । रास्ता और बस्ती नहीं है । अब निम्नलिखित सड़कमार्ग से आगे बढ़ना है ।			
	सड़कमार्ग - १ (केवडिया से)			
	खडगदा - ३ । झरिया - ५ हनुमान मंदिर -अन्नक्षेत्र । उंड़वा - हनुमान मंदिर । छोटी अम्बाजी माता - धर्मशाला - अन्नक्षेत्र-सदाव्रत । पहाडों में रमणीय स्थान ।	९		
	सड़क मार्ग - २ (केवडिया से)			
८२	**उंड़वा** **हनुमान मंदिर**-८ । छोटी अम्बाजी माता मन्दिर-१ । गांव - **जीवणपुरा** । (केवडिया से चींचवाडा तक पक्की सड़क । मार्ग छोडकर जांबुघोडा होकर।)	९		
८३	**बोरियाद** रणछोडजी मंदिर-शिवमंदिर-धर्मशाला।	१२	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्रमांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	(मार्ग; चीकरवा -पानी महुडा-हरिपुरा - भरवाडा-नौगामा होकर जाना है ।)			
८४	**वगाच** वाघेश्वर महादेव - अन्नक्षेत्र ।	४	...	...
८५	**भाखा** शिवमंदिर - अन्नक्षेत्र ।			
८६	**कानबेड़ा** हेन्डपंप के पास दुकान - सदाव्रत ।	५	...	...
८७	**कवांट** कामनाथ महादेव - अन्नक्षेत्र। नीलकंठ महादेव - कालीमाता - रामदेव पीर मंदिर-सदाव्रत ।	८	...	१
८८	**कड़ीपानी** नीलकंठ महादेव - आश्रम -सदाव्रत- अन्नक्षेत्र ।	१२	...	१
८९	**हांफेश्वर** हांफेश्वर (हंसेश्वर) महादेव - तीर्थ । आश्रम - सदाव्रत - अन्नक्षेत्र । रमणीय स्थान । नर्मदातट । **चातुर्मास**।	८	...	१

नोंध : यह शूलपाणि की झाड़ी का मध्यभाग है । सरदार सरोवर का पानी भर जाने से पुराना हांफेश्वर मंदिर जलमग्न हो गया । आगे का नदीतट का मार्ग रास्ता और बस्ती न होने से बंद है । थोडा पीछे लौटकर आगे मार्ग है । दो मार्ग हैं ।

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	सड़क मार्ग – १ (हांफेश्वर से)			
९०	**कड़ीपानी**	८	...	...
९१	**लींबड़ी**	५	...	...
	मध्यप्रदेश राज्य अलीराजपुरा जिला			
९२.	**वखतगढ़** गायत्री मंदिर – सदाव्रत ।	९	...	१
९३.	**अढ़ा** गायत्री मंदिर – सदाव्रत ।	१०	...	१
९४.	**उमरठ** गांव में अन्नक्षेत्र ।	८	...	...
९५.	**टेमला** गायत्री परिवार – सदाव्रत ।	७	...	१
९६	**कवड़ा** हनुमान मंदिर । आश्रम–सदाव्रत । धर्मशाला ।	९	...	१
९७	**डही** शिवमंदिर । गांव के बाहर हनुमान मंदिर – सदाव्रत ।	१२	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	सड़कमार्ग - २ (कडीपानी से)			
	१. **कवांट**	१४	...	१
	२. **रेणदा**	१२	...	१
	नर्मदे हर अन्नकुटिर ।			
	मध्यप्रदेश राज्य अलीराजपुर जिला			
	३. **छकतला**	४	...	...
	गायत्रीमंदिर ।			
	४. **उमराली**	१८	...	१
	५. **सोंड़वा**	११	...	...
	६. **कवड़ा**	११	...	...
	हनुमान मंदिर-धर्मशाला-सदाव्रत ।			
	७. **डही**	११	...	१
	गांव बाहर हनुमान मंदिर-धर्मशाला - सदाव्रत ।			
९८	**धर्मराय**	१२	...	१
	नूतन धर्मेश्वर महादेव - तीर्थ ।			
	नारायण कुटि आश्रम - सदाव्रत ।			
९९	**पिपरीपुरा**	११	...	...
	दुर्गामंदिर - अन्नक्षेत्र ।			

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
१००	**कोटेश्वर** कोटेश्वर महादेव - तीर्थ । खाखचौक में कनकबिहारीजी मंदिर - अन्नक्षेत्र । दगडु महाराज प्रेरित अखंड रामधून । अन्नक्षेत्र । अनेक मंदिर - धर्मशाला । **चातुर्मास** ।	५	उरी बागली	१
१०१	**गेहल गांव** अग्नितीर्थ । गंगेश्वर महादेव।हनुमानजी । जय भाथीजी आश्रम - अन्नक्षेत्र ।	१०	...	१
१०२	**चिखलदा** नीलकंठेश्वर-हरिहरेश्वर महादेव मंदिर । स्वामी वासुदेवानंद सरस्वतीने यहां चातुर्मास किया था । सामने **राजघाट** ।	१०	...	१
नोंध:-कोटेश्वर से एक रास्ता निसरपुर होकर कडमाल १०, नर्मदानगर-५ से चिखलदा पहुंचता है ।				
१०३	**मलवाड़ा** हनुमान मंदिर - दत्तमंदिर । सदाव्रत ।	६	...	१
१०४	**बोधवाड़ा** देवपथ लिंग-तीर्थ । आश्रम-अन्नक्षेत्र ।	२	...	१
१०५	**गांगलोद** नन्दिकेश्वर - तीर्थ । सदाव्रत ।	५	बगाड	१
१०६	**अकलबाड़ा** राममंदिर - सदाव्रत । गांव के बाहर	४	वागु	२

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	वागीश्वर महादेव । आश्रम-अन्नक्षेत्र ।			
१०७	**सेमरदा** दीप्तिकेश्वर महादेव - तीर्थ ।	३	...	१
१०८	**शरीफपुरा** शिवशक्ति धाम - सदाव्रत ।	८	...	...
१०९	**पेरखड़** विष्णु तीर्थ । राममंदिर-सदाव्रत । गांव के बाहर भोगेश्वर - महादेव-अन्नक्षेत्र ।	३	**काकड़िया**	१
११०	**बड़ा वर्धा (बडदा)** वराहेश्वर-तीर्थ । गांव के बाहर कैलास टेकरी - गढ़ी - सदाव्रत । महाकालेश्वर महादेव - साधुकुटी ।	१०	...	१

नोंध :- यहां से मांडवगढ़ (मांडु) जाने के लिये दो मार्ग हैं । नदी तटका मार्ग और उपर का सड़क मार्ग ।

नदी तट का मार्ग (बडा वर्धा से)

१११	**ऋद्धेश्वर घाट** ऋद्धेश्वर महादेव - अदिति-तीर्थ । **मलण गांव** ।	३	**मान**	२
११२	**शुक्लेश्वर** सौर तीर्थ - सदाव्रत ।	७	**चिड़ी**	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
११३	**हतनावर** दारुकेश्वर महादेव - तीर्थ । राममंदिर - सदाव्रत ।	७	...	१
११४	**खुजावा** - रामधाम आश्रम - अन्न क्षेत्र । नर्मदा - कुब्जा संगम ।	५	**कुब्जा**	१

नोंध :- यहां से नदीतट के मार्ग में धर्मपुरी में नागेश्वर महादेव - विष्णुमंदिर । द्वीप में बिल्वाम्रक तीर्थ है । आगे **खल घाट में** कपिलेश्वर महादेव - तीर्थ है ।

सड़क मार्ग - १
खुजावा गांव से ।

११५	**पगारा** वक्रतुंड गणेश मंदिर - सदाव्रत ।	८	...	१
११६	**पीपल्यागुट** हनुमान मंदिर - आश्रम - सदाव्रत ।	३	...	...
११७	**काली बावड़ी** राममंदिर - सदाव्रत । गुप्तेश्वर महादेव - हनुमान मंदिर । मार्ग में **अहिरवासमें** दुर्गामंदिर ।	५	...	१
११८	**मांडवगढ़ (मांडु)** पर्वत - जंगल मार्ग । उपर नीलकंठ महादेव - रमणीय स्थान । यहां से तीन	१५	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	कि.मी. दूर गांव में राममंदिर में **चतुर्भुज रामजी** ११०० साल पुराना विग्रह । अन्नक्षेत्र - धर्मशाला । अनेक मंदिर । दर्शनीय ऐतिहासिक स्थान ।			
११९	**रेवाकुंड** रेवाकुंड में नर्मदाजी की जलधारा आती है ऐसी मान्यता होने से कुंड को सीधे हाथ की और रखकर आगे जाना चाहिये । यहां रानी रूपमती - बाज बहादुर का ऐतिहासिक महल है । महल की छत पर से दूर दूर (१५ कि.मी) नर्मदा दर्शन होता है ।	५	...	१
	सड़क मार्ग **(बड़ा बर्धा से)**			
	१.बाकानेर गजानन बाबा का आश्रम -सदाव्रत । मार्ग में **कुवालि** गांवमें हनुमान मंदिर।	१०	मान	१
	२.लुन्हेरा राधाकृष्ण मंदिर । गांव के बाहर हनुमान मंदिर - सदाव्रत ।	८	...	१
	३.काली बावड़ी	१४	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	४.मांडवगढ़ (मांडु)	१५	...	१
	५.रेवा कुंड	५	...	१
	नोंध :- यहां से नीचे उतरने का मार्ग अत्यंत कठिन है । निम्नलिखित मार्ग अनुकूल रहेगा ।			
१२०	**हीरापुर**	३	...	...
१२१	**बणझारी**	...	...	...
१२२	**बगवानिया**	३	...	...
१२३	**कुंड़ी**	४	...	...
१२४	**धामनोद** व्यंकटेश बालाजी मंदिर । सदाव्रत । मार्ग में **गुलझरा** में हनुमान मंदिर ।	४	...	...
१२५	**खल घाट** कपिलेश्वर महादेव-तीर्थ । नर्मदातट । पास में दुर्गामंदिर - सदाव्रत ।	८	...	१
१२६	**कनबाड़ा** शिवमंदिर - हनुमान मंदिर । धर्मशाला - सदाव्रत ।	३	...	...
१२७	**जलकोटि** कारम-बुटी-नर्मदाजी का **त्रिवेणी संगम**। राममंदिर - धर्मशाला- श्रीक्षेत्र दत्तमंदिर-अन्नक्षेत्र । सदाव्रत ।	४	**कारम-बूटी**	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	गांव के बाहर शिवालय-धर्मशाला । नीचे **सहस्रधारा** का अद्‌भुत दर्शन । रमणीय स्थान । नारायण आश्रम ।			
१२८	**महेश्वर** मातंगेश्वर महादेव - अशोक वनिका तीर्थ । घाट पर पंढ़रीनाथ - दत्तमंदिर में धर्मशाला - अन्नक्षेत्र । नीचे संकटमोचन हनुमान मंदिर - मौनीबाबा आश्रम-अन्नक्षेत्र । राजराजेश्वर महादेव प्राचीन मंदिर । परम दत्तभक्त महाराजा सहस्रार्जुन का भव्य विग्रह । अन्य मंदिरों में सिद्धेश्वरी माता - गणेश-स्कन्द-काशी विश्वनाथ-भवानी माता(स्वाहादेवी -उप शक्तिपीठ) । राजबाड़ा में रानी अहिल्यादेवी का स्मारक भवन - दिव्य शिवलिंगों का दर्शन-विशाल पक्के घाट। **चातुर्मास** । प्राचीन माहिष्मती नगरी ।	५	महेश्वरी	७
१२९	**ज्वालेश्वर** ज्वालेश्वर महादेव-तीर्थ ।	१	ज्वाला	१
१३०	**लाड़वी** रामानंद आश्रम - अन्नक्षेत्र ।	५	...	...
१३१	**मंडलेश्वर** मंडलेश्वर (मलशमनेश्वर)महादेव-तीर्थ ।	४	गादी	२

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	दत्तमंदिर । काशी विश्वनाथ के पास स्वामी वासुदेवानंद सरस्वतीजी की कुटी। घाट पर राममंदिर। महाराष्ट्र के प्रसिद्ध सन्त गोंदवलेकरजी के शिष्य ब्रह्मानन्दजी की तपोभूमि । सदाव्रत । गांव के बाहर गुप्तेश्वर महादेव-तीर्थ । **चातुर्मास** ।			
१३२	**गंगाझीरा** नरसिंह भगवान का मंदिर । कपिलाश्रम-अन्नक्षेत्र ।	६	...	...
१३३	**पथराड़** पटेल नगर में राधाकृष्ण मंदिर । सदाव्रत।	८	**मालन**	१
१३४	**बेगांव** राधाकृष्ण मंदिर - सदाव्रत ।	५	...	...
१३५	**पितामली** पिप्पलेश्वर महादेव - तीर्थ । राममंदिर-में सदाव्रत ।	५	...	१
	खंडवा जिला			
१३६	**धारेश्वर** धारेश्वर (दारुकेश्वर)महादेव-तीर्थ ।	६	**खुलार**	१
१३७	**सेमलदा** मनकामनेश्वर महादेव -कुटी-सदाव्रत । भागवतानंद परमहंस सेवाश्रम । मार्ग में	९	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्रमांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि.मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	गंगात खेडी में गंगा प्रागट्य स्थान ।			
१३८	**विमलेश्वर** विमलेश्वर महादेव । चन्द्रेश्वर में १६मन वजन का बड़ा घंटा । रमणीय स्थान ।	५	...	...
१३९	**रामगढ़ – रामपाल घाट** रामकुटीर – आश्रम – सदाव्रत । राम सेतु । अभय रामेश्वर महादेव (मार्कंडेय आश्रम, ओमकारेश्वर संचालित) रमणीय स्थान । **चातुर्मास** ।	२	...	१
१४०	**कटघरा** लक्ष्मीनारायण मंदिर । माता श्रीनर्मदे हर आश्रम–अन्नक्षेत्र ।	१	...	१
१४१	**महेता खेड़ी** टेकरी पर आश्रम–अन्नक्षेत्र ।	१	...	...
१४२	**खेड़ी घाट (नाव घाट)** विरक्तकुटि–अवधूतेश्वर महादेव–अन्नक्षेत्र हरि ॐ आश्रम । अनेक आश्रम–मंदिर–धर्मशाला–सदाव्रत । नर्मदामंदिर दर्शनीय – **चातुर्मास** ।	३	...	१
१४३	**चारुकेश्वर** चारुकेश्वर महादेव – ब्रह्मोद तीर्थ । दगडु महाराज प्रेरित अखंड रामधून – आश्रम – अन्नक्षेत्र । मार्ग में सुन्दरदास त्यागीजी का आश्रम । **चातुर्मास** ।	४	**चोरल**	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्रमांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि.मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	नोंध :- यहां से चोरलनदी पार कर के आगे भूतेश्वर महादेव । डोलारी आश्रम -३ कि.मी. नरसिंह कुंड, कोटेश्वर महादेव । लेकिन परिक्रमावासी चोरल नदी को पार न करें । चारुकेश्वर से बड़वाह जाकर नागेश्वर महादेव में रेवा कुंड़ को दाहिने रखकर आगे बढ़ना चाहिये । यहां अष्टभुज गोपाल मंदिर-दत्तमंदिर सदाव्रत है । यहां से चोरल नदी पार करके जंगलमें मोदरी गांव पहुंचना चाहिये ।			
१४४	**च्यवनाश्रम** च्यवनेश्वर महादेव-च्यवनगंगा आश्रम-अन्नक्षेत्र । जंगल में रमणीय स्थान - **चातुर्मास । मोदरी** गांव ।	९	...	१
१४५	**कोठावा** करंजेश्वर महादेव - तीर्थ । कश्यपाश्रम - अन्नक्षेत्र । सामने **ओमकारेश्वर** ।	३	...	१
	देवास जिला			
	नोंध : ओमकारेश्वर में बांध होने से नदी तटका मार्ग बंद हो गया है। निम्नलिखित सडकमार्ग से सीताबन पहुंच सकते है ।			
	सड़क मार्ग			
१४६	**कुंड़ी** हनुमान मंदिर ।	११	...	१
१४७	**बड़ेल** हनुमान मंदिर - सदाव्रत । धर्मशाला ।	४	...	...

क्रमांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि.मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
१४८	**मेंहदी खेड़ा** गांव में निवास । सदाव्रत ।	४	...	...
१४९	**हिरानिया** गांव में निवास - सदाव्रत ।	३	हिरानिया	...
१५०	**पिपरी** राममंदिर ।	८	...	१
१५१	**सीतावन** वाल्मीकि आश्रम-राममंदिर । सदाव्रत । नीचे तीन कुंडमें नर्मदा जल आता है । पवित्र स्नान । यहां से नर्मदाजी पांच कि.मी दूर है ।	२	...	१

नोंध:-आगे धाराजी तीर्थ में ओमकारेश्वर बांध होने से प्रसिद्ध धावडी कुंड़ (यहां से शिवलिंग निकलते थें ।) जलमग्न हो गया है अब आगे का रास्ता इस प्रकार है ।

१५२	**रतनपुर** गांव में निवास ।	१०	...	१
१५३	**बावड़ी खेड़ा** हनुमान मंदिर ।	३	...	...
१५४	**सेमली** साधुकुटी - सदाव्रत ।	३	...	...
१५५	**प्रेमगढ़ (नया)**	५	खांड़	१
१५६	**भट खेड़ा**	१	...	..

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्रमांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि.मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	नोंध :- यहां से लक्कडकोट का जंगल है । २१ कि.मी.का रास्ता है। जंगल में वन्यपशु का भय है । मार्ग में कहीं भी गांव या जल नहीं हैं। बीच में हनुमानजी का स्थान है ।			
१५७	**पामा खेड़ी** राममंदिर - धर्मशाला - सदाव्रत ।	३	...	१
१५८	**डंढ़ा**	३	...	...
१५९	**नन्दाणा**	२	...	...
१६०	**पोखर**	४	...	...
१६१	**ढ़ांसर (धासड़)**	३	...	...
१६२	**कीटी गांव** गोपाल मंदिर - धर्मशाला - सदाव्रत ।	६	...	१
१६३	**धर्मपुरी** धर्मेश्वर महादेव । अन्नक्षेत्र ।	४	...	...
१६४	**नामनपुर**	७	...	...
१६५	**फत्तेहगढ़** नर्मदा मंदिर - आश्रम -सदाव्रत ।	५	**दतोनी**	१
१६६	**तमखाना** गांव में निवास - सदाव्रत ।	७	...	...
१६७	**राजीर गांव** हनुमान मंदिर ।	९	**बागदी**	१
१६८	**डाबढ़ा-मंडलेश्वर** गांव के बाहर गुजराती साधु का आश्रम - सदाव्रत ।	४	...	...

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
१६९	**नेमावर** सिद्धनाथ महादेव - तीर्थ । ब्रह्मचारी आश्रम - अन्नक्षेत्र । यहां स्वामी वासुदेवानंद सरस्वतीजी के चरणचिह्न हैं। अन्नपूर्णा मंदिर - आश्रम । दत्तमंदिर । अनेक मंदिर - धर्मशाला - आश्रम - सदाव्रत । **चातुर्मास** । सामने **हंड़िया** ।	७	...	७
१७०	**मेल घाट** संत आत्माराम बाबा का समाधि मंदिर । सदाव्रत ।	२	जामनेर	...
१७१	**गौनी संगम** परशुराम-तीर्थ ।	३	गौनी	१
१७२	**बीजल गांव** नर्मदा मंदिर - सदाव्रत । अन्नक्षेत्र ।	८	ककेड़ी	...
१७३	**पिपलनेरिया** राम मंदिर - पंचमुखी हनुमान । आश्रम - अन्नक्षेत्र ।	२	...	१
	सिहोर जिला			
१७४	**छीपानेर** दादा धूनीवाला आश्रम - सदाव्रत । **चातुर्मास** ।	५	सीप	१
१७५	**सातदेव** राममंदिर - पातालेश्वर महादेव - सदाव्रत ।	५	...	...

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
१७६	**सीलकंठ** हनुमान मंदिर । **मंड़ी** गांव में हंसेश्वर महादेव - सदाव्रत ।	५	...	१
१७७	**नीलकंठ** संगम पर पातालेश्वर - धर्मशाला । नर्मदा मंदिर - दत्तमंदिर में दत्त भगवान - टेम्बे स्वामीजी - रंग अवधूतजी का दर्शन । सदाव्रत ।	५	**कोलार** **(कौसल्या)**	
१७७	**डीमावर** डीमडीमेश्वर - गौरीशंकर महादेव- व्यंकटेश बालाजी । मुरली मनोहर आश्रम-सदाव्रत । सड़क मार्ग पर छिन्दगांव (काछी) में सदाव्रत-अन्नक्षेत्र।	७	...	...
१७८	**बावरी घाट** नर्मदामंदिर ।	४	**टिमरनी**	...
१७९	**नेहलाइ** हनुमान मंदिर - धर्मशाला -सदाव्रत ।	८	...	...
१८०	**रेऊ गांव** नर्मदा मंदिर - चित्रकूट अखंड सच्चिदानंद आश्रम - अन्नक्षेत्र ।	२	...	१
१८१	**मर्दानपुरा** ममलेश्वर महादेव - सदाव्रत ।	३	...	...

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्रमांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
१८२	**आंवरी घाट** भीमकुंड - ब्रह्मयोनि - तीर्थ । पंचदेव शिवालय दर्शनीय - मठ - सदाव्रत । संस्कृत पाठशाला ।	३	...	१
१८३	**तालपुर** शिवमंदिर । टेकरी पर आश्रम - सदाव्रत । मार्गमें **पेथोड़ा** गांव बैलदौड़ के लिये प्रसिद्ध ।	९	**भागनेर**	१
१८४	**होलीपुरा** हनुमान मंदिर - सदाव्रत ।	१०	...	१
१८५	**बुधनी** नर्मदा मंदिर - धर्मशाला - सदाव्रत । गोपालमंदिर - अन्नक्षेत्र । **चातुर्मास** ।	१२	**तिन्दरी**	१
१८६	**गुलझारी घाट** जर्रापुर गांव में राममंदिर - सदाव्रत । आगे दुर्गामंदिर । सामने **होसंगाबाद** ।	२	**गदरिया**	...
१८७	**राम नगर** शिवमंदिर - धर्मशाला - सदाव्रत ।	६	**चांदनी**	१
१८८	**बांद्राभान** हनुमानमंदिर - शिवमंदिर - अन्नक्षेत्र ।	१	...	१
१८९	**शाहगंज - चींचली** राममंदिर - जगदीश मंदिर । सदाव्रत । रामकृष्ण साधना आश्रम ।	७	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	सदाव्रत–रमणीय स्थान । **चातुर्मास** ।			
१९०	**हतनोरा** राममंदिर – सदाव्रत । **उत्तरवाहिनी** नर्मदा ।	१०	कुसुमेली	१
१९१	**सरदारनगर** राममंदिर । अयोध्याजी के कनकभवन मंदिर जैसे सुन्दर श्रीविग्रह –दर्शनीय स्थान । अन्नक्षेत्र ।	२	...	...
१९२	**नारायणपुर** राममंदिर – धर्मशाला – सदाव्रत ।	२	...	...
१९३	**नांदनेर** मनकामनेश्वर – महाकालेश्वर महादेव – राधाकृष्ण मंदिर – सदाव्रत ।	५	...	...
१९४	**कुसुम खेड़ा** सत्यनारायण मंदिर – सदाव्रत ।	३	...	...
	रायसेन जिला			
१९५	**भारकच्छ** भृगुक्षेत्र। नर्मदामंदिर–राममंदिर–सदाव्रत **चातुर्मास** । पास में **मडागन**–तीर्थ ।।	६		
१९६	**गड़र वास** सिद्धेश्वर महादेव – सदाव्रत ।	२	...	...
१९७	**सन खेड़ा** राम मंदिर – सदाव्रत । यहां विजयसिंह	७	...	...

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	पटेल के घर नारेश्वर (गुजरात) के सन्त पू.श्रीरंग अवधूत महाराज २७ जान्यु. ई.स.१९२८ वसंतपंचमी के दिन नर्मदा परिक्रमा में पधारे थे ।			
१९८	**मोतलसर** राममंदिर - दादा की मढ़ी । **वर खेड़ा** गांव में नारदीय घाट पर नर्मदामंदिर ।	३	नारदी गंगा	...
	रायसेन जिला			
१९९	**बगलवाडा** राधाकृष्ण मंदिर - संस्कृत विद्यालय । वनखंडी बाबा का आश्रम अन्नक्षेत्र । नर्मदा मंदिर - रमणीय स्थान - **चातुर्मास** । वरुणा नदी के तट पर यज्ञभस्म ।	५	वरुणा	१
२००	**सतरावन** आकाशदीप - तीर्थ । राममंदिर ।	३	तेन्दोनी	१
२०१	**डुमर** शिवमंदिर - हनुमान मंदिर ।	५	...	...
२०२	**मांगरोल** नर्मदामंदिर - संस्कृत पाठशाला - सदाव्रत - अन्नक्षेत्र ।	१०	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२०३	**बरहा** राममंदिर–सदाव्रत । सीताराम आश्रम ।	८	...	...
२०४	**केतुधान** गोपालमंदिर । खांड़–दूधी–नर्मदा का **त्रिवेणी संगम** ।	६	**खांड –दूधी**	१
२०५	**मौनी बाई का आश्रम** । सदाव्रत ।	५	...	...
२०६	**धरमपुरी** गुजराती आश्रम – अन्नक्षेत्र ।	४	...	...
२०७	**बोरास** राम जानकी मंदिर – सदाव्रत । संस्कृत पाठशाला । अनेक मंदिर ।	१	...	१
२०८	**चौरास** राममंदिर – सदाव्रत ।	३	...	...
२०९	**केलकच** राधाकृष्ण मंदिर – सदाव्रत ।	५	...	...
२१०	**अनघोरा** जनकेश्वर (अनरकेश्वर) महादेव –तीर्थ । सदाव्रत – अन्नक्षेत्र ।	३	...	१
२११	**पतय घाट** शिवमंदिर – आश्रम – सदाव्रत – अन्नक्षेत्र । **चातुर्मास** ।	४	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२१२	**शुक्लपुर** शुक्लेश्वर महादेव - तीर्थ । लक्ष्मीनारायण मंदिर - संत गंगादासजी का समाधि मंदिर।	३	...	१
२१३	**टीमरा वन** नर्मदा मंदिर - राधाकृष्ण मंदिर । **सदाव्रत** ।	६	सिनोर	...
	नरसिंहपुर जिला			
२१४	**हीरापुर** माँ राज राजेश्वरी का दक्षिणात्य शैली का भव्य मंदिर - राधाकृष्ण मंदिर । अन्नक्षेत्र । **चातुर्मास** ।	५	...	१
२१५	**करौंदी** गांव के पहले राममंदिर - सदाव्रत ।	४	...	...
२१६	**बेलथारी** परमहंस आश्रम (भारत सेवाश्रम संघ) सदाव्रत । अन्नक्षेत्र । नर्मदा मंदिर - शिवमंदिर । बलिराजा की यज्ञभूमि ।	६	...	१
२१७	**झीरी** नर्मदामंदिर-सदाव्रत । रामजानकी मंदिर।	३	...	...
२१८	**रुकवाड़ा** शिवमंदिर । नर्मदा दो कि.मी. दूर ।	७	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२१९	**चांवर पाठा** धर्मशाला - सदाव्रत) दो कि.मी. दूर नर्मदा तटे राम घाट पर शिवमंदिर - हनुमान मंदिर - सदाव्रत ।	७	...	...
२२०	**बरमान घाट (ब्रह्माण घाट)** ब्रह्माजी की तपोभूमि । बड़ा राम - जानकी मंदिर - धर्मशाला - सदाव्रत- अन्नक्षेत्र । मत्स्यवाहिनी नर्मदा । दत्तमंदिर - राधा कृष्ण - सिद्ध चिन्तामणी देवी - लक्ष्मी नारायण - सोमेश्वर-दीपेश्वर - विश्वरूप वराह भगवान आदि अनेक मंदिर । नर्मदाजी में सूर्य कुंड-ब्रह्म कुंड़-तीर्थ । **चातुर्मास**।	२	...	७
२२१	**सप्तधारा** राममंदिर - हरिहर आश्रम -अन्नक्षेत्र । आसाराम आश्रम ।	२	...	...
२२२	**छोटी धूआंधार** शिवमंदिर - धर्मशाला - अन्नक्षेत्र ।	७	...	१
२२३	**गुरसी** नर्मदा मंदिर - धर्मशाला - सदाव्रत ।	३	...	...
२२४	**रामपुरा** जागेश्वर महादेव ।	५	...	...

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२२५	**केरपानी** ओमकारेश्वर महादेव- सदाव्रत । अभय साधना कुटिर (मार्कंडेय आश्रम -ओम कारेश्वर का स्थान) - गुफा । रमणीय स्थान - **चातुर्मास ।**	३	...	...
२२६	**पीठेरा** राममंदिर - साधुकुटी ।	५	...	...
२२७	**डोंगर गांव** धर्मशाला - सदाव्रत ।	१२	...	१
२२८	**धूम गढ़** शंकराचार्य(द्वारकापीठ)आश्रम-सदाव्रत। **अमोदा** गांव के बाद गुरु गोविंद भगवत्पादाचार्यजी की गुफा दर्शनीय ।	१०	...	१
२२९	**हीरापुर** कृष्णमंदिर-संगमेश्वर महादेव । सदाव्रत।	२	हरणी	...
२३०	**जोगीपुरा** हरणेश्वर महादेव । यहां नन्दी खड़ा है । राधाकृष्ण मंदिर - सदाव्रत ।	१	...	...
	जबलपुर जिला			
२३१	**ब्रह्म कुंड़** **बेल खेड़ी** गांव - सदाव्रत ।	६	...	...

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२३२	**झलोन** रामजानकी मंदिर –सदाव्रत । तट पर हनुमानजी । मार्ग में **कुंड़ा** गांव में शिव मंदिर–पार्वती मंदिर – पंचमुखी हनुमानजी ।	१०	...	१
२३३	**सुनाचर** सहस्रावर्त – तीर्थ ।	२	...	१
२३४	**सर्रा घाट - छरौवा घाट** सौगन्धिका वन –तीर्थ । राम जानकी मंदिर – धर्मशाला – अन्नक्षेत्र । गंगा–यमुना के छोटे स्रोत और नर्मदाजी का **त्रिवेणी संगम** ।	२	...	१
२३५	**चरगवा घाट** नर्मदामंदिर – कुटि ।	३	...	...
२३६	**गोरा घाट** राम–नृसिंहजी मंदिर ।	३	...	...
२३७	**झांसी घाट** राधाकृष्ण मंदिर । (पुलके पास टेकरा पर है ।)	५	...	१
२३८	**बेलपठार** बलिराजा की यज्ञभूमि। नीलकंठ महादेव	२	...	१
२३९	**झोझी घाट** शिवमंदिर – कुटी ।	५	...	...

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२४०	**सितलपुर** सीताराम आश्रम - अन्नक्षेत्र ।	६	...	१
२४१	**जलेरी घाट** प्रवाह में लुंकेश्वर महादेव - धर्मशाला ।	१	...	...
२४२	**सिद्ध घाट** राममंदिर-आश्रम - सदाव्रत । किनारा पर सिद्धकुंड - ऋषिकुंड । रमणीय स्थान । **चातुर्मास** ।	४	...	१
२४३	**पिपरिया - राम घाट** राम मंदिर - धर्मशाला - सदाव्रत ।	४	...	...

नोंध :-आगे भेड़ाघाट है । यहां बूढ़ी नर्मदा होने की मान्यता से परिक्रमावासी नर्मदातट छोडकर उपर का सड़क मार्ग पकडते हैं। परन्तु नर्मदातट पर स्थित रेवापुराणोक्त तीर्थो का दर्शन छूट जाता है । मेरी राय अैसी है कि प्रत्यक्ष नर्मदा के प्रवाह का उल्लंघन नहीं करना चाहिये । अैसे भी परिक्रमा दरम्यान अनेक पाइप लाइन्स या नहरको लांघना पडता है । यहां दर्शया गया मार्ग नदीतट का है ।

२४४	**भेड़ा घाट** टेकरी पर हनुमान मंदिर-सदाव्रत।कपिल आश्रम-नर्मदा मंदिर-संस्कृत पाठशाला । **चातुर्मास** । **झारिया मोहरा** में आश्रम - सदाव्रत । भेड़ा घाट द्वीप होने से **परिक्रमावासी वहां नहीं जा सकते।**	७	**बाण या वामन**	३
२४५	**गोपालपुरा** प्रसिद्ध धूआंधार जलप्रपात । दर्शनीय	४	...	...

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	स्थल । नर्मदाजी में लक्ष्मीकुंड । गांव में पशुपति नाथ महादेव - लक्ष्मीनारायण मंदिर ।			
२४६	**लम्हेटा घाट** सरस्वती तीर्थ । तिलभांडेश्वर-पिप्पलेश्वर महादेव। गांव के बाहर परमहंस आश्रम सदाव्रत - अन्नक्षेत्र । **चातुर्मास** । **उत्तरवाहिनी नर्मदा** ।	२	**सरस्वती**	१
२४७	**त्रिशूलभेद** त्रिशूलभेद तीर्थ ।	१	...	१
२४८	**रामनगर** मुकुटक्षेत्र - तीर्थ । त्रिपुरासुन्दरी मंदिर-आश्रम -अन्नक्षेत्र । नर्मदेश्वर महादेव - लक्ष्मीनारायण मंदिर ।	३	...	१
२४९	**तिलवारा** तिलभांडेश्वर महादेव - तीर्थ । श्री माँ दुर्गाकुटी - सदाव्रत । नर्मदामंदिर-धर्मशाला। महात्मा गांधी स्मारकभवन ।	१	...	१
२५०	**ग्वारीवाट (गौरीघाट)** गुजराती धर्मशाला - सदाव्रत । नर्मदा मंदिर - विशाल पक्के घाट । श्रीपाद श्रीवल्लभ आश्रम । **चातुर्मास** । (**जबलपुर** नर्मदातट से आठ कि.मी दूर।)	७	...	३

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२५१	**जलहरि (जलेरी) घाट** राममंदिर – भव्य शिवलिंग – आश्रम – सदाव्रत । बदरि नारायण । नर्मदा अन्नक्षेत्र । **सिद्ध घाट** पर दादा धूनीवाला आश्रम । आगे **गीताधाम – गुरुधाम** आदि अनेक आश्रम । **चातुर्मास** ।	१	...	१
२५२	**भवानी घाट** कालीधाम आश्रम–सदाव्रत–अन्नक्षेत्र । कालीमाताजीका विशाल श्रीविग्रह दर्शनीय । रमणीय स्थान। **चातुर्मास** । **भटौली गांव** ।	४	...	१
२५३	**खिरैनी घाट** रेल्वेपुल के पास हनुमान गढ़ी ।	३	...	...
२५४	**गौर संगम** हनुमान मंदिर । पुल के पास महिला सत्संग आश्रम – सदाव्रत ।	५	**गौर**	...
२५५	**बरैला** राधाकृष्ण मंदिर –सदाव्रत – अन्नक्षेत्र ।	१ ५	... ...	... ...
२५६	**रींछाई** टेकरा पर शारदामाता मंदिर । गांव में शिवमंदिर –धर्मशाला – सदाव्रत । नहर में स्नान । मार्ग में अष्टादश भुजा त्र्यम्बकेश्वरी माता तथा राममंदिर ।	२	...	...

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	मंडला जिला			
	नोंध :- यहां से दो मार्ग है । एक मार्ग उपर का सड़क मार्ग है जो **निवास** होकर जाता है । इस मार्ग में नर्मदा छूट जाती है । दूसरा मार्ग **मंडला** होकर जाता है । नर्मदा तट संगम और तीर्थों का दर्शन इस मार्ग में होगा ।			
	नर्मदातट का मार्ग			
२५७	**मोइली नाला** वनविभागका रेस्टहाऊस ।	१२	...	...
२५८	**बीजाडांड़ी** हनुमान मंदिर - सदाव्रत ।	५	...	...
२५९	**धनवाइ** गांव में निवास ।	३	...	...
२६०	**कुड़ामैली** धर्मशाला - सदाव्रत ।	१२	...	१
२६१	**देवरी** दुर्गामंदिर - सदाव्रत । नर्मदा स्नान ।	७	**बालइ**	१
२६२	**चिरी** राममंदिर - कुटी । संगम स्नान ।	५	**महोदर**	१
२६३	**चिराइ डोंगरी** भावल कुटिमें धर्मशाला - सदाव्रत ।	४	...	...
२६४	**बबैया** सदानन्द आश्रम - सदाव्रत ।	६	...	१
२६५	**गाजीपुर** धर्मशाला - सदाव्रत ।	१०	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२६६	**सहस्र धारा** राममंदिर - धर्मशाला - सदाव्रत । दर्शनीय स्थान । प्रवाह में दो शिवमंदिर कार्तिक शुक्ल त्रयोदशी को मेला । मार्ग में जलहरि घाट पर श्रीकाशीविश्वनाथ- आश्रम-धर्मशाला - नर्मदा मंदिर । **उत्तरवाहिनी नर्मदा** ।	१२	...	१
२६७	**देवदरा** श्रीरामकृष्ण सेवाश्रम - सदाव्रत ।	४	...	...
२६८	**मंडला** नर्मदातट का प्रसिद्ध नगर किला घाट पर राजराजेश्वरी मंदिर में सहस्रार्जुन का दर्शनीय विग्रह । नर्मदाजी और मार्कण्डेय मुनि का सुन्दर स्वरूप । रपटा घाट पर नर्मदामन्दिर । हनुमान घाट पर सियारामदास समाधि मन्दिर-सदाव्रत- अन्नक्षेत्र । नगर में अनेक मन्दिर- धर्मशाला । **चातुर्मास** । सामने **महाराजपुर**।	४	...	१
२६९	**छपरी** शिवानंद आश्रम - सदाव्रत ।	१५	...	१
२७०	**बकछरा दोंना** रेवा आदेश आश्रम - अन्नक्षेत्र । सूरजमुखी घाट । धर्मशाला -सदाव्रत । मार्ग में बरो - देवरी -जलगांव ।	४	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२७१	**लिंगा धाट** नर्मदामंदिर-सदाव्रत। **पूर्ववाहिनी नर्मदा।**	८	...	१
२७२	**बिलगड़ा** शिवमंदिर - धर्मशाला - सदाव्रत । मार्ग में **कौआ डुंगरी**-६ कि.मी.दूर ।	१०	...	१
२७३	**डुप्टा संगम** दुर्वासा की तपोभूमि - संगम स्नान ।	२	**डुप्टा**	...
२७४	**चकदेही** गांव में निवास ।	६	...	...
२७५	**फड़की संगम** साधुकुटी । दो नालों और नर्मदाजी का **त्रिवेणी संगम** ।	१०	...	१
२७६	**सिवनी** साधुकुटी - सदाव्रत ।	२	...	...
२७७	**कुटरई** साधुकुटी - सदाव्रत - अन्नक्षेत्र । विशाल औदुम्बर वृक्ष ।	९	**सलगी**	१
२७८	**फूलवइ** गांव में निवास । जंगल मार्ग ।	३	...	...
२७९	**सारंगपुर** गांव में निवास । जंगल मार्ग ।	५	...	...
२८०	**कछारी घाट** साधुकुटी । जंगल मार्ग ।	५	**जावन्ती**	१
२८१	**टाकिन घाट** साधुकुटी । जंगल मार्ग ।	१३	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२८२	**राखी गांव** गांव में निवास। **खसरा घाट** में राममंदिर ।	६	...	...
२८३	**मालपुर** शिवमंदिर - आश्रम - सदाव्रत । धर्मशाला - अन्नक्षेत्र । जंगल मार्ग ।	५	**कन्हैया**	१
	१. **शृंगारपुर** गांव में निवास ।	६	...	...
	२. **कोरल संगम** हनुमान मंदिर-साधुकुटी-सदाव्रत ।	३	**कोरल**	१
	३. **बनजा टोला** साधुकुटी ।	८	...	...
	४. **शिव घाट** धर्मशाला ।	३	...	१
	५. **धरमपुरा** हनुमान मंदिर - धर्मशाला ।	२	...	...
	६. **आमी** हनुमान मंदिर - धर्मशाला ।	५	...	...
	सड़क मार्ग (मालपुर से)			
२८४	**विक्रमपुर** शिवमंदिर - धर्मशाला -	११	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	शिवानंद कुटी । जंगल मार्ग ।			
२८५	**नूनखान** सड़क पर धर्मशाला – सदाव्रत ।	५	...	...
२८६	**शाहपुर** शिवमंदिर – धर्मशाला – सदाव्रत ।	९	...	१
२८७	**जोगी टेकरिया** राममंदिर – नर्मदामंदिर – सदाव्रत ।	८	...	१

नोंध :- मंडलावाला नर्मदा तटका मार्ग छोडकर जिसे सड़क मार्ग से जाना है।

सड़क मार्ग (रिंछाइसे)

१.देवरी–चौराहा नर्मदामंदिर–धर्मशाला–सदाव्रत ।	६	...	...
२. **मनेरी** हनुमान मंदिर ।	७	...	१
३.**कोहानी** राममंदिर – धर्मशाला ।			
४.**सकरी** नर्मदाकुटी – धर्मशाला ।	४	...	...
५.**माताजी का मंदिर** धर्मशाला ।	१४	...	१
६.**निवास** हनुमान मंदिर –धर्मशाला–सदाव्रत ।	४	...	...

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	७.**खाखीबाबा का आश्रम** आश्रम – सदाव्रत ।	१०	...	१
	८.**बिछिया** राममंदिर–धर्मशाला – सदाव्रत ।	९	...	१
	९. **शाहपुरा** राममंदिर–नर्मदा धर्मशाला । सदाव्रत । मार्ग में बड़ा नाला ।	१९	...	१
	१०.**अमठेड़ा** गांव में निवास – सदाव्रत ।	११	...	१
	११.**आरा** कुटी – सदाव्रत ।	१०	...	१

नोंध :–फिर यहां से विक्रमपुर से जोगी टेकरिया तक आगे बढ़ना है। जोगी टेकरिया से आगे का रास्ता निम्नलिखित है । यहां से अमरकंटक का मार्ग **मुंडा महारण्य** नाम से जाना जाता है । पर्वत – जंगल का मार्ग कठिन है ।

२८८	**देवरा** दुर्गामंदिर – लम्बेनारायण गुफा । धर्मशाला–सदाव्रत । सामने **डिंड़ोरी** ।	३	...	...
२८९	**धुर्रा** गांव में निवास – सदाव्रत ।	४	...	...
२९०	**राम घाट** साधुकुटी – सदाव्रत। छोटी कपिलधारा दर्शनीय । सामने **लक्ष्मणमंड़वा** ।	३	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	अनुपपुर जिला			
२९१	**दूधी घाट** शिवमंदिर- सदाव्रत । १ कि.मी. दूर नर्मदा तटे **शेष घाट** पर अन्नपूर्णा आश्रम - अन्नक्षेत्र ।	७	**कटोरी**	१
२९२	**घुघरी** शिवमंदिर - सदाव्रत ।	३	**कुल्हार**	...
२९३	**टेढ़ी संगम** पुल के नीचे आश्रम - सदाव्रत ।	९	**टेढ़ी**	१
२९४	**कंचनपुर** शिवमंदिर - सदाव्रत ।	९	**कोइन्दी**	१
२९५	**शिवाला घाट** शिवमंदिर - आश्रम - सदाव्रत । पंचवटी - प्रवाह में सोमनाथ ।	२	...	१
२९६	**ठाड़ पाथर** धर्मशाला - सदाव्रत ।	३	....	...
२९७	**शिवनी संगम** त्र्यम्बकेश्वर महादेव - सदाव्रत ।	१०		१
	सड़क मार्ग (शिवाला घाट से)			
२९८	**देवरी** गांव में निवास । संगम स्नान एक कि.मी. दूर ।	९	**देवरी**	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२९९	**दम्हेड़ी** शिवमंदिर-धर्मशाला -सदाव्रत ।	३	...	...
३००	**विलासपुर** गांव में निवास - सदाव्रत ।	११	...	१
३०१	**भीम कुंड़ी** शिवमंदिर - धर्मशाला । **मुंड़ा महारण्य** समाप्त ।	१०	**बाणगंगा**	१

नोंध :- भीमकुंडी से अमरकंटक तक का मार्ग घोर जंगल का है । वन्य पशु का भय है। नर्मदाजी की जलधारा अत्यंत पतली हो जाने से उसको कोइ छोटी नदी या नाला मानकर उल्लंधन हो जाने की संभावना है और परिक्रमा खंडित हो सकती है। इसलिये नर्मदा तट का मार्ग छोडकर उपर का मार्ग लेना अच्छा है । नर्मदा तट नहीं छोडना है तो अत्यंत सावधानी से आगे बढ़ना होगा ।

सड़क मार्ग भीमकुंडी से

३०२	**खाटी** गांव में निवास - सदाव्रत । मार्ग में **करौंदीटोला** गांव से नर्मदा तट पर **बैलघाट**-शिवालय-अनेक बेलवृक्ष।	५	...	१

शहडोल जिला

३०३	**हर्रइ टोला** गांव में निवास - जंगल मार्ग । नीलकंठ	५	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	मंदिर - नर्मदा तट पर शिवमंदिर-आश्रम - सदाव्रत ।			
३०४	**फेरी सेमल** गांव में निवास । जंगल मार्ग ।	५	...	...
३०५	**दमगढ़** शुकदेव आश्रम - सदाव्रत । नर्मदाजी की धारा अति क्षीण । जंगल मार्ग । मार्ग में बाराती नाला ।	५	...	१
३०६	**कपिलधारा** दुर्गामंदिर - कपिल आश्रम । १५० फीट की ऊंचाइ से जल प्रपात । आगे दो धारा - दुर्वासा गुफा । घोर जंगल मार्ग । दर्शनीय स्थान ।	५	...	१
३०७	**रामकृष्ण कुटिर** रामकृष्ण मंदिर - आश्रम ।	४	...	...
३०८	**अमरकंटक** भगवान शिव की तपोभूमि-माँ नर्मदाजी का उद्‌भव स्थान । यहां अनेक मंदिर-आश्रम-सदाव्रत अन्नक्षेत्र हैं । कल्याण सेवाश्रम - मृत्युंजय आश्रम - बरफानी बाबा का आश्रम-राममंदिर-फलाहारी बाबा आश्रम-गुरुद्वारा आदि प्रसिद्ध हैं ।	४	...	२१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तर तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	नर्मदाजी के प्रवाह को बांधकर विशाल सरोवर बनाया है । पक्के घाट पर स्नान कर सकते हैं । **अतिपवित्र क्षेत्र** । **अमानाला** मैं पिप्पलायन सिद्धाश्रम । फलों का विशाल बगीचा । साधु निवास।	४	...	...
३०९	**ज्वालेश्वर** ज्वालेश्वर महादेव - तीर्थ । ज्वाला नदी का उद्‌गम स्थान । साधु निवास । पहाड़ में कोटेश्वर-लोढ़ेश्वर महादेव । जंगल में दुर्गाधारा-शंभुधारा । दर्शनीय स्थान। वन्य पशु का भय है।	८	ज्वाला	...

नोंध:- यह नर्मदाजी का उत्तरतट है। नर्मदाजी का उद्‌गम स्थान नर्मदा कुंड़ दक्षिण तट पर है । अभी वहां जाने से नर्मदा परिक्रमा खंडित हो जायेगी। यहां जाने के लिये दो कि. मी. का जंगल पार कर के प्रथम माइ की बगिया पहुंचना होगा । वहां से नर्मदाजी का दक्षिण तट माना गया है। वहां से आगे बढ़कर नर्मदा कुंड पहुंच सकते हैं ।

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
उत्तरतट समाप्त
।। नर्मदे हर ।।

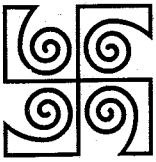

१०. नर्मदा परिक्रमा मार्ग

नर्मदा दक्षिणतट
अमरकंटक
से
रेवा–सागर संगम–कतपोर

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
१	**अमरकंटक** मेकलपर्वत पर स्थित नर्मदा उद्गम स्थान-तीर्थ । घोर जंगल में रमणीय पर्वतीय प्रदेश । दर्शनीय स्थान । सागर से रु ३५०० फीट ऊंचाई ।	...	...	२१
२	**माई की बगिया** माई की बगिया । पवित्र क्षेत्र । नर्मदाकुंड में मां की पूजा होती है और बालटी से जल निकाल कर स्नान किया जाता है । यहां तुरीय आश्रम (मार्कण्डेय आश्रम - ओमकारेश्वर), कैलास आश्रम -नर्मदा मन्दिर आदि हैं। अत्यंत रमणीय प्राकृतिक स्थान । घोर जंगल । **चातुर्मास** ।	२	...	१
३	**सोनमूढ़ा** शोण नदी का उद्गम स्थान । शौनक मुनि की तपोभूमि । ३६५ फीट ऊंचा जल प्रपात । अदभुत प्राकृतिक सौन्दर्य-भूमि-घोर जंगल । बलकेश्वर आश्रम । आगे श्रीयंत्र महामेरुप्रासाद- आश्रम -सदाव्रत । दर्शनीय ।	...		...
४	**नर्मदा कुंड़** नर्मदा मैया की प्रागट्य भूमि । विशाल	१		१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	कुंड है । बाहर गोमुख से जलधारा प्रवाहित होती है । जहां बने विशाल-कुंड़ में यात्रीगण स्नान करते हैं । नर्मदा कुंड़ में स्नान वर्ज्य है । मार्जन-आचमन कर सकते हैं । यहां मुख्य मन्दिर में नर्मदा मन्दिर और सामने अमरकंटकेश्वर महादेव है। मार्कंडेय आश्रम (गुजराती) -दत्तमन्दिर-रंग महल में बदरि नारायण-कर्णमठ-पातालेश्वर महादेव-सूर्य कुंड़ - इन्द्र दमन सरोवर-गीता स्वाध्याय आश्रम आदि अनेक मन्दिर और स्थान हैं ।			
	छत्तीसगढ जिला			
५	महाकाली मन्दिर-चमन गुफा । कपिला संगम-तीर्थ। यहां चक्र तीर्थ-रुद्रावर्त तीर्थ हैं ।	...	**कपिला विशल्या**	

नोंध : कपिलासंगम से आगे का नर्मदातट का मार्ग कपिलधारा होकर घोर जंगल से जाता है । अत्यंत विकट मार्ग १५ कि.मी. तक है । वन्य पशु का भय है । नर्मदाजी की धारा अत्यंत पतली होने से सावधानी से चलना होगा । छोटी नदी या नाला समझकर उल्लंघन हो गया तो परिक्रमा खंड़ित हो जायेगी। दूसरा **सड़क मार्ग** सुरक्षित है जो आगे बताया जायेगा ।

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	डिंड़ोरी जिला **नदी तट का मार्ग** **कपिलधारा से**			
६	**पकरी सोंढ़ा** गाढ़ शालवन-घोर जंगल का मार्ग- स्कूल में निवास ।	१५	...	१
७	**बेल घाट** स्कूल में निवास ।	६	...	...
८	**किरंगी** हनुमान मन्दिर ।	२		...
९	**भीमकुंड़-पंचधारा** गांव में निवास ।	९		...
१०	**सिवनी संगम** शिवमन्दिर-धर्मशाला । पास में **गोरखपुर** । मार्ग में बरनाइ-२, बजरंग टोला-४, रहेंगी-६, लालखाटी -३ गांव हैं ।	१५	**सिवनी**	१
११	**पथ्थर कुचा** गांव में निवास । मार्ग में बजरंग टोला-२, तुलसी घाट-३ गांव हैं ।	८	...	१
१२	**करबे मट्ठा** देवी स्थान । टेकरा पर अनेक त्रिशूल हैं।	७	...	...
१३	**मजियाखार** साधुकुटी । मार्ग में **लिखनी गांव** ।	५	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
१४	**चंदन घाट** नर्मदामन्दिर - धर्मशाला । सामने **टेढ़ी संगम** ।	५	**चकरार**	१
१५	**चरकुटिया** । गांव में निवास । मार्ग में कानडिया-५, दूधिया-२ गांव हैं ।	१०	**गोमली**	१
१६	**लछमन मंड़वा** शिवमन्दिर - नर्मदामन्दिर । धर्मशाला-अन्नक्षेत्र । सामने **रामघाट-छोटी कपिलधारा** ।	११	...	१
१७	**डिंड़ोरी** नर्मदा मन्दिर-शिवमन्दिर । धर्मशाला-सदाव्रत-अन्नक्षेत्र । **चातुर्मास** ।	९	...	१
१८	**इमलय** साधुकुटि ।	१०	...	१
१९	**रामपुरी** लालजी मन्दिर ।	६	...	१
२०	**कचरा टौला** खरमेर संगम पर साधुकुटि ।	६	**खरमेर**	१
२१	**कनइ संगम** मन्दिर में मुकाम । मार्ग में चरवाटी घाट । सामने **मालपुर** ।		**कन्हैया**	

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२२	**सकरी टोला** गांव में निवास ।			
२३	**छीरपानी** गांव में निवास ।			
२४	**कन्हारी** गांव में निवास ।			
२५	**सारसडोली** नर्मदा ५ कि.मी. दूर **सलैया घाट** – रमणीय स्थान ।			
२६	**ठैला घाट** सौन्दर्यभूमि । गांव में निवास । मार्ग में **मेंहदवानी** ।			
२७	**बिसवानी** गांव में निवास ।			
२८	**डोकर घाट** गांव में निवास ।			
२९	**मुंड़ी गांव - शक्ति घाट** गांव में निवास ।			
३०	**देव गांव** जमदग्नीश्वर – पातालेश्वर – तीर्थ । सिद्ध भूमि–संगमस्थान । धर्मशाला । मार्ग में गोरखपुर–सिंगापुर ।		**बूढ़नेर**	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	डिंड़ोरी जिला सड़क मार्ग (कपिलधारा से)			
	१. **कबीर चौतरा ।** कबीर मन्दिर–आश्रम–सदाव्रत ।	४	...	१
	२. **कर मंडल** नदी तटे कुटि । सिद्धस्थान । संत गजानन शेगांवकर पादुका स्थान । नर्मदाजी ४ कि. मी. दूर ।	८	करगंगा	१
	३.**करंजिया** सिद्धबाबा कुटी–राम सेवाश्रम । सदाव्रत । नर्मदाजी ६ कि. मी. दूर ।	४	कण्वा	...
	४. **अमल डेही** हनुमान मन्दिर । नर्मदाजी ७ कि.मी. दूर ।	५	तुड़ार	१
	५.**रुषा** नर्मदा मन्दिर – आश्रम । नर्मदाजी ३ कि. मी. दूर ।	८	...	१
	६. **गोरखपुर** गोरखनाथ मन्दिर–शिवमन्दिर । शान्तिकुटीर–अन्नक्षेत्र । नर्मदाजी ४ कि.मी. दूर ।	६	सेवनी	...

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	७. **मोहतरा** गांव में निवास-सदाव्रत ।	९	...	१
	८. **गाडा सराय** हनुमान मन्दिर-शिवमन्दिर। धर्मशाला। नर्मदाजी ६ कि.मी. दूर ।	७	**चिड़कार**	१
	९. **बोंदर गांव** हनुमान मन्दिर - दुर्गा मन्दिर । नर्मदाजी ७ कि.मी. दूर ।	७	...	१
	१०. **सुनियामार** गांव में निवास - सदाव्रत ।	२	...	...
	११. **खरगोन** गांव में निवास ।	५	...	...
	१२. **कुंड़ा** शिवमन्दिर ।	३	**गोमती**	...
	१३. **कुकरा मठ** ऋणमुक्तेश्वर महादेव -आश्रम- सदाव्रत-रमणीय स्थान ।	३	**मचरार**	१
	१४. **बिंछिया रोड** हनुमान मन्दिर - सदाव्रत-अन्नक्षेत्र । मार्ग में शारदा मन्दिर । नर्मदाजी ३ कि.मी. दूर । किनारे **लछमन मंडवा**।	६	**कोतराल**	...
	१५. **डिंड़ोरी** नर्मदा मन्दिर-शिव मन्दिर । नर्मदा तटे धर्मशाला - अन्नक्षेत्र । **चातुर्मास** ।	७	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	१६. **रामपुरी** नर्मदा में सूर्य कुंड़ । नर्मदाजी २ कि.मी. दूर ।	९	...	१
	१७. **सक्का** यहां पास में **देवनाला** दर्शनीय स्थान । ६० फीट का जलप्रपात और विशाल गुफा । साधुकुटी । नर्मदाजी १० कि.मी.दूर ।	५	**देवनाला**	...
	१८. **राइ गांव** सिद्धस्थान । राइ की घाटी का मार्ग ।	६	...	...
	१९.**हर्रा टोला** गांव में निवास ।	९	**मंदाकिनी**	१
	२०. **गीधलौंड़ी** हनुमान मन्दिर-आश्रम । वेणुवन का मार्ग । नर्मदाजी १० कि.मी. दूर ।	६	...	...
	मंडला जिला			
	२१. **चावी** हनुमान मन्दिर - दुर्गा मन्दिर । आश्रम - धर्मशाला - सदाव्रत । गोमुख स्थान। नर्मदाजी १० कि.मी.दूर।	६	...	१
	२२. **खाल्हे दिठौरी** गांव में निवास । आगे गुप्तगंगा ।	६	...	...

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	२३. **मोह गांव** शिवानंद कुटिर-सदाव्रत ।	८	**बुढ़नेर**	१
	२४. **देव गांव** जमदग्नीश्वर – पातालेश्वर महादेव-तीर्थ । सिद्धभूमि – संगम स्नान । धर्मशाला – सदाव्रत । रमणीय स्थान । **नर्मदा तट**।	१५	**बुढ़नेर**	२
नोंध : नदी तट का मार्ग कपिलधारा से देवगांव तक पीछे दिखाया है जो यहां मिल जाता है । सड़क मार्ग पूरा हुआ ।				
३१	**बिल गांव** शिव मन्दिर – हनुमान मंदिर ।	५	...	...
३२	**रामनगर** राममन्दिर – शिवमन्दिर । गौंडराजा का प्राचीन महल ।	९	...	१
३३	**मधुपुरी - घोड़ा घाट** मार्कंडेश्वर महादेव-हनुमानमन्दिर – नर्मदामन्दिर । सदाव्रत । अश्व प्रतिमा । नर्मदाजी में योगिनी गुफा ।	९	...	१
३४	**सुकतरा** मंडला रोड पर राधाकृष्ण मन्दिर । सड़क मार्ग ।	४	...	१
३५	**सीता रपटन** वाल्मीकि आश्रम-रपटन शिला । दुर्गा मन्दिर । **बगली** गांव ।	६	**सुरपन**	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
३६	**नारा** गांव में निवास ।	४	...	...
३७	**पद्मी चौराहा** नर्मदा मन्दिर - सदाव्रत ।	५	...	...
३८	**सूरज कुंड़** हनुमान मन्दिर - प्रातः, मध्याह्न, सायम् त्रिविधरूप में दर्शन । व्रजानंद आश्रम-सदाव्रत । नर्मदाजी में सूर्य कुंड़।	४	...	१
३९	**महाराजपुर** राममन्दिर - अन्नक्षेत्र । कृष्ण मन्दिर- नर्मदा मन्दिर । संत धनीरामजी बाबा का समाधि मन्दिर । धर्मशाला - नर्मदा तटे शिवालय-कुटि । **चातुर्मास** । सामने **मंड़ला** ।	३	**बंजर**	१
४०	**सहस्र धारा** हनुमान मन्दिर - धर्मशाला । टेकरा पर उमादेवी आश्रम - अन्नक्षेत्र । रमणीय स्थान ।	८	**गधैया**	१
४१	**घाघा** मुनिबाई का आश्रम - शिवमन्दिर अन्नक्षेत्र ।	१० १३	... ...	१ १

नोंध : आगे बरगीडेम होने से नदी तट का मार्ग नहीं है । निम्नलिखित मार्ग से आगे बढ़ना है ।

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	सिवनी जिला			
४३	**पाटन** गणेश मन्दिर – धर्मशाला ।	१०	...	१
४४	**केदारपुर** दुर्गा मन्दिर – धर्मशाला – सदाव्रत ।	६	...	...
४५	**गोकला** गांव में निवास । जंगल मार्ग ।	१०	...	१
४६	**पहाड़ी** गांव में निवास । जंगल मार्ग ।	७	...	...
४७	**घंसौर** राम मन्दिर – धर्मशाला – सदाव्रत । दुर्गा मन्दिर । जंगल मार्ग ।	७	...	१
४८	**गोरखपुर** राम मन्दिर – सदाव्रत । राम कुंड़ी ।	९	...	१
४९	**देवरी** ॐ श्री माता नर्मदा परिक्रमा आश्रम –सदाव्रत । विशाल सरोवर ।			
५०	**सालीबाड़ा** हनुमान मन्दिर – सदाव्रत ।	१०	...	१
	जबलपुर जिला			
५१	**गागनदा** गांव में निवास – सदाव्रत । नर्मदा स्नान । जंगल मार्ग ।	४	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
५२	**बरगी कोलोनी** नन्दिकेश्वर महादेव का नूतन मन्दिर दर्शनीय । गांव में गणेश मन्दिर - सदाव्रत - अन्नक्षेत्र । अवन्तीबाई सागर - ४२२ फीट ऊंचा बांध । नर्मदा तटे साधुकुटि - अन्नक्षेत्र । रमणीय स्थान। **चातुर्मास** ।	३	...	१
५३	**निगरी** हनुमान मन्दिर - महाबलेश्वर धाम - सदाव्रत ।	१२	**टेमर**	१

नोंध : नेशनल हाइवे-७ है । आगे सिद्धनाथ - ८ और तिलवारा-६ पहुंच सकते हैं । नर्मदाजी-३ कि.मी.दूर । मानगांव से ग्वारी घाट - नर्मदा तट जा सकते हैं ।

५४	**मान गांव** धर्मशाला - सदाव्रत ।	४	...	...
५५	**ग्वारि घाट** (गौरीघाट) गुरुद्वारा - सदाव्रत - अन्नक्षेत्र ।	३	...	१
५६	**तिलवारा घाट** पक्का घाट - निवास ।	५	...	..
५७	**घनसौर** पुल के पास नर्मदा मन्दिर । धर्मशाला ।	४	...	१
६८	**त्रिशूल घाट** टेकरा पर मृगवन - त्रिशूलभेद - वराह भगवान - तीर्थ । आश्रम-	४	...	३

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	धर्मशाला – अन्नक्षेत्र । देवगंगा नाला ।			
६९	**लम्हेटा घाट** पिप्पलेश्वर – इन्द्रेश्वर–कुम्भेश्वर – शनिकुंड – तीर्थ । आश्रम–सदाव्रत । **उत्तरवाहिनी नर्मदा ।**	२	...	४
६०	**डुंड़वारा** गांव में निवास । सदाव्रत । माताजी – रामजी – हनुमान मन्दिर ।	२	...	...
६१	**धूआंधार** नर्मदाजी का प्रसिद्ध जल प्रपात । दर्शनीय स्थान । विशाल प्रवाह की धारा अेकदम नीचे गिरती है इससे जलसिकर उड़ते हैं वह धूआं जैसा लगता है । यहां उड़न खटोला लगाया गया है ।	१	...	...
६२	**भेड़ा घाट** नर्मदा मन्दिर – **गुवारी** गांव में धर्मशाला । संगमरमर की घाटी में नर्मदा दर्शनीय । **पूर्व वाहिनी नर्मदा।**	३	...	१
६३	**बगरई** गांव में निवास । धर्मशाला । **झरियानाला** के पास सिद्धकुटी ।	८	...	...

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
६४	**राम घाट - राम कुंड़** संगम स्थले साधुकुटी । गुजराती आश्रम । **घुघरा** गांव ।	२	**देवगंगा**	१
६५	**धरतीकछार** शिवमन्दिर – धर्मशाला – सदाव्रत ।	७	...	...
६६	**भीकमपुर** संगमेश्वर महादेव – धर्मशाला – सदाव्रत । विरक्त आश्रम ।	१०	**सिनियर**	१
६७	**झांसी घाट** पुल के पास हनुमान मन्दिर–साधुकुटी ।	३	...	...
६८	**बैल खेड़ी** किनारे शिव मन्दिर – कुटी ।	३	...	...
६९	**करैली** किनारे शिव मन्दिर – कुटी । गांव में धर्मशाला ।	४	...	...
	नरसिंहपुर जिला			
७१	**ब्रह्म कुंड़** ब्रह्माजी की तपोभूमि–तीर्थ । राम मन्दिर–शिव मन्दिर । धर्मशाला – सदाव्रत । रमणीय स्थान मार्ग में **जमोनिया** गांव में धर्मशाला–सदाव्रत ।	४	...	१
७२	**सिद्धेश्वर** साधुकुटी – रमणीय स्थान ।	१	...	...

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
७३	**बुध घाट** बुध ग्रह की तपोभूमि-बुधेश्वर महादेव-तीर्थ ।	३	...	१
७४	**सांकल** आद्य शंकराचार्य की दीक्षाभूमि । नर्मदामन्दिर - धर्मशाला-सदाव्रत ।	३	...	...
७५	**पिपरिया** जबरेश्वर महादेव । विशाल शिवलिंग दर्शनीय । धर्मशाला -सदाव्रत ।	१०	...	१
७६	**गरारु घाट** गरुडेश्वर महादेव - राममन्दिर । धर्मशाला - सदाव्रत ।	६	...	...
७७	**चीन की घाट** किनारे शिवमन्दिर-कुटी । गांव में राधाकृष्ण मन्दिर-सदाव्रत । मार्ग में **समनापुर** में आश्रम-सदाव्रत ।	५	...	१
७८	**पिपरहा** छोटी धूआंधार । रमणीय स्थान । **पूर्ववाहिनी नर्मदा** ।	६	...	
७९	**सगुन घाट-शेरसंगम** टेकरा पर साधुकुटी-पंचगंगा संगम । पीछे **रतिकरार** गांव ।	३	शेर	१
८०	**सप्तधारा** नर्मदा मन्दिर-शिवमन्दिर -धर्मशाला ।	६	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
८१	**छोटी बरमान घाट (ब्रह्माण घाट)** चंन्द्रमौलीश्वर – शारदा मन्दिर । संस्कृत पाठशाला – धर्मशाला – सदाव्रत । रमणीय स्थान । **चातुर्मास** ।	२	...	३
८२	**अंडिया घाट** राम मन्दिर – सदाव्रत ।	८	...	...
८३	**लिंगा घाट** नर्मदा मन्दिर–सदाव्रत । संगम स्नान।	२	**सुखचैन**	१
८४	**पीठोरा घाट** किनारे हनुमान मन्दिर । गांव में राममन्दिर – सदाव्रत ।	५	...	...
८५	**कोठिया घाट** हनुमान मन्दिर – आश्रम – सदाव्रत ।	२	**शांकरी गंगा**	१
८६	**बिछुआ घाट** शिव मन्दिर – हनुमानजी । साधुकुटी गांव में सदाव्रत ।	५	...	...
८७	**थरैरी** शिवमन्दिर – धर्मशाला–सदाव्रत ।	३	**लेहरा या अेरंडी**	...
८८	**भटेरा** राममन्दिर – धर्मशाला–सदाव्रत ।			
८९	**रींछावर** नर्मदा मन्दिर–शिवमन्दिर । धर्मशाला–	५	...	...

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	सदाव्रत । पास में नीलकुंड । मार्ग में **काजु नगर** में जलाराम आश्रम ।			
९०	**शोकलपुर** शिवमन्दिर – धर्मशाला – सदाव्रत । संगम स्नान । सामने **पतय घाट** ।	३	**शक्कर**	...
९१	**उसराय** संगम स्नान के बाद गांव में सदाव्रत । ज्योतिदर्शन आश्रम ।	३	शेरा	१
९२	**सोनादहार - पिपरपानी** भूमानंद अवधूत आश्रम – सदाव्रत– अन्नक्षेत्र । नर्मदा मन्दिर – हनुमान मन्दिर । प्रवाह में सुवर्णमन्दिर । सिद्धभूमि । रमणीय स्थान । **चातुर्मास।**	५	...	१
९३	**खरैटी** गांव में निवास – सदाव्रत ।	५	...	१
९४	**डेमावर** प्राचीन मठ – धर्मशाला – सदाव्रत ।	६	...	१
९५	**सिरसिरी घाट - दूधी संगम** नागेश्वर महादेव – आश्रम । संगम बाद सीताराम आश्रम – हनुमानजी – अन्नक्षेत्र ।	५	दूधी	१
	होसंगाबाद जिला			
९६	**खैरा** नर्मदामन्दिर – संस्कृत पाठशाला– सदाव्रत ।	३	...	...

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
९७	**सांडिया** शांडिल्य ऋषि की तपोभूमि । शांडिल्येश्वर महादेव-धर्मशाला-सदाव्रत। **राम घाट** पर सीताराम आश्रम-सदाव्रत	८	**अंजनी**	१
९८	**सिवनी** नर्मदामन्दिर । त्यागीजी का आश्रम - अन्नक्षेत्र । पुल के पास गिरनारी आश्रम।	३	...	...
९९	**माछा** राधाकृष्ण मन्दिर-धर्मशाला-सदाव्रत । यहां संगम स्थले राजा रन्तिदेव ने यज्ञ किया था । रमणीय स्थान ।	६	**कुब्जा**	१
१००	**भट गांव** राममन्दिर - धर्मशाला - सदाव्रत । मार्ग में **भानपोर** - सदाव्रत ।	८	...	...
१०१	**रेवा वनखेड़ी** ऋणमुक्तेश्वर महादेव-राममन्दिर - धर्मशाला-सदाव्रत । नाथ साधु कुटि । मार्ग में **रेवा-मोहरी** में आश्रम-सदाव्रत ।	९	...	१
१०२	**इसरपुर** सद्गुरु मन्दिर - सदाव्रत ।	४	**रायन**	...
१०३	**पामली** राम मन्दिर - धर्मशाला-सदाव्रत ।	३	**पलकमती**	...
१०४	**रामनगर-पांडुद्वीप** राधाकृष्ण मन्दिर-पांडवेश्वर महादेव-	१	**मारु**	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	नर्मदा मन्दिर-आश्रम-धर्मशाला-सदाव्रत । पांडवों के यज्ञ की भस्म ।			
१०५	**सांगाखेड़ा खुर्द** राधाकृष्ण मन्दिर-शिवकुटि-सदाव्रत।	७	...	...
१०६	**बछवाड़ा** राममन्दिर - सदाव्रत । नर्मदाजी २ कि.मी. दूर ।	९	...	१
१०७	**गनेरा** नर्मदा मन्दिर - हनुमानजी । समुदाय भवन में निवास-सदाव्रत । नर्मदा १० कि. मी. दूर ।	८	...	१
१०८	**गौ घाट** वृद्ध रेवा कुंड़-राममन्दिर । आश्रम - सदाव्रत । १३ योगिनियां और ३ सिद्धों का वास । रमणीय स्थान । पहले यहां नर्मदाजी का प्रवाह था । अब २ कि.मी. दूर है ।	४	...	१
१०९	**बीकौर** राधाकृष्ण मन्दिर - राममन्दिर । सदाव्रत । नर्मदाजी ६ कि. मी. दूर ।	७	...	...
११०	**सूर्य कुंड़** नर्मदामन्दिर - धर्मशाला - सदाव्रत ।	६	...	...

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	प्रवाह में सूर्य कुंड़-तीर्थ । अश्मिभूत हड्डी । **उत्तरवाहिनी नर्मदा** ।			
१११	**सांगाखेडा** धर्मशाला - सदाव्रत ।	१०	**तवा**	१
११२	**बांद्राभान** नर्मदामन्दिर - धर्मशाला - सदाव्रत । वानरेश्वर महादेव - वानर-भालु तीर्थ । रमणीय स्थान - **चातुर्मास** ।	४		
११३	**घानाबड़** संत रामदास बाबा की जीवंत समाधि । दादा धूनीवाला का स्थान ।	२	...	...
११४	**होसंगाबाद (नर्मदापुर)** म.प्र.का. प्रसिद्ध नगर । विशाल सेठानी घाट । नर्मदा मन्दिर-गायत्री मन्दिर - बांकेबिहारी मन्दिर में सदाव्रत । धर्मशाला । घाट पर नर्मदा सत्संग भवन से नर्मदा पुराण-नर्मदा प्रदक्षिणा - नर्मदा कल्पवल्ली पुस्तक प्रकाशित हुअे हैं । **चातुर्मास** । आगे टेम्बेस्वामी का दत्तमंदिर ।	६	...	३
११५	**रंढ़ाल** राममन्दिर - सदाव्रत । यहां से १	९	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	कि.मी. दूर बडुआर आश्रम - राममन्दिर - सदाव्रत ।			
११६	**कोकसर** नर्मदा मन्दिर । सदाव्रत। रेवा खंड़ के प्रसिद्ध परिक्रमावासी संत गौरीशंकर महाराज का जीवंत समाधि मन्दिर ।	९	**केवलारी**	१
११७	**टिघरिया** गोकर्णेश्वर महादेव - सदाव्रत ।	३	...	...
११८	**कुलेरा (कुन्तीपुर)** गांव में निवास - सदाव्रत ।	६	**हत्याहरण**	...
११९	**आंवरी घाट** लक्ष्मीकुंड - प्रवाह में सुवर्ण मन्दिर। सिद्धभूमि । दादा दरबार - संत दुर्गानन्दजी की समाधि -धर्मशाला- सदाव्रत - अन्नक्षेत्र । **चातुर्मास** ।	२	...	१
१२०	**गुवाड़ी** चतुर्मुख महादेव - सदाव्रत ।	२	**इन्द्रावती या ईन्धना**	
१२१	**पथोड़ा** राममन्दिर - सदाव्रत । मार्ग में **घोघरा** गांव - नर्मदा मन्दिर ।	११	...	१
१२२	**बाबरी** नर्मदामन्दिर - पंचमुखी हनुमान । धर्मशाला - सदाव्रत ।	४	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
१२३	**चांदला कुटी - चांद गढ़** गणेश मन्दिर - नर्मदा मन्दिर । धर्मशाला - अन्नक्षेत्र - आश्रम ।	६	...	१
१२४	**भीलाड़िया** नर्मदा सत्संग आश्रम । (कैलास आश्रम-ऋषिकेश का स्थान) धर्मशाला-अन्नक्षेत्र । **चातुर्मास** ।	४	...	१
	हरदा जिला			
१२५	**हमीदपुर** गांव में निवास । सदाव्रत । **उत्तरवाहिनी नर्मदा** ।	४	...	...
१२६	**गोदा गांव** गंजालेश्वर महादेव - नर्मदामन्दिर । धर्मशाला-सदाव्रत-रमणीय स्थान ।	८	**गंजाल**	१
१२७	**गंगेसरी मठ** श्याम स्वरूप दत्तमन्दिर । मठ-धर्मशाला-सदाव्रत । गंजाल-गोमती-नर्मदा का **त्रिवेणी संगम** ।	१	**गोमती**	१
१२८	**छोटी छीपानेर** राममन्दिर - कृष्णमंदिर-नर्मदामन्दिर । धर्मशाला-सदाव्रत ।	४	...	...
१२९	**चिचोड़ कुटि** हनुमान मंदिर-आश्रम-सदाव्रत ।	३	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	संत बजरंगदास-तिलक महाराज का स्मृति स्थान । रमणीय स्थान । **चातुर्मास** ।			
१३०	**गोयद घाट** देव घाट पर राममन्दिर-सदाव्रत । १ कि.मी. दूर मढ़ी । शंभु-सांइ आश्रम - अन्नक्षेत्र । शिव मन्दिर ।	३	...	१
१३१	**भमौरी कुटी** बजरंग मढ़ी । हनुमान मन्दिर । धर्मशाला - अन्नक्षेत्र ।	९	...	१
१३२	**हंड़िया** ऋद्धिनाथ महादेव-तीर्थ । वसुन्धरा सेवा आश्रम - नर्मदामन्दिर - धर्मशाला - सदाव्रत । पुल के पार विवेकाश्रम - राधाकृष्ण मन्दिर । **चातुर्मास** । सामने **नेमावर** ।	४	...	१

नोंध: आगे पुनासा बांध है । सरोवरका पानी भर जानेसे किनाराका मार्ग बंध हो गया । यहां से सड़क मार्गसे जाना है।

सड़क मार्ग (हंड़िया से)

१३३	**मांगरोल** हनुमान मन्दिर - सदाव्रत ।	६	...	...
१३४	**राता तलाई** शिवमन्दिर - धर्मशाला - सदाव्रत ।	६	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
१३५	**पाचा तलाई-बिचौरा** हनुमान मन्दिर – सदाव्रत ।	७	**अजनाल**	...
१३६	**सोन तलाई** राममन्दिर । गांव में निवास ।	४	...	...
१३७	**बावर** हनुमान मन्दिर – कपिलेश्वर महादेव । आश्रम – अन्नक्षेत्र ।	५	...	१
१३८	**बमन गांव** गांव में निवास ।	८	**माचक**	१
१३९	**खिरकिया** राममन्दिर–हनुमानजी । नृसिंह मन्दिर । सदाव्रत । मार्ग में पानघाट – चौकडी गांव ।	१०	...	१
१४०	**पोखरनी** हनुमान मन्दिर ।	३	...	...
	खंड़वा जिला			
१४१	**धनोरा** हनुमान मन्दिर ।	५	...	...
१४२	**दगड़ खेड़ी** हनुमान मन्दिर ।	८	...	...
१४३	**धीरु खेड़ी** हनुमान मन्दिर । सदाव्रत । मार्ग में **बोथिया खुर्द** ।	८	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
१४४	**छनेरा (नया हरसुद)** राममन्दिर - हनुमानजी । सरस्वती कुंड । संत बुखारदास परमहंस आश्रम-सदाव्रत । मार्ग में **बगल खेड़ा** ।	१३	...	१
१४५	**चारु खेड़ा** राममन्दिर । संत सिंगाजी के गुरु संत मनरंगगिरिजी का समाधि स्थान। आश्रम - सदाव्रत ।	६	तवा	१
१४६	**मांडला** हनुमान मन्दिर - शिवमन्दिर - राम मन्दिर-पर्णकुटी । आश्रम-अन्नक्षेत्र । मार्ग में **सेल्दा** गांव ।	११	...	१
नोंध : यहां से संत सिंगाजी महाराज जलसमाधि स्थल (पुनर्निर्मित) के दर्शन हेतु मार्ग इस प्रकार है । मांडला से ओम गांव-८, सिंगाजी-५ । मुन्दी-५ ।				
१४७	**गोराड़िया** हनुमान मन्दिर । मार्ग में **भेंसावा** ।	५	...	...
१४८	**मुन्दी** दुर्गा मन्दिर - सदाव्रत-धर्मशाला । मार्ग में **मोहद** ।	८	...	...
१४९	**जलवां बुजुर्ग** । हनुमान मन्दिर - चबूतरा । मार्गमें कैनुद (केतुल), भमौरी ।	१२	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
१५०	**देवला** राममन्दिर - हनुमानजी ।	५	...	...
१५१	**अटूद खास** राममन्दिर - सदाव्रत ।	१२	**कावेरी-अमाक संगम**	१
१५२	**सूल गांव** हथियाबाबा आश्रम- गणेश मन्दिर - सदाव्रत । मार्ग में बाखर गांव-करौली ।	१२	...	१
१५३	**अंजरुद** दुर्गामन्दिर - वाघेश्वरी माता । मार्ग में गुजली-६, खगवाड़ा-२ ।	१२	...	१
१५४	**कोठी** ओम नम: शिवाय मिशन - रामरोटी आश्रम - शिवमन्दिर - अन्नक्षेत्र । मार्ग में **घावड़िया** ।			
१५५	**ओमकारेश्वर** ममलेश्वर महादेव-ज्योतिर्लिंग । विष्णुपुरी के पीछे से काशी विश्वनाथ के पास से नगरप्रवेश । गौमुख की धारा का उल्लंघन न करें । मार्कंडेय संन्यासाश्रम - अन्नक्षेत्र । अन्नपूर्णा आश्रम -अन्नक्षेत्र । अनेक आश्रम - मन्दिर - धर्मशाला - सदाव्रत । सामने द्वीप में ओमकारेश्वर महादेव-	५	**कावेरी**	७

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	ज्योर्तिलिंग **शिवपुरी** । मान्धाता क्षेत्र। नागर घाट । **अतिपवित्र क्षेत्र** । **चातुर्मास** ।			
१५६	**मोरटक्का** राजराजेश्वर महादेव–गोपाल मन्दिर – धर्मशाला । खेड़ी घाट के पुल के पास जबरेश्वर महादेव – साधुकुटी । मार्ग में **शिव कोठी** ।	१२	...	१
१५७	**परमहंस आश्रम** शिवमन्दिर – राममन्दिर – धर्मशाला । सदाव्रत । पू. श्री रंग अवधूत पादुका मन्दिर । (पू. श्रीने मां रुक्माम्बा की उत्तर क्रिया यहां की थी ।) दिगंबर स्वामी चन्द्रशेखरानंदजी की तपोभूमि – गुफा । सामने **नावघाट खेड़ी (बड़वाह)**	१	...	१
१५८	**बड़ीआली (आली बुझुर्ग)** नर्मदा मन्दिर–धर्मशाला – सदाव्रत । गौघाट आश्रम । बाबा गरीबदासजी का समाधि स्थान ।	४	...	१
१५९	**टोकसर** राममन्दिर – शिवमन्दिर –धर्मशाला – सदाव्रत ।	४	...	...
१६०	**गौमुख घाट** गौतमेश्वर महादेव – धर्मशाला । साधुकुटी – रमणीय स्थान ।	१	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
१६१	**कांकरिया** नर्मदामन्दिर - धर्मशाला । प्रवाह में गंगेश्वर महादेव ।	४	...	...
१६२	**रावेर खेड़ी** स्कूल में निवास । बाजीराव पेश्वा की देहत्याग भूमि-स्मारक । अैतिहासिक क्षेत्र ।	६	खड़क	...
१६३	**बकावां** नर्मदा मन्दिर - शिव मन्दिर-धर्मशाला - सदाव्रत । सीताराम धाम-अन्नक्षेत्र । यहां शिवलिंग निर्माण होता है । अेक रू.से लेकर अेक लाख रू. तक के विविध शिवलिंग मिलते हैं ।	४	...	१
१६४	**मर्दाना** मयूरध्वज - तीर्थ । राम मन्दिर - लक्ष्मीनारायण मन्दिर ।	३	...	१
१६५	**भट्याण (तेली)** हनुमान मन्दिर । सियाराम स्थान । धर्मशाला - सदाव्रत । राममन्दिर - अन्नक्षेत्र ।	८	...	१
१६६	**गोधारी घाट (सात पिपली)** बिल्वकेश्वर महादेव । सोम तीर्थ - सारस्वत तीर्थ । साधुकुटी - सदाव्रत ।	१	...	२

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
१६७	**लेपा घाट** किनारे लालबाबा आश्रम - सदाव्रत । गांव में राममन्दिर ।	१०	...	१
१६८	**वेदा संगम** वेदवेदेश्वर महादेव । सारस्वत-मर्कटी - तीर्थ । धर्मशाला - सदाव्रत ।	३	**वेदा**	३
नोंध : यहां नर्मदाजी पर महेश्वर बांध का निर्माण हो रहा है । बांध पूरा होने पर रावेर खेड़ी से लेपा घाट तक के गांव-तीर्थ जलमग्न हो जायेंगे ।				
१६९	**बड़ गांव** मांडव्य आश्रम-प्राचीनगुफा । धर्मशाला । पास में विशोकेश्वर महादेव तीर्थ । मार्ग में **मांकड खेड़ा** में बजरंग कुटी के बाद अमरेश्वर तपोभूमि - अमरेश्वर महादेव । सदाव्रत । **चातुर्मास** ।	६	...	...
१७०	**शालिवाहन** शालिवाहनेश्वर महादेव - धर्मशाला - अन्नक्षेत्र ।	१	...	१
१७१	**नावड़ा टोड़ी** राममन्दिर । सुवर्णद्वीप-तीर्थ । सामने **महेश्वर** ।	२	...	१
१७२	**सहस्र धारा** साधुकुटि - रमणीय स्थान । मार्ग में	३	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	बल गांव में मौनी बाबा का आश्रम - भूतेश्वर महादेव ।			
१७३	**ढाल खेड़ा** अन्नपूर्णा मन्दिर - शारदेश्वर महादेव । ब्रह्मचर्याश्रम । धर्मशाला - सदाव्रत ।	४	...	...
१७४	**खल घाट** साटकेश्वर महादेव - धर्मशाला - सदाव्रत । नये पुल के पास बालाजी संकटमोचन हनुमान - धर्मशाला- अन्नक्षेत्र । (मार्कंडेय संन्यासाश्रम का स्थान) रमणीय स्थान - **चातुर्मास** ।	५	**साटक**	१
१७५	**चींचली** हनुमान मन्दिर-धर्मशाला ।		**बर्खड़**	...
१७६	**कठोरा (ग्यारह लिंगी)** धर्मशाला - सदाव्रत । अेक कि.मी. बाद नर्मदा तटे अेकादश शिवलिंग ।	५	...	...
१७७	**नर्मदे हर बाबा आश्रम** धर्मशाला - सदाव्रत - अन्नक्षेत्र ।	१	...	१
	बड़वानी जिला			
१७८	**नन्द गांव** शिव मन्दिर । संगम स्थान ।	४	**बुराड़**	...
१७९	**ब्राह्मण गांव** ब्रह्मावर्त - पत्रेश्वर महादेव-तीर्थ । राममन्दिर-शूलेश्वर महादेव-धर्मशाला ।	२	...	२

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
१८०	**मारु की चींचली** कृष्णमन्दिर – शिवमन्दिर – धर्मशाला – सदाव्रत । मार्ग में **विश्वनाथ खेड़ा** ।	६	...	१
१८१	**नलवाई** नर्मदा मन्दिर – साधुकुटी ।	४	**देव या ड़ेल**	...
१८२	**लोहारा** गांव के पहले कपिलेश्वर महादेव । सिद्धेश्वर आश्रम – धर्मशाला ।	५	**कपिला**	१
१८३	**मोहीपुरा** सहस्रयज्ञाख्य तीर्थ । गांव में राम मन्दिर–शिवमन्दिर । रेवा आश्रम ।	५	**नाहिली**	१
१८४	**दत बाड़ा** कपालेश्वर महादेव – तीर्थ । चंगाबाबा का स्थान । अेक ही पथ्थर में से खोदकर बनाया हुआ घाट दर्शनीय । धर्मशाला – सदाव्रत ।	३	...	१
१८५	**छोटा वर्धा** अग्नि तीर्थ । शिवमन्दिर । धर्मशाला – सदाव्रत ।	५	...	१
१८६	**दही बेहड़ा** हनुमान मन्दिर – धर्मशाला– सदाव्रत ।	४	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
१८७	**पिप्पलुद** शिवममन्दिर-राममन्दिर-नृसिंहमन्दिर-धर्मशाला ।	६	...	१
१८८	**कसरावद** सहस्रयज्ञाख्य तीर्थ । तट पर माताजी का आश्रम - सदाव्रत । मार्गमें **खैरी** और **बगुद** में सदाव्रत ।	६	...	१
१८९	**राज घाट** रोहिणी तीर्थ । अेक मुखी दत्तमन्दिर । (इ.स. १९१२ में टेम्बे स्वामी द्वारा स्थापित ।) सदाव्रत - अन्नक्षेत्र ।	५	...	१

नोंध : अब यहां से आगे शूलपाणि की झाड़ी का प्रदेश है जो १२० कि.मी. तक फैला हुआ है । सरदार सरोवर ड़ेम के कारण पूरा विस्तार डूब जायेगा । अभी राज घाट से भी आगे पानी आ गया है। जंगल का मार्ग बड़ा विकट है और पानी भर जाने से बार-बार लंबा चक्कर काटना पड़ता है तथा कठिन चढ़ाई-उतराई भी है । नर्मदा स्नान क्वचित् हो सकता है । सरोवर में कीचड़ होने से स्नान करना या पानी लेने जाना होता नहीं है । आजकल परिक्रमावासी दो-तीन मार्गो का प्रयोग करते हैं जो यहां बताया जाता है । सड़क मार्ग से जाना सब से अच्छा है ।

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	मार्ग-१ **जंगल मार्ग** **राजघाट से**			
	राजघाट से बड़वानी-५। बावन गजा-८ जैन धाम-धर्मशाला-अन्नक्षेत्र । पाटी-२० नर्मदा मन्दिर-धर्मशाला । बोकराटा-१८ राम मन्दिर-धर्मशाला । आंबा पाड़ा-८। बायगौर-१७ । रानीपुरा-५ । धरा-१०। धावल घाट-९। काकरड़ा-६, खामला- देव वाड़ा-८ । उमर मांड़वी-३ । टेपरनी-३ । धड़ गांव-९ । मुलगी-३०। काठी गांव-७ । बड़ फली-२३ । डुमखल-३०। कणजी-५ । माथासर-५ । मोखडी-१० । गोरा कोलोनी-७ ।			

नोंध: जंगल में छोटे गांव होने पर भी कहीं कहीं स्कूल है और दुकान भी है। निवास -सदाव्रत मिल जाता है और सुरक्षित मार्ग है । लूट का भय नहीं है।

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	मार्ग-२ सड़क मार्ग (राज घाट से)			
१९०	**बड़वानी** गांव में अनेक मंदिर - धर्मशाला ।	८	...	१
१९१	**बावन गजा** जैन तीर्थ । धर्मशाला - अन्नक्षेत्र ।	८	...	१
१९२	**राजपुर** भोलेबाबा-त्रिवेणी मन्दिर-अन्नक्षेत्र ।	१२	...	१
१९३	**उपला** गांव में निवास ।	१६	...	१
१९४	**पलसुद** राम मन्दिर । गुप्ताजी की दुकान - सदाव्रत ।	९	**गोई**	१
१९५	**निवाली** राममन्दिर - हुकमशेठ का सदाव्रत ।	१९	...	१
१९६	**डोंड़वाड़ा** राममन्दिर । गुप्ताजी का सदाव्रत ।	१८	...	१
१९७	**पान सेमल** दुर्गा मन्दिर । हुकमशेठ का सदाव्रत ।	६	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
१९८	**राधाकृष्ण धाम** वृन्दावन वाले बाबाजी का आश्रम । हनुमान मन्दिर ।	३	...	...
१९९	**खेतिया** गायत्री मन्दिर-राममन्दिर-धर्मशाला।	१२	...	१
२००	**रायखेड़** विठ्ठल मन्दिर ।	३	...	१
	महाराष्ट्र राज्य **नंदुरबार जिला**			
२०१	**शहादा** गणपति मन्दिर - अंबाजी मन्दिर । यहां से ४७ कि.मी. दूर पहाड़ों में **तोरणमाल** । दर्शनीय गिरि मथक । गोरखनाथजी की तपोभूमि-विशाल सरोवर।	२०	**गोमई**	१
२०२	**प्रकाशा** केदारेश्वर-काशीविश्वनाथ-पुष्पदन्तेश्वर महादेव । दगडु महाराज प्रेरित अखंड रामधून-धर्मशाला-अन्नक्षेत्र। गुप्तपुरी-दक्षिणकाशी । गांव में अनेक मन्दिर-धर्मशाला । मार्ग में **डामर खेड़ा** में अष्ट विनायक मन्दिर ।	१८	**तापी**	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मांक	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२०३	**आमलोड** राममन्दिर – धर्मशाला – सदाव्रत ।	७	...	१
२०४	**तलौंदा** दत्तमन्दिर – हनुमानजी । धर्मशाला– सदाव्रत ।	८	...	१
२०५	**वाण्याविहार** काशी विश्वनाथ मन्दिर–धर्मशाला – सदाव्रत । पर्वत की झाड़ी में अश्वत्थामा की गुफा ।	१७	...	१
२०६	**अक्कल कूआं** कालीमाता मन्दिर – धर्मशाला – सदाव्रत ।	७	...	...
	गुजरात राज्य **नर्मदा जिला**			
२०७	**खापर** गांव में निवास ।	१०	...	१
२०८	**सागबारा** धर्मशाला–सदाव्रत । आगे मेकलसुता आश्रम ।	१४	...	१
२०९	**गंगापुर** जैन विहार धाम ।	१५	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२१०	**डेडिया पाड़ा** हनुमान मन्दिर-सदाव्रत । जलाराम आश्रम - अन्नक्षेत्र । भारत सेवाश्रम संघ । गांव में महाबलेश्वर महादेव ।	१३	...	१
२११	**कबीर आश्रम** धर्मशाला - अन्नक्षेत्र ।	१४	...	१
२१२	**मोवी**	३	...	...
२१३	**जित नगर** नन्दिकेश्वर महादेव। मार्ग में छोटे-बड़े गांव हैं ।	४२	**करजण**	१
२१४	**राजपीपला** हरसिद्धि माताजी का मन्दिर - धर्मशाला - सदाव्रत । गांव में अनेक मन्दिर - धर्मशाला ।	५	**करजण**	१

नोंध : यहां से थोडा वापस जाना पड़ेगा । नर्मदा खंड का प्रसिद्ध **अतिपवित्र** क्षेत्र शूलपाणीश्वर अवश्य जाना चाहिये । यहां से सड़क मार्ग है । वहां से फिर नर्मदा तट का मार्ग मिल जायेगा ।

२१५	**गोरा कोलोनी** नूतन शूलपाणीश्वर महादेव - तीर्थ । धर्मशाला - सदाव्रत - अन्नक्षेत्र ।	२०	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	पुराना मन्दिर जलमग्न हो गया । पुल के पास हनुमान मन्दिर-सांइ मन्दिर। सदाव्रत । त्यागीजी का आश्रम । **चातुर्मास । अतिपवित्र क्षेत्र ।** नर्मदा स्नान ।			
२१६	**हरि धाम** शिवमन्दिर।आश्रम-सदाव्रत-अन्नक्षेत्र।	१	...	१
२१७	**वसंतपुरा** आनंद आश्रय -धर्मशाला-अन्नक्षेत्र । स्फटिक का शिवलिंग-माँ त्रिपुरासुन्दरी-पंचमुखी हनुमानजी । भव्य और दर्शनीय स्थान । **चातुर्मास** ।	२	...	१
२१८	**इन्द्रवरणा** वरुणेश्वर - इन्द्रेश्वर महादेव - तीर्थ (शक्रतीर्थ) । धर्मशाला - सदाव्रत । मार्गमे **पिपरिया** में पिप्पलेश्वर महादेव-तीर्थ । सामने **गरुड़ेश्वर** ।	३	...	२
२१९	**नानी रावल** नर्मदा तटे वैद्यनाथ - व्यासेश्वर महादेव - तीर्थ । पुल के पास शिवालय । साधुकुटी ।	३	...	२
२२०	**फूलबाड़ी** आनन्देश्वर महादेव-तीर्थ। त्यागीजी का आश्रम । **सुरजबड़** गांव ।	४	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२२१	**रामपरा** राममन्दिर । धर्मेश्वर-भीमेश्वर महादेव-तीर्थ । योगानन्द आश्रम - धर्मशाला-अन्नक्षेत्र। दशावतार रणछोडराय दर्शनीय । **उत्तरवाहिनी नर्मदा । चातुर्मास ।**	३	**अनड़ वाही (कीड़ी-मंकोड़ी)**	२
२२२	**धनदेश्वर** धनदेश्वर - लुंकेश्वर - जटेश्वर-तीर्थ । आश्रम - सदाव्रत ।	१	...	३
२२३	**मांगरोल** मंगलेश्वर महादेव - तीर्थ । धर्मशाला ।	२	...	१
२२४	**गुवार** तपोवन आश्रम - धर्मशाला-सदाव्रत । हनुमानजी । गोपारेश्वर महादेव-तीर्थ। रामानन्द आश्रम भव्य राममन्दिर-पारदेश्वर महादेव । धर्मशाला - अन्नक्षेत्र । **चातुर्मास ।**	२	...	१
२२५	**सहराव** शंखचूडेश्वर महादेव - तीर्थ । गांव में विष्णुमन्दिर (बदरिनाथ) तीर्थ ।	३	...	२
२२६	**तुंबड़ी** भीमेश्वर-केदारेश्वर-पराशरेश्वर महादेव-तीर्थ । सीताराम अखंड धून-आश्रम-सदाव्रत । **सोढ़लिया** गांव ।	३	...	२

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२२७	**बांदरिया** तेजोनाथ (वैद्यनाथ) महादेव-तीर्थ । वसिष्ठाश्रम - धर्मशाला - अन्नक्षेत्र । आगे वानरेश्वर महादेव - तीर्थ ।	२	...	२
२२८	**कुम्भेश्वर** कुम्भेश्वर (ब्रह्मेश्वर) महादेव - शनि मन्दिर - नानी - मोटी पनोती दर्शन-तीर्थ । नर्मदामन्दिर - धर्मशाला - सदाव्रत । **चातुर्मास** । नासिक कुंभ मेला के समय यहां स्नान करने से दुगुना फल मिलता है । पास में रामेश्वर-लक्ष्मणेश्वर - मेघेश्वर महादेव-तीर्थ । **जिओर पाटी** गांव ।	४	...	३
२२९	**हनुमन्तेश्वर - मोरलीसंगम** हनुमन्तेश्वर महादेव-तीर्थ। राम मन्दिर - धर्मशाला - सदाव्रत । दिव्य स्थान । **कोठारा** गांव ।	६	...	१
२३०	**नीलकंठ धाम** स्वामीनारायण गुरुकुल - अन्नक्षेत्र । दर्शनीय स्थान ।	२	...	...
२३१	**पोईचा -** पूतिकेश्वर महादेव - तीर्थ । उपासना आश्रम-धर्मशाला-सदाव्रत ।	१	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	पास में समन्वय आश्रम । सामने **चांदोद। राजपीपला** १० कि.मी. दूर ।			
२३२	**नरखड़ी** नलेश्वर महादेव - तीर्थ । आश्रम - सदाव्रत ।	३	...	१
२३३	**रुंड़ गांव** नागेश्वर महादेव-तीर्थ । नर्मदाजी में रुद्रकुण्ड । संगम स्नान ।	३	**करजण**	१
२३४	**शुकदेव** शुकदेवेश्वर - मार्कंडेश्वर महादेव-तीर्थ। रणछोडरायजी दर्शनीय । राधाकृष्ण मन्दिर । धर्मशाला । किनारे साधुकुटी - अविचल आश्रम - हनुमानजी । सामने **व्यास बेट** ।	२	...	२
२३५	**पाटणा** मणिनागेश्वर महादेव - राममन्दिर - धर्मशाला - सदाव्रत ।	३	...	...
२३६	**ओरी** मार्कंडेश्वर महादेव-तीर्थ । धर्मशाला-सदाव्रत । अरविन्द केन्द्र ।	४	...	१
२३७	**कोटेश्वर** कोटेश्वर महादेव - तीर्थ । धर्मशाला-सदाव्रत । राधाकृष्ण मन्दिर । रमणीय स्थान - **चातुर्मास** । किनारे गुरु तीर्थ -	२	...	१

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
	आश्रम–अन्नक्षेत्र । सामने **अनसूया माता** ।			
२३८	**सिसोदरा** मुकुटेश्वर महादेव – तीर्थ । शिकोतर माता मन्दिर–सदाव्रत । सत् कैवल आश्रम । सामने **शिनोर** ।	४	...	१
२३९	**कान्दरोज** कार्तिक स्वामी – स्कन्देश्वर–नर्मदेश्वर – मार्कंडेश्वर महादेव – तीर्थ । आश्रम – धर्मशाला – अन्नक्षेत्र । गांव के बाहर ब्रह्मेश्वर । **चातुर्मास** ।	६	...	४
२४०	**वराछा** वाल्मीकेश्वर महादेव–तीर्थ । दत्तमन्दिर – सदाव्रत – धर्मशाला । अन्नक्षेत्र – बालमुकुन्देश्वर महादेव । रमणीय स्थान । **चातुर्मास** ।	४	...	१
२४१	**असा** कपालेश्वर – कोटीश्वर – ब्रह्मेश्वर – मार्कंडेश्वर महादेव – तीर्थ । धर्मशाला–सदाव्रत –अन्नक्षेत्र । दगडु महाराज प्रेरित अखंड़ रामधून । **चातुर्मास** । किनारे सीताराम आश्रम । रामकुटिया । सामने **मालसर** ।	२	...	३

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२४२	**पंचमुखी हनुमान** हनुमान मन्दिर- निम्बार्क मढ़ी ।	२	...	...
२४३	**गिरनारी गुफा** गिरनारेश्वर महादेव, धर्मशाला-सदाव्रत-अन्नक्षेत्र । रमणीय स्थान । पास में मेकलसुता आश्रम ।(कल्याण सेवाश्रम-अमरकंटक का स्थान ।)			
२४४	**पाणेथा** नर्मदेश्वर महादेव ।	१	...	...
२४५	**इन्दोर - वासणा** इन्द्रेश्वर महादेव - तीर्थ । आश्रम - सदाव्रत - अन्नक्षेत्र । **चातुर्मास** ।	५	...	१
२४६	**वेलु गांव** बालुकेश्वर महादेव - तीर्थ । कुबेरेश्वर-लक्ष्मीनारायण मन्दिर- धर्मशाला । सामने **नारेश्वर** ।	३	...	१
२४७	**भावपुरा** विजयकृष्ण कुटीर - अन्नक्षेत्र ।	३	...	...
२४८	**सरसाड़ - गौ घाट** गुप्त गोदावरी - देवेश्वर महादेव-तीर्थ। नर्मदा मन्दिर-धर्मशाला-सदाव्रत ।	२	गोदावरी	२

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२४९	**शाश्वत मारुतिधाम** हनुमान मन्दिर । तुलसी रामायण – सुन्दरकांड पाठ । धर्मशाला – सदाव्रत– अन्नक्षेत्र ।	४	...	...
२५०	**वढ़वाणा** शक्रेश्वर महादेव – तीर्थ ।	...	...	१
२५१	**मणिनागेश्वर** मणिनागेश्वर महादेव – तीर्थ । आश्रम – सदाव्रत – अन्नक्षेत्र । स्वामी नर्मदानंद गिरि का समाधि मन्दिर । रमणीय स्थान । **चातुर्मास** । **कृष्णपुरी** गांव ।	१	...	१
२५२	**रुंड़ गांव** गौतमेश्वर–अहिल्येश्वर महादेव–तीर्थ । साधुकुटी ।	२	...	२
२५३	**भालोद** मोक्षनाथ – रामेश्वर महादेव–तीर्थ । गायत्री मन्दिर – आश्रम – सदाव्रत । हनुमान मन्दिर–दत्तमन्दिर (श्याम स्वरूप) **चातुर्मास** । सामने **मोटी कोरल** ।	१	...	२

नोंध : आगे नदी तट के मार्ग से **टोटीदरा–१** सिद्धेश्वर महादेव–तीर्थ। **तरसाली–१** । आगे दो कि.मी. पर तापेश्वर महादेव । अरण्येश्वर या सिद्धेश्वर महादेव–तीर्थ । पारा गांव–२ पारेश्वर (पराशरेश्वर) महादेव–तीर्थ गांव बड़ी रेल में ध्वंस हो गये हैं । लेकिन तीर्थ हैं । भालोद से सड़क मार्ग से भी आगे जा सकते हैं ।

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२५४	**अविधा** रामेश्वर महादेव – नृसिंह मन्दिर । धर्मशाला – सदाव्रत । मार्ग में **जरसाड** गांव ।	३	...	...
२५५	**कराड़** कलकलेश्वर महादेव – तीर्थ ।	२	...	१
२५६	**लिम्बोदरा** लिम्बेश्वर महादेव – तीर्थ ।	२	...	१
२५७	**जगदीश मढ़ी** कुसुमेश्वर – कुंड़लेश्वर महादेव – तीर्थ । आश्रम – सदाव्रत – अन्नक्षेत्र । अखंड रामधून । लाड़वा बड़–जगन्नाथ मन्दिर । रमणीय स्थान – **चातुर्मास** । सामने **शुक्लतीर्थ** ।	५	...	३
नोंध : यहां से नदी तट का मार्ग छोडकर उपर का सड़क मार्ग है । सागर पास में होने से ज्वार–भाटा के कारण नर्मदा जल नमकीन हो जाता है और किनारे दलदल रहता है । तीर्थ भी उपर बने हैं ।				
२५८	**मोटासांझा** अनरकेश्वर महादेव – तीर्थ । दूधेश्वर – बाघेश्वर (नर्मदेश्वर) महादेव तीर्थ । आश्रम – सदाव्रत । **रानीपुरा** गांव ।	६	**मधुमती**	२

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२५९	**उचेड़िया** गांव पूर्वे सर्पेश्वर महादेव - मोक्ष तीर्थ । आश्रम-सदाव्रत । **पूर्व वाहिनी** कावेरी-नर्मदा संगम ।	२	**कावेरी**	१
२६०	**गुमानदेव** प्रसिद्ध हनुमान मन्दिर - राम मन्दिर । आश्रम - धर्मशाला-सदाव्रत-अन्नक्षेत्र । कावेरी तटे शिवालय । **चातुर्मास** ।	१	**कावेरी**	१
२६१	**गुवाली** गुप्तेश्वर (गोपेश्वर) महादेव - तीर्थ । धर्मशाला - सदाव्रत ।	३	...	१
२६२	**मुलद-मांड़वा** मार्कंडेश्वर महादेव - तीर्थ ।	३	...	१
२६३	**नौगवां - नवागाम ।** नाग तीर्थ । रोकडिया हनुमानजी - त्यागीजी का आश्रम-सदाव्रत-अन्नक्षेत्र। गांव में उदुम्बरेश्वर महादेव ।	२	**उमरावती**	१
२६४	**सामोर** साम्बादित्य-तीर्थ । सोमेश्वर महादेव ।	१	...	१
२६५	**अंदाडा - गडखोल** सिद्धेश्वरी माता - सिद्धेश्वर महादेव - तीर्थ । शक्ति धाम ।	२	...	२

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२६६	**झर कुंड़** मार्कंडेश्वर–जल कुंड़ तीर्थ । रणछोडराय दर्शनीय । कैलासटेकरी–भवानी शंकर महादेव । आश्रम – धर्मशाला । रेल्वे पुल के पास **हंसदेव आश्रम** ।	३	...	२
२६७	**अंकलेश्वर** अंतरनाथ (अक्रूरेश्वर महादेव) – मांडव्येश्वर महादेव – देवखात – तीर्थ । गांव के बाहर राम कुंड़ (देवखात) – राममन्दिर – आश्रम – सदाव्रत – अन्नक्षेत्र – **चातुर्मास** ।	४	...	३
२६७	**बुलबुला कुंड़** बुलबुला (सूर्य) कुंड़–तीर्थ । आश्रम–धर्मशाला – अन्नक्षेत्र । दत्तमंदिर । भरोडीश्वर – नीलकंठ महादेव । **चातुर्मास** । **भरोडी** गांव ।	६	...	१
२६९	**सजोद** सिद्धरुद्रेश्वर–तीर्थ । रुद्र कुंड़ । धर्मशाला । वालीनाथ महादेव – खप्परमाता मन्दिर के पास वैद्यनाथ महादेव – तीर्थ । दत्तमन्दिर ।	६	...	२

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२७०	**माटीअेड़** मातृ तीर्थ । राममन्दिर । नीलकंठ महादेव।			
२७१	**मोड़िया** वैजनाथ (वैद्यनाथ) महादेव – नीलकंठ महादेव ।	१	...	१
२७२	**शेरा** नर्मदेश्वर महादेव – तीर्थ ।	२	...	१
२७१	**उतराज** उत्तरेश्वर (उत्कंठेश्वर) महादेव – दुर्गा–म्बिका–मातृ तीर्थ ।	१	...	२
२७३	**हांसोट** हंसेश्वर – तिलेश्वर महादेव – तीर्थ । सूर्य कुंड़ – रत्नेश्वर महादेव –धर्मशाला––सदाव्रत । अनेक मन्दिर । **चातुर्मास** ।	३	...	३
२७४	**वासनोली** वासवेश्वर महादेव – तीर्थ । पास में बाड़ोदरा आश्रम – धर्मशाला – सदाव्रत–अन्नक्षेत्र ।	६	...	१
२७५	**हनुमान टेकरी** हनुमान मन्दिर । सीताराम आश्रम – अन्नक्षेत्र ।	३	...	...

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिण तट

क्र मां क	गाम-तीर्थ-आश्रम-सदाव्रत	अंतर कि. मी.	नदी संगम	तीर्थ निवास दिन
२७६	**कोटेश्वर** कोटेश्वर महादेव - तीर्थ । आश्रम - धर्मशाला -अन्नक्षेत्र । सड़क की दूसरी ओर जाना है । **चातुर्मास** ।	२	...	१
२७७	**कतपोर** अलिका तीर्थ । अलिकेश्वर महादेव- कालीमाता मन्दिर । धर्मशाला - सदाव्रत - अन्नक्षेत्र । गांव में ऋण-मुक्तेश्वर महादेव - धर्मशाला । राममन्दिर - सदाव्रत ।	२	...	१
२७८	**विमलेश्वर** सोमेश्वर - विमलेश्वर - रत्नेश्वर - पुलत्स्येश्वर - गोकर्णेश्वर महादेव । धर्मशाला - सदाव्रत ।	६	...	३

नोंध: कतपोर से नावमें बैठने के पूर्व समुद्र स्नान का मंत्र इस प्रकार है:

आवाहन मंत्र :

नमस्ते विष्णुरूपाय नमो विष्णो रमापते ।
सान्निध्यं कुरु देवेश सागरे लवणाम्भसि ।। ७ ।।

स्नान मंत्र :

अग्निश्च तेजो मृडया च देहो रेतो हि विष्णुरमृतस्य नाभिः।
अेतद् ब्रूवन् पांडव श्रौतवाक्यं ततोऽवगाहेत् पतिं नदीनाम् ।।

अर्घ्य मंत्र :

सर्वरत्नप्रधानस्त्वं सर्वरत्नाकराकर :।
सर्वामरप्रधानत्वात् गृहाण अर्घ्यं अपांपते ।। ९ ।।
(वायु. रेवाखंड अध्याय २१८, श्लोक ७-८-९)

नमस्ते विष्णुगुप्ताय नमो विष्णो ह्यपाम्पते ।
नमो हिरण्यशृंगाय नदीनां पतये नमः ।।

नोंध : स्नान करने के बाद नाव में बैठकर जहां नाविक बताये वहां नर्मदा-सागर संगम मानकर पूजा-आरती कर के प्रसाद अर्पण करें । नर्मदा मैया को कुंकुम, अबीर, गुलाल, चन्दन देकर श्रीफल और वस्त्र(साड़ी-धोती) अर्पण करें । सागर देव को भी वस्त्र अर्पण करें। अंत में द्रव्य अर्पण करके आर्द्र हृदय से प्रार्थना करें ।

सागर पार कर के फिर से स्नान करें । नर्मदाजी की पूजा-आरती और कन्या भोजन आदि कर के परिक्रमा सम्पन्न करें । नर्मदे हर ।

नर्मदा परिक्रमा मार्ग
दक्षिणतट समाप्त
।। नर्मदे हर ।।

११. नर्मदापरिक्रमा यात्रा – वाहनमार्ग

श्री नर्मदा माताजी की जय हो । समग्र भारतवर्ष की पवित्र नदीयोंमें से केवल मां नर्मदाजी की ही परिक्रमा होती है। प्रतिवर्ष हजारों यात्रिक पूरे भारत देशमें से आकर नर्मदाजी के दोनों तट–उत्तर और दक्षिण–पैदल चलकर असंख्य तीर्थो में जाकर स्नान–दर्शनादि करते चलते रहते हैं । तीन हजार से ज्यादा कि.मी. की यह यात्रा अत्यंत कठिन है । वृद्ध, रोगी या अशक्त यात्रियों के लिये तो परिक्रमा करना स्वप्न समान है । **कूर्म पुराणमें** लिखा है कि अैसे यात्रीगण वाहन से परिक्रमा कर सकते हैं और उसमें कोई दोष नहीं है। यथा –

नरयानं चाश्वतरी-हयादि सहितो रथः ।
तीर्थयात्रा ह्यशक्तानां यानदोषकरी न हि।।

अर्थात् पालकी, घोडा या खच्चर से जुडा रथ – जैसे वाहन से अशक्त लोग तीर्थयात्रा करें तो इसमें कोई वाहनदोष नहीं है ।

वाहन में सड़कमार्ग से यात्रा होती है इसलिये नर्मदाजी के दोनों तट के सब तीर्थो का दर्शन हो नहीं सकता । यात्रीगण प्रधानतीर्थो में जाकर स्नान–दर्शनादि करते हैं । इस वाहनयात्रा दो प्रकार से हो सकती है । यथा–

१. नर्मदा परिक्रमा के नियमों का पालन करते हुअे कहीं भी नर्मदाजी की धारा को लांघना नहीं है ।

२. परिक्रमा मार्ग में कहीं–कहीं नर्मदाजी को लांघकर भी यात्रा करना ।भेडाघाट का अलौकिक सौन्दर्य, धूआंधार का प्रसिध्ध जलप्रपात, सहस्रधारा दर्शन, नर्मदाखंड के अधिष्ठाता ओमकारेश्वर (ज्योतिर्लिंग) महादेव, कबीरबड़, व्यासबेट आदि विशिष्ट तीर्थों का दर्शन करते के लिये नर्मदाजी को लांघना ही पडता है । अैसी यात्रा को हम नर्मदा परिक्रमा नहीं कहेंगे – यह नर्मदा दर्शन यात्रा है ।

यात्रा के लिये लिया गया वाहन क्वालिस, टाटासुमो, इनोवा, सफारी, या जीप प्रकार का मजबूत होना अत्यंत आवश्यक है। जंगलोंमें से गुजरते समय सावधान रहना पडता है । मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में सड़कें अच्छी नहीं है । कभी कभी अेक गांव से दूसरे गांव का अंतर बहुत लंबा होता है । कहीं बीचमें गाडी को कुछ हुआ तो मार्ग में ही रुकना पडेगा । इसलिये गाडी में भोजन और जल का प्रबंध अवश्य रखें । आवश्यक दवाइयां साथ में होना जरूरी है । छोटे गाँव में मिलेगी नहीं ।

नर्मदा स्नान-पूजा आदि करके यात्रा आरंभ करें । नर्मदायात्रा नर्मदातट के किसी भी स्थान से आरंभ कर सकते हैं । अंत में माँ नर्मदा का पूजन, कन्याभोजन, परिक्रमावासियाँ का सत्कार आदि अवश्य करके यात्रा संपन्न करें ।

रुद्रदेहा नर्मदा, शिवपद तुं देनार;
अमल नीर तारुं अहा ! सदा रटे ओंकार.
स्नाने तार्यां कंइकने , पाने जीव अनेक ;
दर्शनमात्रे तुं करे, पूर्ण मनोरथ टेक.
यन्नामस्मरणे टळे, विषबाधा क्षण मांह्य ;
कुष्टादिक रोगो अहा!, स्नानमात्रथी जाय.
अन्नपूर्णा अे नकी, पतितोद्धारक जाण;
रुद्रदेहा नर्मदा, पतितोध्धारक मान.
महादेव पूर्वे करे, मृत्युंजय तप उग्र;
तद्घर्मांभोरूपथी, प्रगटी जेह अनुग्र.

नर्मदापरिक्रमा यात्रा-वाहन मार्ग
उत्तरतट

१. **तिलकबाड़ा :**

दर्शनीय स्थल - तिलकेश्वर, गौतमेश्वर महादेव, सप्त मातृका मन्दिर, स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती स्मृतिमन्दिर, नर्मदामन्दिर ।

२. **नानां अंबाजी- ४५ किं. मी.**

देवलिया चौकडी-६, गरुडेश्वर-१२, नवागाम सरदार सरोवर-१२ और जीवणपुरा-१५ । **गरुडेश्वर**में स्वामी वासुदेवानंद सरस्वतीजी का समाधि मन्दिर - दत्तमंदिर - करोटीश्वर, गरुडेश्वर, नारदेश्वर, मधुच्छंदेश्वर महादेव - पक्काघाट । **नानां अंबाजी** पर्वतीय - प्रदेश में रमणीय स्थान । माताजी के उपर और नीचे दो स्वरूप । विशाल औदुम्बर वृक्षमें से जलधारा बहती है । प्रसिद्ध दर्शनीय स्थान । अन्नक्षेत्र ।

३. **हांफेश्वर (हंसेश्वर) - ७६ कि.मी.**

नसवाडी-१५, कवांट-४०, कड़ीपानी-१४ और हांफेश्वर-७. पुराना भव्य मन्दिर सरदार सरोवरमें जलमग्न हो गया । हांफेश्वर का नूतन मन्दिर - आश्रम - यात्री निवास । दर्शनीय स्थान ।

४. **कोटेश्वर - १२९ कि.मी.**

कवांट-२१, छकतला-१६, उमराली-१८, डही-४०, पोडयल-१५, निसरपुर-१३ और कोटेश्वर-६ ।

कोटेश्वर महादेव - नर्मदामन्दिर - दगडु महाराज प्रेरित अखंड रामधून - आश्रम - अन्नक्षेत्र । खाखचोक में कनक बिहारीजी राममन्दिर । अनेक मन्दिर और पक्का घाट । रात्रिवास ।

५. **मांडु - मांड़वगढ़ - १०० कि.मी.**

निसरपुर-१३, मनावर-२३, अमझेरा-२६, और मांडु-३८ अन्य मार्ग: मनावर-धार - नालछा - मांडु।

अमझेरामें प्राचीन रुक्मिणी मन्दिर दर्शनीय । **मांड़वगढ़** ऐतिहासिक स्थान-प्राचीन महल और मस्जिद - सरोवर, चतुर्भुज

राममन्दिर, नीलकंठ महादेव, रेवाकुंड । राममन्दिर या जैन धर्मशाला में निवास।

६. महेश्वर - मंडलेश्वर - ६५ कि.मी.

बामणपुरा -१२, बगवानिया-६, पलाश-९, दूधी-४, धामनोद-६ और महेश्वर-१७, मंडलेश्वर-११ ।

आग्रा - बोम्बे हाइ वे पर **दूधी** के पास टेकरा पर भव्य **राजराजेश्वरी धाम** दर्शनीय। **महेश्वर** प्राचीन माहिष्मती नगरी - मतंगेश्वर, ज्वालेश्वर, अशोकवनिका-तीर्थ, राजराजेश्वर महादेव में अेकादश अखंड ज्योति, सहस्रार्जुन मन्दिर, काशी विश्वनाथ, पंढ़रीनाथ मन्दिर, राजबाड़ा में रानी अहिल्याबाई का पुराना महल - राजगद्दी, शिवपूजा का स्थान दर्शनीय । विशाल जलराशि और पक्के सुन्दर घाट । पास में **सहस्रधारा** दर्शन, ग्यारह कि.मी. दूर **मंडलेश्वर** में घाट पर राममन्दिर (संत गोंदवलेकरजी की स्मृति), दत्तमन्दिर, काशी विश्वनाथ में टेम्बे स्वामीजी की कुटी । गुप्तेश्वर महादेव । रात्रिनिवास ।

७. नेमावर - १९४ कि.मी.

बड़वाह-४९, जयन्तीमाता-९, काटकूट-३१, अखिलेश्वर-८, उदयनगर-६, पूजापरा-५, कांटाफोड़-२४, सतवारा-१६, अजनाश-१९, खातेगांव-१० से नेशनल हाइ-वे और नेमावर-१७।

बड़वाहमें नागेश्वर महादेव-रेवाकुंड तथा अष्टभुज गोपाल मन्दिर।जंगलमें चोरल नदी के तट पर प्रसिद्ध **जयन्तीमाता मन्दिर** दर्शनीय । **नेमावर** में नर्मदाजी का नाभिस्थान । सिध्धिनाथ महादेव, ग्वाल टेकरी पर ब्रह्मचारी आश्रम में टेम्बे स्वामीजी के चरणचिन्ह, मूंगफली बाबा आश्रम में अन्नपूर्णा मन्दिर, प्राचीन दत्तमन्दिर आदि अनेक मंदिर तथा आश्रम । **नर्मदास्नान** । रात्रि निवास । दूसरा मार्ग - बडवाह से इन्दौर - सीमरौल - खातेगांव - नेमावर। इन्दौर से उज्जैन-महाकालेश्वर महादेव (ज्योतिर्लिंग) जा सकते हैं ।

८. नीलकंठ-६० कि.मी.

सकलपुर-९, गोपालपुरा-१९, नसरुल्लागंज-२२ से अंदर जाना है नीलकंठ-१० ।

नीलकंठ में नर्मदा-कौशल्या संगम स्नान, दत्त मन्दिर में टेम्बे स्वामीजी तथा रंग अवधूत दर्शन-संगम पर शिवमंदिर-धर्मशाला ।

९. पतय घाट-२७७ कि.मी.

नसरुल्लागंज-१७, रहेंटी-२०, सलकनपुर-९, बुधनी-३८, ओबेदुल्लागंज-३५, बाड़ी-७०, बरेली-२०, उदयपुरा-३८, पिपल्या-१९ और पतयघाट-११ ।

सलकनपुर में पर्वत पर बीजासेन (विजयासेन) देवी का भव्य मन्दिर दर्शनीय । पर्वत पर गाडी जा सकती है । **बुधनी** में नर्मदामन्दिर - गोपालमन्दिर - पक्का घाट । रात्रि निवास हो सकता है ।

पतयघाट में शिवमन्दिर दर्शनीय - आश्रम - अन्नक्षेत्र - पक्का घाट । नर्मदास्नान । रात्रि निवास ।

१०. भेड़ाघाट - ११६ कि.मी.

देवरी-१५, तेन्दुखेड़ा-२२, हीरापुर-२२, बेलधारी-१७, डाभी-१२, बरमान घाट-१८ और भेड़ाघाट-१० कि.मी.।

हीरापुर में दक्षिण भारतीय शैली का राजराजेश्वरी माताजी का भव्य और दर्शनीय मन्दिर - धर्मशाला - अन्नक्षेत्र । रात्रि निवास की सुविधा है । **बरमान घाट** में प्रसिद्ध बड़ा रामजी मन्दिरमें मत्स्यवाहिनी नर्मदाजी का श्याम विग्रह दर्शनीय ।अनेक मन्दिर - धर्मशाला - पक्का घाट । नर्मदा स्नान ।

भेड़ाघाट नर्मदातट की अलौकिक सौन्दर्यभूमि । संगेमरमर की पहाडीओंमें से बहती नर्मदाजी का अद्‌भुत दर्शन । चौसठ योगिनियों का मन्दिर । पासमें प्रसिद्ध धूंआँधार का जलप्रपात । धर्मशाला - होटल आदि निवासस्थान उपलब्ध । **यह द्वीप होने से नर्मदा परिक्रमावासी यहां नहीं जा सकते** । रात्रि निवास ।

११. मंड़ला - १३९ कि.मी.

लम्हेटा घाट-५, जबलपुर-१४, ग्वारी (गौरी) घाट-१२, गीताधाम-२, भटौली-२ में कालीधाम, बरेला-२७, और गाजीपुर (मंडला) - ७७ ।

जबलपुर मध्यप्रदेश का प्रसिद्ध दर्शनीय नगर । **ग्वारी घाट** पर अनेक मन्दिर-धर्मशाला-आश्रम - पक्का घाट -।**मंडला** नर्मदातट का प्रसिद्ध नगर । **किला घाट** पर राजराजेश्वरी माताजी के मन्दिर में सहस्रार्जुन की सुन्दर प्रतिमा तथा मार्कंडेय मुनि और नर्मदाजी का दर्शनीय विग्रह है । **रपटा घाट** पर नर्मदामन्दिर, दुर्गामन्दिर । **हनुमान घाट** पर संत सीतारामदासजी का समाधि मन्दिर। अनेक मन्दिर - धर्मशाला । यहाँ पास में सहस्रधारा तथा गाजीपुर में रामकृष्ण - शारदामाता मन्दिर । रात्रि निवास ।

१२. पाली - २२२ कि.मी.

बबजिया - ५८, पिपरिया-१५, निवास-१६, बिन्दिया-१८, शाहपुरा-२१, उमटिया-५६ और पाली-३८ । रेल्वे स्टेशन का नाम - वीरसिंहपुर ।

पाली में वीरासेन देवी का प्रसिद्ध और दर्शनीय स्थान है । होटल-गेस्टहाउस । रात्रि निवास ।

१३. अमरकंटक - २०३ कि.मी.

शहड़ोल -४०, बुढ़ार-२५, राजेन्द्र गांव-७ और अमरकंटक-८४ । अमरकंटक में तीर्थदर्शन-४७ ।

मैकलपर्वत पर स्थित नर्मदा उद्गम स्थान । सागर से ३५०० फीट उंचाई । कल्याण सेवाश्रम, मृत्युंजय आश्रम, बरफानी आश्रम, गुरुद्वारा आदि अनेक आश्रम-मंदिर-धर्मशाला । पूर्वदिशा में ८ कि.मी. दूर **कपिल धारा** का १५० फीट का जलप्रपात दर्शनीय । आगे **दूधधारा** में स्नान, दुर्वासा गुफा । उपर दुर्गामन्दिर-कपिलमुनि मन्दिर आदि । घोर जंगल का प्रदेश । मार्ग में रामकृष्ण मन्दिर । पश्चिम दिशा में **ज्वालेश्वर महादेव** और ज्वाला नदी का उद्गम स्थल, **शंभुधारा, दुर्गाधारा** । रमणीय स्थान । यह नर्मदाजी का

उत्तरतट है। नर्मदाकुंड जो मुख्य तीर्थ है वह दक्षिणतट पर है । **परिक्रमावासी को माई की बगिया होकर नर्मदाकुंड जाना चाहिये, अन्यथा परिक्रमा भंग होगी ।**

नर्मदाजी के दक्षिणतट पर जाने के लिये प्रथम माइ की बगिया जाना चाहिये । वहां के नर्मदाकुंडमें से जल निकालकर स्नान करें -पूजा करें । रमणीय वनप्रदेश है । अनेक मन्दिर - आश्रम आदि हैं।

अब आप नर्मदाजी के दक्षिणतट पर हैं । सर्वप्रथम शोणभद्र नदी का उद्गम स्थान **सोनमूढ़ा** में कुंड़ से जलधारा निकलती है । आगे घोर जंगल में ३५० फीट से गिरती जलधारा दर्शनीय है । श्रीयंत्र महामेरुप्रसाद मन्दिर विशिष्ट है । प्रसिद्ध रेवाकुंड में स्नान वर्ज्य है । स्पर्श, मार्जन, आचमन कर सकते हैं । बाहर गोमुख से जलधारा प्रवाहित होती है वहां कोटीतीर्थ में बडा कुंड बना है जहां स्नान होता है । यहां मुख्य मन्दिर नर्मदाजी और अमरकंटकेश्वर महादेव का है।अनेक मन्दिरों का संकुल देखनेमें आता है । संकुल के बाहर प्राचीन कर्णमठ, रंगमहल, बदरिनाथ, मार्कंडेय आश्रम, गायत्री दत्तमन्दिर, गीता स्वाध्याय आश्रम आदि हैं । घोर जंगल में धूना पानी, गणेश, चंडीगुफा, भृगु कमंडल आदि देखने के लिये मार्गदर्शक लेकर जा सकते हैं ।

❀ ❀ ❀

नर्मदा परिक्रमा यात्रा
वाहनमार्ग - उत्तरतट
समाप्त

नर्मदा परिक्रमा यात्रा - वाहनमार्ग दक्षिणतट

१. **डिंडोरी - १०३ कि.मी.**

अमरकंटक से डिंडोरी सीधा सड़क मार्ग है । पर्वतीय वनप्रदेश से जाता यात्रापथ रमणीय है । **डिंडोरी** छोटा नगर है । होटल- गेस्टहाउस - धर्मशाला आदि हैं । नर्मदास्नान ।

२. **बरगी कोलोनी-२५८ कि.मी.**

सक्का-३०, चावी-२९, मोह गांव-१५, घुघरी-१६, राम नगर-१९, मधुपुरी-घोड़ा घाट-११, पद्मी चौराहा-४, महाराजपुर-१६, घंसौर-५५ और बरगी कोलोनी-५५ ।

सक्कामें देव नाला का दर्शनीय जल प्रपात तथा विशाल गुफा हैं । **बरगी कोलोनी** में नूतन नन्दिकेश्वर महादेव-दर्शनीय । सती अवन्तीबाई सागर ४२२ फीटका बांध । मध्यप्रदेश सरकारका विश्रामालय है । नर्मदा स्नान। रात्रि निवास ।

३. **जोतेश्वर - ९५ कि.मी.**

तिलबाड़ा क्रोसिंग-२६, चरगवा-३३, गोटेगांव-१८ और जोतेसर-१८ ।

त्रिपुरासुन्दरी माताजी का भव्य दर्शनीय मन्दिर । मानसी गंगा। द्वारकापीठ शंकराचार्य की तपोभूमि । यात्री निवास - अन्नक्षेत्र ।

४. **पंचमढ़ी - २४३ कि. मी.**

गोटे गांव-१८, नरसिंहपुर-४४, गाडरवारा-५४, पिपरिया-५६, मटकुली-३४ और पंचमढ़ी-३३ ।

मध्यप्रदेश का प्रसिद्ध गिरिमथक । सागर से ३५०० फीट की ऊंचाइ पर स्थित । अभयारण्य में जा सकते हैं । महादेव मन्दिर, गुप्तेश्वर, चौरागढ़, हांडी खो, पांडवों की पांच गुफायें, जटा शंकर महादेव आदि दर्शनीय । पंचमढी दर्शन यात्रा-३७ कि.मी. । सरकारी विश्रामालय - होटल - गेस्टहाउस । रात्रि निवास ।

५. **हरदा-२५६ कि.मी.**

पिपरिया-६०, सोहागपुर-२४, बाबइ-३१, बांदराभान-३०, होसंगाबाद-६, सीवनी-मालवा-५८ और हरदा-४७ ।

बांदराभान - नर्मदा तटे दर्शनीय स्थान । **होसंगाबाद** में प्रसिद्ध सेठानी का घाट, नर्मदा सत्संग भवन का नर्मदा मन्दिर (यहां नर्मदापुराण, नर्मदा प्रदक्षिणा, नर्मदा कल्पवल्ली पुस्तकें मिलती हैं।) गायत्री मन्दिर, बांकेबिहारी मन्दिर दर्शनीय । मध्यप्रदेश का प्रसिद्ध नगर । नर्मदा स्नान । रात्रि निवास ।

६. **ओमकारेश्वर-२४३ कि.मी.**

थोडा वापिस आकर हंडिया-२४, हरदा-२४, अमलपुर-५२, मुन्दी-३२, पुनासा-३५, नर्मदा नगर-१०, पुनासा गांव-१०, सनावद-४८ और कोठी होकर ओमकारेश्वर-१८ ।

हंडिया में नर्मदा तटे ऋद्धिनाथ महादेव-वसुन्धरा सेवा आश्रम। सामने **नेमावर** है । **ओमकारेश्वर** महादेव प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग है। दक्षिणतट पर ममलेश्वर महादेव है। द्वीप में जाने के लिये दो सेतु बने हैं । मन्दिर की सीड़ियों के नीचे आद्य शंकराचार्यजी के गुरु गोविन्द भगवत्पादाचार्य की गुफा तथा कोटी तीर्थ है । मान्धाता पर्वत की पैदल और नाव से परिक्रमा होती है । यहां कावेरी-नर्मदा संगम है । होटल-गेस्टहाउस - रात्रि निवास । **परिक्रमावासी को ओमकारेश्वर जाना मना है । नर्मदाजीको लांघकर जानेसे परिक्रमा भंग होगी ।**

८. **बकावां - ५१ कि.मी.**

सनावद-१३, बैड़िया-१९, कातोर-११ और बकावां-८ ।

पहले नर्मदाजी के धावड़ी कुंड़में से शिवलिंग प्राप्त होते थे । ओमकारेश्वर में बांध होने से वह डूब गया । यहां शिवलिंग निर्माण केन्द्र है । अेक रू. से लेकर अेक लाख रू. तक के शिवलिंग मिलते है। नर्मदायात्रा की स्मृतिमें शिवलिंग ले सकते हैं । नर्मदा स्नान ।

९. **प्रकाशा - २४९ कि.मी.**

कानापुरा-८, पिपलगौन-११, बाड़ी-५, गौ गांवा-२३,

खरगोन-२१, जुलवानिया (करीमनगर)-५०, सेन्धवा-२६, निवाली-२१, पानसेमल-२८, खेतिया-१२, शहादा-२६ और प्रकाशा-१८ ।

प्रकाशा में तापी स्नान । केदारेश्वर, काशीविश्वनाथ, पुष्पदन्तेश्वर महादेव । दगडु महाराज प्रेरित अखंड रामधून - आश्रम - अन्नक्षेत्र । दर्शनीय स्थान ।

शहादा से **तोरणमाल**-४७ कि.मी. गिरिमथक दर्शनीय है ।

१०. कतपोर-३२६ कि.मी.

तलोंदा-१८, अक्कलकूआ-२४, सागबारा-३१, डेडियापाड़ा-२६, शूलपाणीश्वर-६५, राजपारडी-५०, मणिनागेश्वर महादेव-१०, वापिस राजपारडी-१० होकर गुमानदेव -१५, अंकलेश्वर-२५, कानवा-८, बुलबुला कुंड़-६, हांसोट-१६ और कतपोर-२२ ।

डेडियापाड़ा में भारत सेवाश्रम संघ का आश्रम-जलाराम आश्रम-अन्नक्षेत्र । **शूलपाणीश्वर** नर्मदा खंड़ का अतिपवित्र क्षेत्र - नर्मदा स्नान - दर्शन । **मणिनागेश्वर-रमणीय** स्थान - आश्रम - अन्नक्षेत्र । **गुमानदेव-हनुमानजी का** प्रसिद्ध मन्दिर - आश्रम - अन्नक्षेत्र । **अंकलेश्वर** में अंतरनाथ, मांडव्येश्वर, देवखात-राममंदिर में आश्रम - अन्नक्षेत्र । बुलबुला कुंड़ (सूर्य कुंड़)का अवश्य दर्शन करें । रात्रि निवास ।

कतपोर से नाव में बैठकर सागर पार होना है । नर्मदा-सागर संगम में स्नान-पूजन अवश्य करें ।

❀ ❀ ❀

नर्मदा परिक्रमा-यात्रा
वाहनमार्ग - दक्षिणतट
समाप्त

नर्मदा परिक्रमा यात्रा- वाहनमार्ग उत्तरतट

१. नारेश्वर-२८२ कि. मी.

कतपोर से वाहन वापिस आकर भरुच के पुल से उत्तर तट पर आ सकता है । मीठी तलाइ तक सड़क मार्ग है - ११२, भाडभूत-४६, भरुच-१०, नीलकंठ महादेव-झाडेश्वर-२२, शुक्लतीर्थ-१३, मंगलेश्वर-२, निकोराके पास ध्यानी धाम-१, धर्मशाला-३ और नारेश्वर-३० ।

मंगलेश्वर - नर्मदा परिक्रमावासी की सेवाव्रती शशीबहन का गांव - श्वेत वराह भगवान का दर्शन । पास में **भरद्वाज आश्रम**-अन्नक्षेत्र । सामने **कबीरबड़** । **निकोरा** के पास **ध्यानी-धाम** दर्शनीय आश्रम। **नारेश्वर** - श्री रंगअवधूत महाराजजी की तपोभूमि-रंगमन्दिर - दत्त पादुका मन्दिर - आश्रम - अन्नक्षेत्र । नर्मदा स्नान । रात्रि निवास ।

२. तिलकबाड़ा-१२७ कि.मी.

शिनोर-३५, मालसर-५, अनसूयामाता-१३, जनकेश्वर-३, **कोटेश्वर**-२, **बरकाल**-३, व्यास बेट-२, बदरिकाश्रम-११, गंगनाथ-२, **चांदोद**-१, डभोई-२०, कुबेरभंडारी-२० और तिलकबाड़ा-१० ।

मांगल्यधाम मालसर में सत्यनारायण मन्दिर में संत **माधवदासजी, डोंगरेजी** महाराज के समाधि मन्दिर - अन्नक्षेत्र । **चांदोद** नर्मदाखंड का अतिपवित्र क्षेत्र । अनेक मन्दिर-आश्रम-अन्नक्षेत्र । **करनाली** में कुबेरभंडारी महादेव का प्रसिद्ध मन्दिर । प्रत्येक अमावास्या को असंख्य यात्री आते हैं और अन्नक्षेत्र है। नर्मदा स्नान अवश्य करें ।

नर्मदा परिक्रमा-यात्रा
वाहनमार्ग उत्तरतट
समाप्त

तावद् गर्जन्ति तीर्थानि, नद्यौ सद्यः फलप्रदा ।
यावन्न स्मर्यते रेवा, सेवा हेवा कलौ नरैः ।।१२।।
यथा गंगा तथा रेवा, तथा चैव सरस्वती ।
समं पुण्यफलं प्रोक्तं, स्नान-दर्शन-चिन्तनैः ।।१३।।
भज रेवाजलं पुण्यं, यज रुद्रं सनातनम् ।
जप पंचाक्षरीं विद्यां, व्रज स्थानं च वांछितम् ।।१४।।
गंगाद्याः सरिताः सर्वाः, समुद्राश्च सरांसि च ।
कल्पान्ते संक्षयं यान्ति, न मृता तेन नर्मदा ।।१५।।
श्रवणात् जन्मजनितं, द्विगुणं कीर्तनात् व्रजेत् ।
त्रिंशत् जन्मार्जितं पापं, नश्येत् रेवावगाहनात् ।।१६।।
अकामो वा सकामो वा, नर्मदायां शुभे जले ।
स्नात्वा मुच्येत पापेभ्यो, रुद्रलोकं स गच्छति ।।१७।
सप्तजन्मकृतं पापं, वर्तमानं च पातकम् ।
रेवास्नानं दहेत्सर्वं, तुलराशिमिवानल : ।।१८।।
लब्धं यैर्नर्मदातोयं, ये च कुर्युः प्रदक्षिणम् ।
ये पिबन्ति जलं तत्र, ते पुण्याः नात्र संशयः।।१९।।

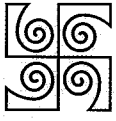

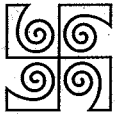

श्री अवधूत साहित्य प्रकाशन ट्रस्ट, नारेश्वर द्वारा प्रकाशित

पू.श्री रंग अवधूत महाराज विरचित

१. श्री गुरुलीलामृत (ज्ञानकांड)
२. श्री गुरुलीलामृत (कर्मकांड)
३. श्री गुरुलीलामृत (उपासना कांड)
४. श्री रंग हृदयम् (संस्कृत स्तोत्र संग्रह)
५. अवधूती आनंद (भजन संग्रह)
६. अमर आदेश
(प्रवचनादि, गुजराती-हिन्दी)
७. श्री रंग पत्रमंजूषा (पत्रावली)
८. संगीतगीता
९. पत्रगीता
१०. प्रश्नोत्तर गीता
११. उपनिषदों की बातें
१२. विष्णुपुराण की बातें
१३. सप्तशती गुरुचरित्र समनुवाद
१४. दत्तबावनी